



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी २४, १९७६ (माघ ४, १८९७)

No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 24, 1976 (MAGHA 4, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ स्तोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा शास्त्रीय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

स० ए० 32014/1/75-प्रणा०-III-(1)-दस कार्यतिथ की समस्याक अधिसूचना दिनाक 14-7-75 का आशिक संघोधन करते हुए सध लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 1-7-75 से 10-8-75 तक की अवधि के लिए उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी प्रेड मे स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रशासन III (2)---मध्य लोक
मेवा आयोग मे केंद्रीय सचिवालय मेवा सत्रर्ग के स्थायी सहायक
श्री एम्. एन्. सगमेश्वरन को राष्ट्रपति द्वारा 27-9-75 से
11-11-75 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी
ग्रावेशो तक, जो भी पहले हो, उक्त मेवा के अनुभाग अधिकारी प्रेष
मे स्थानपत्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रश्ना० III (3)---इस कार्यालय
की समस्यावर्क अधिसूचना दिनांक 17-9-75 के अनुक्रम में
केन्द्रीय सत्रिवालय सेवा सर्वर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी०
दाम सर्वा को राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 1-10-75 से 15-11-75
तक 46 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए उक्त सेवा के अनु-
भाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त
किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रश्ना० III (4)---संघ लोक सेवा
आयोग मे केन्द्रीय सत्रिवालय सेवा सर्वग के स्थायी महायक श्री
1—426GI/75

एम० एन० सगमेश्वरन को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अधिकारी आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न अधिकार पर नियुक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रश्ना० III (5) — सघ लोक सेवा आयोग मे केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 17-11-75 से 2-1-76 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी अदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रश्ना० III (6)---सध लोक सेवा
आयोग मे केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वर्ग के स्थायी सहायक श्री
एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से
29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा श्रागामी
आदेशो तक, जो भी पहले हो, इस सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड
मे स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रशासन III (7) — सध लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वग्रंथ के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75 तक 47 दिन की अवधि के लिए अधिकारी आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, इस सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड मे स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियमित किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रश्ना० III(8)---मंघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वर्ग के स्थायी सहायक श्री

शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 13-11-75 से 29-12-75
की अधिकारी के लिए अवधारा आगामी आदेशों तक, जो
सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न
से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (10)—संघ लोक
सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक
श्री ए० पी० गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 17-11-75 से 1-1-76
तक 46 दिन की अवधि के लिए अवधारा आगामी आदेशों तक, जो
भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने
के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रभात नाथ मुखर्जी, अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग
में के० स० स्ट० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड II अधिकारी श्री पी० पी०
सिक्का को, जिन्हे इस कार्यक्रम की समस्याक अधिसूचना
दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में
पूर्णतया तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए
नियुक्त किया गया था 4-11-75 के अपराह्न से उसी सेवा के
ग्रेड II में, उसी संवर्ग में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग
संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय स्टेनो-
ग्राफर सेवा का ग्रेड II) श्री पी० पी० सिक्का को राष्ट्रपति
6-12-1975 से 20-1-1976 तक 46 दिन की अवधि के
लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ वैयक्तिक
सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड I) के पद पर उसी संवर्ग
में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य
करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री पी० पी० सिक्का यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक
(के० म० स्ट० से० का ग्रेड I) के पद पर उनकी नियुक्ति
पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर है तथा इससे वे केन्द्रीय
सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड I में संविलयन या उस ग्रेड में
वरिष्ठता के हकदार नहीं होंगे।

प्रभात नाथ मुखर्जी, अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

भू-वैज्ञानिक परीक्षा, 1976 के नोटिस में संशोधन

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 जनवरी 1976

सं० एफ० 5-2-74-ई० I (बी०) 11 अक्टूबर, 1975
को भारत के राजपत्र के भाग III खंड I में प्रकाशित भू-वैज्ञानिक परीक्षा, 1976 से सबद्ध संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० 5-2-74-ई० I (बी०) दिनांक 11 अक्टूबर, 1975 में
निम्नलिखित संशोधन किया जाएः—

नोटिस के पृष्ठ 8638 पर कालम I के पैरा 8 में सबसे
नीचे की पंक्ति में “अस्वीकार” शब्द के स्थान पर “स्वीकार”
शब्द पढ़ा जाए।

बी० ए० जोली
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

मन्त्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ए० 20014/29/75-प्रशा०-1—राजस्थान पुलिस में
प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राजस्थान पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण
ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री आइदन
राम को दिनांक 9-12-1975 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण
ब्यूरो, जयपुर शाखा में अपने पद के कार्य भार से मुक्त कर दिया
गया है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं० ए० 31013/1/75-प्रशा०-1—राष्ट्रपति अपने प्रसाद
से श्री ए० भीष्मपाल, स्थानापन्न सूचना अधिकारी, केन्द्रीय
अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 1 जुलाई, 1975 से मूल रूप में
सूचना अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, के रूप में नियुक्त करते
हैं।

गुलजारी लाल अवधार,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

सं० 2/49/75-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-
द्वारा श्री ए० के० सन्याल, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई अनु-
भाग अधिकारी को 18 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक
आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 2/21/75-प्रशासन (i)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त
एतद्वारा श्री रवीन्द्र नाथ, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक
को 16 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक
आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 2/21/75-प्रशा० (ii) केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-
द्वारा श्री ब्रह्म दत्त, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक
को 18 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक
आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 4/5/75-प्रशासन—श्री ए० एन० भला, अनुसन्धान
अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने अपनी एगर इण्डिया में
प्रतिनियुक्ति पर सतर्कता अधिकारी के पद पर चुने जाने पर 22
दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 4/2/75-प्रशासन—श्री ए० डी० पुल्हानी, अनुभाग
अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने भारत पर्यटन विकास
निगम, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर सतर्कता अधिकारी के पद
के लिए चुने जाने पर 22 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अपने पद
का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 24 दिसम्बर 1975

स० 2/20/74-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एवं द्वारा श्री जयाकर पी० जोनसन, आई० ए० एस० (ए० पी० 1958) को 12 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, केन्द्रीय मन्त्रकाता आयोग में स्थानापन्न रूप से विभागीय जाच अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० पी० एफ०/एम०/6-जी—श्री एन० जी० के० मूर्ती, तकनीकी परीक्षक, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने वार्द्धक्य-वय होने पर 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० छी० दिघे,
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मवालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली—110001, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

स० एफ० 2/33/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित उप अधीक्षक पुलिस (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमांडेट के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पद स्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथिया उनके नामों के सामने दी गई हैं।

क्र० स०	नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्य- भार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्य- भार सम्भाला	पद करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	श्री मुख्तियार सिह	सहायक प्रिसिपल आर० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ० बरवाह।	24-7-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेट, 59 बटा० सी० आर० पी० एफ०	2-8-75 (अपराह्न)
2	श्री एस० राठोर	उप अधीक्षक पु० (क० कमांडर/क्य० एम०), 51 बटा०, सी० आर० पी० एफ०	1-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट, 51 बटा० सी० आर० पी० एफ०	1-8-75 (पूर्वाह्न)
3	श्री सन्त प्रकाश सिह	सहायक प्रिसिपल, सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट, सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री सुन्दर सिह	उप अधीक्षक पु० (कम्पनी कमांडर/क्य० एम०) 34 बटा- लियन सी० आर० पी० एफ०	9-9-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट 46 बटालि- यन, सी० आर० पी० एफ०	22-9-75 (पूर्वाह्न)
5.	श्री गजेन्द्र सिह	उप अधीक्षक पु० (कम्पनी कमांडर/क्य० एम०) 24 बटालियन, सी० आर० पी०	9-9-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेट ग्रुप सेंटर देवली।	15-9-75 (पूर्वाह्न)
6	श्री जागीर सिह	उप अधीक्षक पु० (कम्पनी कमांडर/क्य० एम०) ग्रुप- सेन्टर सी० आर० पी० एफ०	15-10-75 (अपराह्न)	सहायक कमांडेट 59 बटा- लियन सी० आर० पी० एफ०	27-10-75 (पूर्वाह्न)
7.	श्री डी० के० खुराना	सहायक प्रिसिपल सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमांडेट सी० टी० सी० I, सी० आर० पी० एफ०	18-8-75 (पूर्वाह्न)

स० 0-11-1033/75 स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर ऊपेन्द्रा मोहन्ती को तदर्थं रूप मे दो दिन के लिए 5-5-75 से 6-5-75 के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल मे कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको नियुक्त किया।

स० श्री० टू०-28/69-ईस्ट—ले० कर्नल उमराव सिंह के प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होने प्रिसिपल, सी० टी० सी० 1, सी० आर० पी० एफ० नीमच का कार्यभार 4 दिसम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग दिया।

प्र० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

स० ई०-38013(3)/6/75-प्रशा० 1—तलचर को स्थानान्तरित होने पर, श्री टी० के० बनर्जी ने दिनांक 24 नवम्बर 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इस्पात सन्यन्त्र, राउरकेला, के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ई०-31015 (1)/1/75-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, सहायक कमांडेट टी० पी० वसु को दिनांक 10 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुग्धपुर इस्पात सन्यन्त्र, दुग्धपुर का स्थानापन्न रूप से कमांडेट नियुक्त करते हैं, जिन्होने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

स० ई०-31015(1)/1/75-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, सहायक कमांडेट बी० दलाई, को दिनांक 8 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, पैरादीप पोर्ट ट्रस्ट का स्थानापन्न रूप से कमांडेट नियुक्त करते हैं, जिन्होने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय पैरादीप मे होगा।

स० ई०-38013(3)/23/75-प्रशा० 1—नई दिल्ली से स्थानान्तरित होने पर, श्री जी० एस० सन्धू ने दिनांक 7 दिसम्बर 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत भारी विद्युत लि० (भारी विद्युत उपस्कर सन्यन्त्र) के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय हरिद्वार मे होगा।

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

स० ई०-31015(1)/1/75-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, सहायक कमांडेट एन० एन० मोहन्ती को दिनांक 8 दिसम्बर 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला इस्पात सन्यन्त्र, राउरकेला, का स्थानापन्न रूप से कमांडेट नियुक्त करते हैं और उन्होने उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

स० ई०-31015 (1)/1/75-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, बी० जी० भाटटे को दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, वैक नोट मुद्रणालय, देवास, का स्थानापन्न रूप से कमांडेट नियुक्त करते हैं और उन्होने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० विष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

स० 11/7/75-ए० डी० I—राष्ट्रपति श्री तीरथ दास को, जो भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे सहायक केन्द्रीय सारणी अधिकारी हैं, उनके कार्यभार सम्भालने की तिथि से 6 महीने की अवधि के लिए या आगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, मध्य प्रदेश के उपजनराजना निदेशक के पद पर बिलकुल अस्थायी एवं तदर्थं रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तीरथ दास का मुख्य कार्यालय भोपाल मे होगा।

दिनांक 27 दिसम्बर 1975

स० 10/6/75-ए० डी० II—इस कार्यालय की अधिसूचना
स० 10/6/75-ए० डी० I दिनांक 26 अगस्त, 1975 की अनुवृत्ति मे राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय मे उपनिदेशक (आकड़े प्रक्रिया) के पद पर श्री एस० एन० चतुर्वेदी की तदर्थं नियुक्ति को दिनांक 17 नवम्बर, 1975 से 16 फरवरी 1976 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

रामभद्रा चारी,

भारत के महापंजीकार एवं पदेन संयुक्त सचिव

वित्त मन्त्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशगाबाद (म० प्र०), दिनांक 22 दिसम्बर 1975

फा० स० 7 (36)/—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 7 (36)/3834 दिनांक 24-6-75 के आगे श्री एस० टी० सिरमट को तदर्थं आधार पर 29-2-1976 तक की अवधि के लिए अग्निशमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विष्वनाथन, महा प्रबन्धक।

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

स० प्रशासन-1/कार्या० आदेश 755/5-5/पदोन्नति/3265—
आगे आदेश होने तक महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने इस कार्यालय के निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों

को उनके नाम के समक्ष अंग्रेजी तिथियों से १० ८४०-१२०० के समय वेतनमान में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया है।—

नाम	लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
१. श्री एल० आर० गुप्ता अनु० अधि०	१७-१२-७५ (पूर्वाह्न)
२. श्री एस० मित्रा अनु० अधि०	१७-१२-७५ (पूर्वाह्न)

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं
नई दिल्ली-११०००१, दिनांक २० दिसम्बर १९७५

सं० ६२४४ ए० प्रशासन/१३०/७५—लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं के निम्नलिखित अधिकारी उन के नाम के सामने दो गई तिथि से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

अम संख्या	नाम	निवृत्त की तिथि
सर्वश्री		
(१) के० वैद्यानाथन्	३०-११-७५ (अपराह्न)	अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी
(२) सी० डी० ग़ल्लावादी	५-१२-७५ (अपराह्न)	स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी

गिरिजा ईश्वरन,
वरिष्ठ उप-निदेशक,
लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

रक्षा मन्त्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनेस फैक्टरियां
भारतीय आर्डेनेस फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-१६, दिनांक २२ दिसम्बर १९७५

सं० ५४/७५/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु (५८ वर्ष)
प्राप्त कर श्री आर० एन० स्कामी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक ३० सितम्बर, १९७५ (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय, सहायक महानिदेशक
आर्डेनेस फैक्टरियां

अम मन्त्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था
जगजीवन नगर, दिनांक २३ दिसम्बर १९७५

सं० एस० आर० सं० पी० ८ (२५)/६७—कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमावली १९४९ के नियम ५ के उप-नियम (१) (अ) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं इस

कार्यालय के उत्तरवर्ती संशोधित अधिसूचना सं० पी० ८ (२५) ६७ दिनांक ३० दिसम्बर १९७१ का अधिक्रमण कर, कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष सलाहकार समिति ने अपने दिनांक २६-१०-१९७५ को हुई बैठक में वित्तीय उप-समिति निम्नलिखित सदस्यों को लेकर गठित की:—

अध्यक्ष

- कोयला खान कल्याण आयुक्त,
धनबाद
सदस्य (नियोक्ता)
(प्रतिनिधि)
- श्री वी० एल० बडेहरा
प्रबंध निदेशक,
केन्द्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड
दरभंगा हाउस, रांची
- श्री ओ० महीपति,
निदेशक (कार्मिक),
बी० सी० सी० लिमिटेड,
पोस्ट—सरायडेला,
धनबाद
(श्रमिक प्रतिनिधि)
- श्री एस० दास गुप्ता
- श्री प्रोवत गोस्वामी

आर० पी० सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त
धनबाद

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक २३ दिसम्बर १९७५

आयात और निर्यात नियंत्रण

(स्थापना)

सं० ६/१०७६/७५-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग १ में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री जी० एस० ग्रेवाल को अगले आदेशों तक १-१०-१९७५ (दोपहर पूर्व) से इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

रोमा मजुमदार
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बस्त्र-४०००२०, दिनांक १६ दिसम्बर १९७५

सं० सी० ई० आर० २/७५—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, १९४८ के खंड २० में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऐतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० एस० १/२० दिनांक २२ सितम्बर १९४९ में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना मे पैराग्राफ 8 के बाद निम्नलिखित पैराग्राफ जोड़ दिया जाएगा,

अर्थात् :—

“8ए० प्रत्येक विनिर्माता “नियंत्रित लांग क्लाथ”, “नियंत्रित शॉटिंग” और “नियंत्रित ड्रिल” बनाते समय उनकी सम्पूर्ण लम्बाई मे और उनकी कोई भी एक किनार के पास ताने मे, ब्लैचिंग मे न घुलने वाले पक्के रंग के, दो रंगीन धागे लगाएगा।

परन्तु ऐसे रंगीन धागे अनियंत्रित वस्त्र मे नहीं लगाए जाएंगे।

टिप्पणी :—उपर्युक्त प्रकार से लगाए जाने वाले रंगीन धागे साधारणतः नेप्याल लाल रंग के होंगे। छपे, रंगे हुए या अन्य रंगीन वस्त्र की दशा मे ऐसे लगाए जाने वाले धागे किसी भी वैकल्पिक भिन्न रंग के हो सकते हैं परन्तु वे स्पष्ट दिखाई पड़ने चाहिए।

स्पष्टीकरण—“नियंत्रित लांग क्लाथ”, नियंत्रित शॉटिंग”, और “नियंत्रित ड्रिल” इन शब्दों का वही अर्थ होगा जो वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/68 दिनांक 2 मई 1968 मे इनके लिए दिया गया है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी 1976 से प्रभावी होगी।

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

(सं० सी० एल० बी०-1/1/2/71-75)

बम्बई-400020, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2 (611)—वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रावेशिक कार्यालय के सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान टेकनीकल) श्री उल्लाल अनन्त चिरोडियन 10-11-1975 से 29-2-1976 तक नियुक्ति-पूर्व छुट्टी ग्रहण करने के उपरांत 29 फरवरी, 1976 के अपराह्न से सेवा-नियूत हो रहे हैं।

वीरेन्द्र बहादुर वर्मा,
निदेशक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 मे निम्नलिखित को जोड़ा जाए, अर्थात् :—

वर्ग 6 के अन्तर्गत—प्रभाग 2 के अन्तर्गत

(1) प्रविष्टि “कार्डेक्स” के पूर्व मे “कार्ड फ्लेक्स डिटो-नेटीग फ्युज” को जोड़ दिया जाए।

दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 मे निम्नलिखित को जोड़ा जाए, अर्थात् :—

वर्ग-2 नायट्रेट मिक्सचर के अन्तर्गत

1. प्रविष्टि “नोबेलाईट” के पूर्व मे “नेमोनाईट” को जोड़ दिया जाए।

हगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 7843/बी० 2222 (आई० बी० आर०)/19 ए०—
श्री इन्डस्यु बैंकेट रेही को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान, म, अस्थाई क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक, 14 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7836/बी० 2339 (बी० ज० एस०)/19 बी०—
श्री बिमल ज्योति सेन गुप्ता एम० एस सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे सहायक भूभौतिकीविद् के रूप मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान मे स्थानापन्थ क्षमता मे आगामी आदेश होने तक 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7839/बी०/2222 (एस० एस० जी०)/19 ए०—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-विज्ञान) श्री शिवानन्द सेन गुप्ता को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मे, उसी विभाग मे, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान मे, अस्थाई क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक, 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7816/बी०/2339 (ए० एच०)/19 बी०—श्री अनवर हाकिम एम० एस० सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे सहायक भूभौतिकीविद् के रूप मे 650 रु० प्रति माह के वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान मे अस्थाई क्षमता मे आगामी आदेश होने तक, 9 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7830/बी०/9/58/सी०/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री सी० एस० वैंकटेश्वरन् को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे सहायक भूभौतिकीविद् के रूप मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान मे स्थानापन्थ क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक, 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 7809/बी०/2181 (एम० आर० एम० आर०)/
19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनश श्री
एस० आर० मुकुन्द राव को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की
सेवाओं से 18-4-1975 के अपग्रह से मुक्त किया जाता है
जिससे वे भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी के
रूप में अपनी नई नियुक्ति ग्रहण कर सके।

बी० के० एस० वरदन,
महा निदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
हवड़ा-711103, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० बी० एस० आई० 66-103-75-इस्टे—विभागीय
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक भारतीय
वनस्पति सर्वेक्षण श्री ए० खान, कार्यालय अधिकारी, केन्द्रीय कार्यालय,
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण [जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त,
पञ्चम-बंगल के कार्यालय में भविष्य निधि इन्वेस्टर—
(श्रेणी-1) में नियन पर थे] की नियुक्ति केन्द्रीय कार्यालय
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण में अवर प्रशासकीय अधिकारी पद पर
स्थानापन्न रूप में, संशोधित बेतनमान रु 650-30-740-
35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200
में नियमित आधार पर, श्री एम० एल० मुखर्जी, अवर प्रशासकीय
अधिकारी (स्थानापन्न हार में प्रशासकीय अधिकारी पद पर
नियुक्त और अभी सेवा निवृत्त होने के पहले छुट्टी पर) के रिक्त
स्थान पर दिनांक 30 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से पुनः आदेश
होने तक करते हैं।

डी० जी० मुखर्जी,
विरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 4 (103)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा डा० मुनिल कुमार सत्पथी को 1 दिसम्बर, 1975 से
अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, मस्कलपुर में अस्थायी आधार
पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 5(69)/61-एम० एक—श्री जे० रामकृष्णन्, कार्य-
क्रम निष्पादक, आकाशवाणी, हैदराबाद निवर्तन आयु पर पहुंचने
पर तारीख 30 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त
हो गए।

सं० 5(108)/67-एम० एक—महानिदेशक, आकाश-
वाणी, एतद्वारा श्री गोहन लाल, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी,
जालंधर को 14 नवम्बर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक,
आकाशवाणी के उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम
निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (130)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाश-
वाणी, एतद्वारा श्रीमती श्रेणी अंगमो को 22 अक्टूबर, 1975
से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, लेह में अस्थायी आधार
पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० 4(61)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री भुवन पति शर्मा को 17 नवम्बर, 1975 से अग्रेतर
आदेशों तक, आकाशवाणी, रेडियो कफ्टेन, जम्मू में अस्थायी
आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार पिंडा,
प्रशासन उप निदेशक
कूरे महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय
फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 20/पी० एफ०/48-सिंचन्दी-1—प्रमुख निमता ने,
श्री एस० ए० राव, स्थायी समाचार वित्र अधिकारी, फिल्म प्रभाग,
नई दिल्ली को दिनांक 10-12-1975 के पूर्वाह्न में भूल नियमा
56(i) (ii) के अनुमार सेवा निवृत्त किया।

के० एस० कुडवा,
प्रशासकीय अधिकारी
कूरे प्रमुख निमता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 9-38/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशक ने डा० विष्णु सक्सेना को 24 नवम्बर 1975 के
पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय
सरकार स्वास्थ्य योजना, मद्रास, में होम्योपैथिक चिकित्सक के
पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० 9-40/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशक ने डा० (कुमारी) अमर वीर को 15 अक्टूबर,
1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के
अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में होम्योपैथिक
चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल,
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 16-39/74-भंडार-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने
महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्य विभाग), बम्बई के
कार्यालय के लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्य) श्री एम० आर०
भावे को 16 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक

चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, बम्बई, में नेत्रा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

समत मिह,
उप निदेशक, प्रशासन

कृषि एवं सिवाई मंत्रालय
(ग्रामीण विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० फा० 4-5 (62)/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० के० शास्त्री को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन बम्बई में दिनांक 10 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर स्थानापन्न विषयन अधिकारी वर्ग III, नियुक्त किया गया गया है।

दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० फा० 4-6 (99)/75-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग, की संस्तुतियों के अनुसार श्री मधुकर मरोजहल्वा कोस्टा को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन गोहाटी में दिनांक 10 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी वर्ग-1, नियुक्त किया गया गया है।

सं० फा० 4-5 (63)/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सी० वी० नीलगीवम् को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन गुन्टूर में दिनांक 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विषयन अधिकारी-वर्ग-III, नियुक्त किया गया गया है।

ई० एस० पार्थमारथी,
कृषि विषयन सलाहकार

केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान

बम्बई-400058, दिनांक 26 दिसम्बर, 1975

सं० 1-12/75 स्था०/10401—विकास आयुक्त, अन्दमान निकोबार, प्रशासन सचिवालय, के कार्यालय में मत्स्य विकास अधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री विजय कुमारन, निदर्शक (मीन परिसंस्करण), केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, बम्बई को दिनांक 25 सितम्बर, 1975 को उनके कार्यभार से मुक्त किया गया।

एस० एन० द्विवेदी,
निदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/८१(137)/75-प्रा०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०)

श्री सपूर्वटकर रामस्वामीश्वर रामचंद्रन को 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/डॉ॒नियर प्रेणी 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/८१(131)/75-प्रा०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई फोरमैन श्री अब्दुल्ला साहब टोसे को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप] से वैज्ञानिक अधिकारी/डॉ॒नियर-प्रेणी 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/७३(2)/75-प्रा०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा० रवीकात गुप्ता को 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये अस्थाई रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उमीद्दीप्पणी,
उप स्थापना अधिकारी (भ०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना
कल्पकम-603102, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 18(60)/75-भर्ती—विद्युत परियोजना हजारीनियरी प्रभाग के निदेशक, परियोजना के अस्थायी पर्यवेक्षक श्री एस० श्रव्यनार को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/डॉ॒नियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन,
प्रशासनिक अधिकारी

क्रप एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

सं० डी० पी० एस० /ए०/३२०११/२/७५-स्थापना---क्रप एवं भंडार निदेशक, क्रप एवं भंडार निदेशालय के भंडार यूनिट, तारापुर परमाणु विजलीघर, तारापुर के अस्थायी भंडारी श्री एन० वाई० अरेकर को, श्री बी० पी० टिल्लू, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 10-6-1975 से 11-7-1975 तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से रो० 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं. प्र० 31014/1/75-ई०-१—निम्नलिखित अधिकारी, उनके आगे दिए दिनांक में, भारतीय मौसम विज्ञान मेवा, श्रेणी-II में योनिक रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त किए गए हैं।—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	मौलिक नियुक्ति का दिनांक	तैनाती कार्यालय
1	2	3	4
सीधी भर्ती			
1. श्री बगश्वत मिह			
1-5-75 कार्यालय, वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली (अभी भारत में बाहर प्रतिनियुक्ति पर)			
पदोन्नत			
1. श्री के० कृष्ण			
1-3-70 कार्यालय, निदेशक भारतीय उष्ण कटिवर्षीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुना			

उपरोक्त अधिकारियों को वरीयता सामान्य नियमों के अनुसार नियुक्त की जाएगी।

वाई० पी० राव,
वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

सं. प्र० 32013/4/75-ई० सी०—गाष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को 1 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हे उसी स्टेशन पर तैनात किया है।—

1. श्री के० वी० उपाद्या, वैमानिक सचार स्टेशन, सहायक तकनीकी अधिकारी मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास।
2. श्री आर० सप्तम कुमारन, वैमानिक सचार स्टेशन, सहायक तकनीकी अधिकारी मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास।
3. श्री श्रवण कुमार, निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, सफदरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।

हरवं लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं. प्र० 32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कमलानन्द राय सचार सहायक को 28 नवम्बर, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक सचार सगठन में सहायक सचार अधिकारी के रूप में वैमानिक सचार स्टेशन, कलकत्ता पर नियुक्त किया है तथा उन्हे उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

2-426GI/75

सं. प्र० 32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कमलानन्द राय सचार सहायक को 28 नवम्बर, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक सचार सगठन में सहायक सचार अधिकारी के रूप में वैमानिक सचार स्टेशन, कलकत्ता पर नियुक्त किया है तथा उन्हे उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं. प्र० 38012/1/75-ई० सी०—वैमानिक सचार स्टेशन, बम्बई के श्री पी० एल० मोदगिल, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने निर्वत्त आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी मेवा से निवृत्त हो जाने पर 30-11-1975 (प्रपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं. प्र० 38013/1/75-ई० सी०—वैमानिक सचार स्टेशन, मद्रास के श्री सी० जी० क० राव, सहायक सचार अधिकारी ने निर्वत्त आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी मेवा से निवृत्त हो जाने पर 30 नवम्बर, 1975 (प्रपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

विश्व विनोद जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं. प्र० 32013/7/75-ई० प्र०—राष्ट्रपति ने श्री ई० सी० खरब, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को 17 दिसम्बर, 1975 से 6 मास की अवधि के लिए अथवा उन के द्वारा घारित पद के नियमित आधार पर भरे जाने ताकि इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त

किया है। श्री खरब को दिल्ली एवं रपोर्ट, पालम पर तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जीहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन'

केन्द्रीय उत्पाद तथा ग्रीष्मा शुल्क समाहर्तालिय

पटना, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 11(7) 5-स्था०/75/12971—इस कार्यालय के आदेश मि० सं० 1-सामा०/मसा०/गोप०/74/11/8894 दिनांक 5-8-1975 के अनुसारण में श्री आर० एन० पी० साहू, स्थानापन्न अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमांशुल्क समाहर्तालिय, पटना दिनांक 6-11-1975 के पूर्वाह्नि में सेवा-निवृत्त हुए।

ह० ना० साहू,
समाहर्ता

इलाहाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर, 1975

सं० 161/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में अधीक्षक (निवारक एवं ग्राम्याचना) के रूप में तैनात श्री बी० वी० जायसवाल, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमांशुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के आदेश मछा 14/1975-फा० सं० ए०/38013/31/75-सी० ई० आर० सी० (प्रशा०), दिनांक 6-11-1975 का पालन करते हुए, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में अधीक्षक (निवारक एवं ग्राम्याचना) के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 27-11-1975 को (दोपहर के बाद) श्री ए० पन० ए० स० भट्टाचार को सौंप दिया और उक्त तिथि और समय से वे सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये।

सं० 162/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (निवारक) के पद पर तैनात श्री देवी प्रसाद अवस्थी, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने दिनांक 30-11-1975 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (निवारक) के कार्यालय का कार्यभार श्री सिद्ध नाथ तिवारी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' को सौंप दिया और तिथि और समय से वे सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 22 दिसम्बर, 1975

सं० 168/1975—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, गोरखपुर में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, देवरिया के रूप में तैनात श्री आर० एस० मिह, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने दिनांक 30-11-1975 को (दोपहर के बाद) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, देवरिया के अधीक्षक के कार्यालय का कार्यभार श्री जी० पी० दरबारी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, गोरख-

पुर को सौंप दिया और उक्त दिनांक और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 169/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय मिर्जापुर में तैनात तथा इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2 स्था०/75, दिनांक 23-10-1975 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या 314/1975 दिनांक 23-10-1975 के अनुसार ग्रामामी आदेश होने तक रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनपात्र में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो-(अव वर्ग 'ख'/ग्रुप 'बी०') के पद पर नियुक्त श्री गौरी शंकर श्रीवामन व स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 10-11-1975 को (दोपहर में पहले) श्री ए० य० य० हैदर, अधीक्षक सीमांशुल्क वर्ग 'ख' को कार्य भार से मुक्त करते हुए सीमांशुल्क मण्डल कार्यालय, लखनऊ में अधीक्षक सीमांशुल्क वर्ग 'ख' लखीमपुर खीरी के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया। श्री ए० य० य० हैदर का स्थानान्तरण सीमांशुल्क मण्डल, गोरखपुर को हो गया है।

सं० 170/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय कानपुर में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में जैनात और इन कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 30-स्था०/75/27805, दिनांक 29-7-1975 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या 208/1975 दिनांक 29-7-1975 के अनुसार, ग्रामामी आदेश होने तक, रू 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनपात्र में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त श्री बाकी लाल गुप्ता ने दिनांक 29-8-1975 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय सीमांशुल्क में प्रशासन अधिकारी के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया श्री पी० के० खन्ना, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' ने उसी समय और तारीख से उक्त पद का अतिरिक्त कार्यभार छोड़ दिया।

एच० वी० दास,
समाहर्ता

चंडीगढ़ दिनांक 23 दिसम्बर, 1975

सं० 150—श्री सोमनाथ मलोहत्तरा स्थानापन्न कार्यालय अधिक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय नई दिल्ली की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन्न सहायक मुख्य लेवा अधिकारी (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम 650-30-740-35-810-द० बी०--35-880-40-1000-40-1200 पर को गई है। उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 29-11-1975 दोपहर पहले से चंडीगढ़ समाहर्तालिय में प्रहण कर लिया है।

सं० 151—श्री ओम प्रकाश शर्मा स्थानापन कार्यालय अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय नई दिल्ली की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम पर 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 पर की गई है उन्होंने अपने पद का कार्यभार उत्पादन शुल्क जालंधर के कार्यालय में 29-11-1975 को दोपहर बाद ग्रहण कर लिया है।

सं० 152—श्री मेला राम स्थानापन कार्यालय अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय चडीगढ़ की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम पर 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 पर की गई है। उन्होंने अपने पद का कार्यभार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय श्री नगर में दिनांक 9-12-1975 के पूर्वाह्न ग्रहण कर लिया है।

सं० 153—श्री दलजीत सिंह स्पाई निरीक्षक (एम० जी०) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय की नियुक्ति अगले आदेश तक स्थानापन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारी (ग्रुप बी०) के पद पर वेतन क्रम 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 पर की गई है। उन्होंने अपने पद का कार्यभार केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय लुधियाना में 3-12-1975 के पूर्वाह्न को ग्रहण कर लिया है।

कें० कें० द्विवेदी,
समाहर्ता

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद-121001, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

सं० 3-393/75-सी० एच० (ई०)—श्री प्रकाश नारायण वो कनिष्ठ भू-विज्ञानिक वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर अस्थाई स्थप से वेतनमात्र 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत मुख्यलाय चंडीगढ़ के साथ दिनांक 27-11-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख
मुख्य जल भू-विज्ञानी

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर, 1975

सं० 5/6/75-ई० सी०-1—रात्रिपति, 1974 मे हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्न-लिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रणी-1 मे स्थायक कार्यपालक इंजीनियर

(सिविल) के अस्थायी पदों पर उनके नाम के आगे दो हुई तिथि से परिवीक्षाधीन नियुक्त करते हैं:—

सर्वश्री		
1. सुशील कुमार मितल	.	28-11-1975
2. विनोद कुमार गुप्त	.	2-12-1975
3. आर० सिरकार	.	1-12-1975
4. बी० लाहा	.	1-12-1975

पी० एस० पांडिती,
प्रशासन उपनिदेशक

रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 74/ग्रार० ई०/161/1—सर्वसम्बन्धीय की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि रेलवे के अलीगढ़ स्थित स्विचिंग स्टेशन से खुर्जा जं० सब-स्टेशन तक (कि० मी० 1331 से कि० मी० 1370 तक) उतर रेलवे द्वारा बनायी गयी 132 के० बी० दोहरा परिपथ पारेवण लाइन म, जो निकट के गांवों के ग्राम-पास रेल-पथ के समानांतर जाती है, 15-12-1975 से 132 किलोवाट ए० सी० 50 साइकिल प्रति सेकिण्ड बिजली प्रत्राहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी पारेवण लाइन को हर समय बिजली-युक्त माना जायेगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ऊपरी लाइन के पास नहीं जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

सं० 74/ग्रार० ई०/161/1—रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं की आम सूचना के लिए एतद्-द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि अलोगढ़ जंक्शन (छोड़कर) से खुर्जा (सहित) तक के खण्ड पर (संरचना सं० 1328/5 और 6 से संरचना सं० 1371/23-24 तक) ए० सी० 50 ऊपरी कर्षण तारों पर 15-12-1975 को या इसके बाद 25 किलोवाट बिजली प्रत्राहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी कर्षण लाइन को हर समय बिजली-युक्त माना जायेगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उसके पास नहीं जायेगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

अमृत लाल गुप्त,
सचिव

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

मद्रास-600006, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० 143/ लिक्विड० /५.५६०/७५—यतः दि आकॉट सिटिजन बैंक लिमिटेड बजार स्ट्रीट, आर्काइ, नार्थ आर्काइट-जिला (इन लिक्विडिशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय जुमरीतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समाप्त किया जा रहा है।

और यह: अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा विवरणियों से रमापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः कम्पनी मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दि आकोट सिटिजन बैंक लिमिटेड (इन लिकिवडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पि० शशपूर्ण,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेहरू स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ढी० एन०/1875/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नेहरू स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कुन्गप्पालयम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 5947/डी० एन०/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कुन्गप्पालयम ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और फटुमै पदिप्पगम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ढी० एन०/2126/560(3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फटुमै पदिप्पगम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० श्रीनिवासन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि सिसीयर मनी एटरप्राइसिज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद-1, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० 885-टी० (560)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इम तारीख से तीन माह के प्रथमांश पर दि सिसीयर मनी एटरप्राइसिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
आंध्रप्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पूना इन्वेस्टर्स बैंक लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

सं० 4539/560(3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि इन्वेस्टर्स बैंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

आयकर आयुक्त का कार्यालय

अमूतसर, दिनांक 24 अक्टूबर] 1975

सं० 2--श्री देवा सिंह गुप्ता, आयकर अधिकारी प्रथम श्रेणी दिनांक 15-10-1975 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

[निं० सं० ढी०-4-जिल्द-III-143।]

दिनांक 18 दिसम्बर 1975

सं० 3--श्री टी० एन० बन्सल, आयकर अधिकारी, द्वितीय श्रेणी, जो कि बी-वार्ड, अबोहर में आयकर अधिकारी थे, 8-12-75 को सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर प्रस्थान कर गये। 29-2-1976 को छुट्टी उपरात्त, वह सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेगे।

[निं० सी० बी०-4-जिल्द-IV-1719।
ब० र० अबरोल, आयकर आयुक्त, अमूतसर-1

पटियाला, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

आदेश

मं० गोप० 1303/स०अनु०/841—यतः आयकर आयुक्त, पटियाला-I, पटियाला की राय है कि ऐसा करना लोकहित में है;

अतः अब भूल नियमों के नियम-56 के खन्ड (ज) के उपखन्ड (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, पटियाला-I, पटियाला श्री पी०ग०म० गम्भीर, आयकर अधिकारी, वर्ग-11 की एतदद्वारा तत्काल सेवा से निवृत्त करते हैं, क्योंकि वे पहले ही 5-7-1971 को 50 वर्ष की आयु के हो चुके हैं। श्री पी०ग०म० गम्भीर को तीन मास की अवधि के लिए उनके वेतन तथा भत्तों के बराबर राशि, उस दर से संगणित करके जिस दर से वे सेवा निवृत्त से ठीक पहले वेतन ले रहे थे, संदर्भ की जायेगी।

बी० पी० गुप्ता,
आयकर आयुक्त,
पटियाला-I, पटियाला

प्रूरुप आई० टी० एन० एस०

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनाक 22 दिसम्बर 1975

निदण स० सि० आर० 62/4233/75-76—यतः मूँझ,
आर० क्षेत्रिकार्यपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिस की स० सर्वे नया न० 10/2 (पुगाना न० 3) का प्लाट न० 20
में है गाव, बैट फील्ड, त्रिष्णाराजपुर होल्ली, तथा जो सौत पटनदुर्ग
ग्राम्हारा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर सौत
तालुक में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दस्तावेज न० 814/75-76 ता० 8 मई 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की प्रारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एफ० वी० ए० स्कड० प्यर वाइग मार्शल,
इंडियन एयर फोर्स, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) (1) श्री दारा सी० शाप

15/1, मद्रास व्यान्क रोड, बैंगलूर १

(2) ज्ञकरिया हाशिम पुत्र हाशिम गतार न० 11,
एडवर्ड रोड, बैंगलूर १

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध विसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज न० 814/75-76 ता० 8 मई 1975)

पुगाना सर्वे न० 3, नया सर्वे न० 10/2 में 'लाट न० 20,
सौत पटनदुर ग्राम्हारा, बैट फील्ड, त्रिष्णाराजपुर होल्ली, बैंगलूर
सौत तालुक

सीमा : पू० प० 180' + $\frac{224}{2}$

उ० द० : $\frac{172' + 175'}{2} = 35047$ वर्ग फीट

सीमा :

पू० : आयरलैण्ड की सम्पत्ति

प० : प्लाट न० 19

उ० : 'लाट न० 9

द० : पनचायत रोड

प्रार० क्षेत्रिका
सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनाक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश स० सि० आर० 62/4243/75 76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० सैट न० 18, 19 और 20 है तथा जो 'पापु
काटे ज का भाग टाटा सिलक फार्म, कनकापुरा रोड, बैंगलूर-१
में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर बैंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दस्तावेज न० 373/75-76 दिनांक 1 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, भौ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री बी० कृष्णमूर्ति (2) बी० के० मूर्ति (3)
बी० के० एन राजन (4) बी० के० राम (5) श्री०
के० श्रीधर (6) बी० के० कुमार 'पापु काटे ज',
कनकापुरा रोड, टाटा सिलक फार्म बैंगलूर-४
मुख्तारनामी एस० सी० गोपालपा, 67, एच० बी०
समाजा रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-४

(अन्तरक)

(2) श्री चमनलाल मेहता सी०/१ कालेज स्ट्रीट, मार्केट
कलकत्ता-१२

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 373/75-76 दिनांक 1 मई 1975)
सैट न० 18, 19 और 20, पापु काटे ज का एक भाग, टाटा
सिलक फार्म, बसवनगुडि, बैंगलूर-४

सीमा $100' \times 55' = 5500$ वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : सैट न० 17

पश्चिम : रास्ता

उत्तर : सैट न० 6, 7, 8 और 9

दक्षिण : रास्ता

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वी
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलूर
बैगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निर्देश स० सि० आर० 62/4264/75-76—यत मुझे
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० 55 (पुराना 12) का एक भाग है तथा जो
छारलेस क्यामल रोड, काक्स टौन, बैगलूर-5 में स्थित है (ग्री०
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैगलूर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
21 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

- (1) श्रीमती मेरी बोमन मुखारनामी द्वारा एम० क०
थामम, 9, रेनिस स्ट्रीट, बैगलूर-25
(अन्तरक)
(2) श्री के० जे० अशोकगंज 2, लेविस रोड, कूर टीन
सिविल स्टेशन, बैगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समीली व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितपद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्नाक्षरी
में पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस ध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 686/75-76 दिनांक 21 मई 1975)
न० 55 (पुराना न० 12) का पिछला भाग जो छारलेस
क्यामल रोड, काक्स टौन, बैगलूर-5
क्षेत्रफल : प० प० : 40'

उ० द० : 50' = 2000 वर्ग फीट

सीमा :

प० : न० 1 और 1/1 छारलेस क्यामल रोड
प० न० 5, छारलेस क्यामल रोड
उ० : लाट न० 3-अब न० 68/2
द० . न० 55 में का भाग

आर० कृष्णमूर्ति
राक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बगलूर

दिनांक . 24 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4420/75-76—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 55 का पिछला भाग है तथा जो छारलेस क्यामल रोड, काक्स टौन, बैंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

(1) श्री के० ज० अशोकराज 2, लविस रोड, कूक टौन बैंगलूर-5

(अन्तरक)

(2) श्री एन० शनभूगम द्वारा मुख्यारनामी एन० कृष्णन नं० 126/2, कलिरापा रोड डोडिंगन्टा, काक्स टौन, बैंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

'उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 834/75-76 दिनांक 2 जून 1975)

सट नं० 55 (पुराना नं० 12) का पिछला भाग, छारलेस क्यामल रोड, काक्स टौन, बैंगलूर-5

क्षेत्रफल : पू० ५० ए० ४०'

उ० द० : ५०' = 2000 वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : न० १ और १/१ छारलेस क्यामल रोड

पश्चिम : न० ५, छारलेस क्यामल रोड

उत्तर : प्लाट नं० ३ (नया नं० ६८/२)

दक्षिण : नं० ५५ का सामने का भाग जो श्रीमती सुगुना को बेचा गया और रास्ता

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 24 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/4269/75-76—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है तथा जो मद्रास स्थापर्स आफीमस
कालोनी, बनसवाडी रोड बैंगलूर-33 में स्थित है (और इसमें
उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 मई 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—426 GI/75

(1) श्री ई० के० एन० कुमार
ट्रैयरिंग बटालियन III
एम० ई० जी० सेनटर बैंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० अरविन्दाकश मेनन
82, कॉलस रोड बैंगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 730/75-76 दिनांक 23 मई 1975)
प्लाट नं० 12, मद्रास सापर्स आफीमस कालोनी, बनसवाडी
रोड, बैंगलूर-33

क्षेत्रफल :

$$\text{पू० प० } \frac{65' + 38'}{2}$$

$$\text{उ० द० } \frac{80' + 81'}{2} = 4146 \text{ वर्ग फीट}$$

सीमा :

पूर्व : सैट नं० 52

पश्चिम : रास्ता

उत्तर : सैट नं० 51

दक्षिण : खाली जमीन

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रैरुप मार्ग ० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निम्नों सं० यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० आर० एन० न० 8 है तथा जो गनगोनडनहल्ली
यशवन्तपुर होब्ली, बैंगलूरु नार्थ तालुक मे स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची मे शौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय बैंगलूरु नार्थ तालुक मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 मई 1975
दस्तावेज नं० 855/75-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उभमें चर्चने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

- (1) श्री सज्जन आर० राव द्वारा मुळारनामी एस० एम०
रामकृष्ण राव 'लक्ष्मी निवास' फोर्ट, बैंगलूरु सिटी
(अन्तरक)
(2) श्री मुनिवैरप्पा उर्फ पापना अतिगुप्ते गांव, मैसूर
रोड, बैंगलूरु सिटी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 855/75-76 दिनांक 22 मई 1975)
4 एकड़ जमीन आर० एस० न० 8, गनगोनडनहल्ली गांव,
यशवन्तपुर होब्ली, बैंगलूरु नार्थ तालुक ।

सीमा :

पूर्व : आर० एस० न० 8 मे अन्तरिती की जमीन
प० उ० द० : आर० एस० न० 8 मे अन्तरक की जमीन

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निदण स० मि० आर० 62/4329/75-76—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 490 है तथा जो राजमहल विलास एक्सटेनशन बैंगलूर में स्थित है (और इस से उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 मई 1975 (दस्तावेज 974/75-76) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याति :—

(1) श्रीमती पी० टी० जानकीथमा डी 6/30 "वसन्त विहार" नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री एस० जी० श्रीनिवासन रीजिनल म्यानेजर, एर० इण्डिया बनधना 11, ठालसटाय मार्ग, दिल्ली-1

(2) वैदेही श्रीनिवासम, नं० 3, सरक्यूलर रोड चानक्यापुरी, नई दिल्ली-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 974/75-76 दिनांक 28 मई 1975)
सैट नं० 490, राजमहल विलास एक्सटेनशन, बैंगलूर
डिविजन 45)

क्षेत्रफल :

पू० : 99'

प० : 103' 9"

उ० : 60'

द० : 60'=6000 वर्गफीट

सीमा :

पू० : सैट नं० 491

प० : सैट नं० 489

उ० : सैट नं० 482 और 483 का हिस्सा

द० : रास्ता

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्र० श्री आ० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/4342/75-76—यतः, मूल्य
आर० कृष्णमूर्ति

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 3 (पुराना 5/46) है, तथा जो सादार पवप्पा रोड आ० टी० सी० रोड, 1 क्रास, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गन्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 मई 1975 (दस्तावेज नं० 631/75-76) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (i) श्रीमती जी० जे० मोसस, 33, विकटोरिया रोड, बैंगलूर-7
- (ii) पी० डी० जेवियर, 14 लथानग फोर्ड क्रास, शान्ति नगर, बैंगलूर-27

(iii) श्री एन० रामचन्द्र, 105, सादारपवप्पा रोड, बैंगलूर सिटी

(अन्तरक)

- (2) श्री एन० रामचन्द्र 105, सादारपवप्पा रोड, बैंगलूर सिटी

(अन्तरिती)

- (3) 1. जे० एस० जेवियर, 33 विकटोरिया रोड, बैंगलूर
- 2. कुमारी जे० आर० जेवियर द्वारा मुख्तारनामी जे० एस० जेवियर
- 3. एलिजबथमा, 33 विकटोरिया रोड, बैंगलूर (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 631/75-76 दिनांक 9-5-1975)
नं० 3 (पुराना नं० 85) I क्रास, बील तालुक कचेरी रोड, बैंगलूर सिटी।
दिविजन नं० 40

क्षेत्रफल :

पू० : 19' 9"+48' 6"-+8'
प० : 65' 9"
उ० : 34' 9"+17'
द० : 51' 9"

सीमा :

उत्तर : नं० 2, बी० टी० सी० रोड, I क्रास और एस० ए० सी० इमारत

दक्षिण : कनारा बैंक इमारत

पूर्व : कनारा बैंक इमारत और एल० ए० सी० इमारत

पश्चिम : I क्रास, बी० टी० सी० रोड

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदण सं० सि० आर० 62/4343/75-76—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।
और जिसकी सं० 3 (पुराना नं० 85) है तथा जो बी० टी० सी०
रोड, I क्रास, बैंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय
गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 9 मई 1975 (दस्तावेज नं० 632/75-76)
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) उक्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कं
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. जे० एस० जेवियर, 33, विकटोरिया रोड, बैंगलूर-7
2. जे० आर० जेवियर द्वारा मुक्तारनामी जे० एस०
जेवियर

3. एलिजाबेथरमा, 33 विकटोरिया रोड,
बैंगलूर-7

(अन्तरक)

(2) श्री एन० रामचन्द्र 105, सादारपन्ना रोड
बैंगलूर सिटी

(अन्तरिती)

- (3) 1. पी० जी० जेवियर, 14 लयान्फोर्ड रोड, क्रास
शान्ति नगर, बैंगलूर-27
2. आटो एम० जेवियर, 8/274, नादर कालोनी,
दिल्ली रोड, कोयमवत्तूर
3. जी० जे० मोसस, 33 विकटोरिया रोड, बैंगलूर-7
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 632/75-76 दिनांक 9 मई 1975)
नं० 3 (पुराना नं० 85), बी० टी० सी० रोड, I क्रास,
बैंगलूर सिटी।

क्षेत्रफल :

पू० : 19' 9" + 8' + 48' 6"

प० : 65' 9"

उ० : 34' + 17'

द० : 5' 9"

सीमा :

उत्तर : नं० 2, बी० टी० सी०, रोड I क्रास और एल० ए० सी०
इमारत

दक्षिण : कनारा बैंक इमारत

पूर्व : कनारा बैंक इमारत और एन० ए० सी० इमारत

पश्चिम : बी० टी० सी० रोड, I क्रास

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० 62/4346/75-76—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 16 है तथा जो IV कास, मागडी रोड बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 मई 1975 को (दस्तावेज नं० 717/65-76) पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती एम० होननप्पा (2) चम्पमा (3) एच० राजन्ना (4) एच० भाग्यकुमार 16, VI कास, मागडी रोड बैंगलूर-23

(अन्तरक)

(2) 1. मूल राजमेहता

2. प्रताप सिंह मेहता

23, कास, मागडी रोड बैंगलूर-23

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्यांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 717/75-76 दिनांक 14 मई 1975)

सैट नं० 16, VI कास, मागडी रोड, बैंगलूर सिटी डिविजन

नं० 13

क्षेत्रफल :

पू० प० : 180' + 190'

उ० द० : 104' + 72' / 2 = 16280 वर्ग फीट

सीमा :

पू० : गनगया का घर

प० : कास रोड

उ० : एम० होननप्पा का बनाया हुआ रोड

द० : म्युनिसिपल नाला

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, प्रासफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/ग्रक्य०/१/एस० आर०-III/मई०-
1/744 (15)/75-76—यत्, मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० जैमा कि अनुसूची में दिया गया है जो मेरे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री हरी चन्द, बालू तथा लखी चन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हत राम, निवासी जोनापुर गाव, तहसील महरौली, दिल्ली इनके जनरल एटारनी श्री प्रेम नाथ सुपुत्र श्री हम राज निवासी 1556, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली (2) श्री नारांद्र आनन्द, सुपुत्र श्री गियान चन्द, निवासी, 1632, नाई वाला, बरौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2 मैसर्स मोहन लाल हरबस लाल भयाना एण्ड क०, सी०-५४, महारानी बाग, भोगल आश्रम के पास, रिना रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी श्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

हप्तोकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जोकि 6 बीगा तथा 6 बिसवा (6377 वर्ग गज) क्षेत्रफल पर है, मुस्तातोल न० 15, जोकि 13/2 तथा 14/2 किले का भाग है और मुस्तातोल न० 15 जोकि 17 तथा 18 किले का भाग है, जोनापुर गाव, महरौली तहसील, दिल्ली क्षेत्र में स्थित है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 8 जनवरी 1976
मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए०, आमफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ग० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-III/मई-1/
744 (15)/75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूल्य में दिया गया है, जो में स्थित है (और इसके उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के असरक के साथित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी चन्द, बालू तथा लखी चन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हत गम, निवासी जोनापुर गाव, तहसील महरौली, दिल्ली इनके जनरल डटारनी श्री प्रेम नाथ, सुपुत्र श्री हंस राज, निवासी, 1656, कोटला मुवारकपुर, नई दिल्ली (2) श्री नारान्द्र आनन्द, सुपुत्र श्री गियान चन्द, निवासी 1632, नाईलाला, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री ओनकार कम्पनी, सुपुत्र श्री अमर नाथ कम्पनी, निवासी श्याम-भवन, जोशी रोड, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जोकि 5 बीगा तथा 4 बिसवा पर, मुस्तातोल नं० 15 है जोकि खसरा नं० 22 का भाग है तथा मुस्तातोल नं० 28 जोकि खसरा नं० 2 का भाग है, जोनापुर गाव, महरौली तहसील, दिल्ली क्षेत्र, नई दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976
मोहर :

प्रलेप ग्राही० ई० एन० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ असी रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली- दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० ग्राही० ए० सी०/एक्य०/11/2006/1001/
75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 2817 है, जो कूचा चेलान, दरिया गंज, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए
ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पब्लिक
प्रतिशत से अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरितों
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से बुर्ड किसी प्राय की बाबत 'उक्त
प्रधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम',
या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रब 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ के ग्रन्तरण
में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेष्ठतः—

4—426GI/75

1. श्री प्रेम सहगल, सुपुत्र श्री मेहर चन्द सहगल निवासी
38-डी०, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली स्वयं तथा रजिस्टर्ड जनरल
एटारनी श्री मुरीन्द सहगल, सुपुत्र श्री मेहर चन्द सहगल, निवासी :
38-डी०, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली के लिए (2) श्री सुदेश
सहगल, सुपुत्र श्री मेहर चन्द (3) श्रीमती शीला रानी सहगल,
पत्नी श्री मेहर चन्द सहगल, निवासी 38-डी०, सुजान सिंह पार्क,
नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती हमीदा बेगम, पत्नी श्री अब्दुल राशीद, 802,
हवेली अजाम खान, बाजार चितली कबर, जामा मस्जिद,
दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० 2817 और जोकि 200
बर्ग गज जमीन पर बना है। यह कूचा चेलान, दरिया गंज,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० 11/2816

पश्चिम—मकान नं० 11/2818

उत्तर—गली

दक्षिण—मकान नं० 11/2848।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० पम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1,

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/349(1002)/
75-76—यतः, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है;

और जिसकी सं० बी०-5/4 का पूर्वी भाग है, जो कृष्ण नगर,
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यद्यापि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच इसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चरन जीत कौर, पत्नी श्री बलवीन्द्र सिंह, बी०-9/5,
कृष्ण नगर, दिल्ली-5। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पलटा, मुमुक्षु श्री मुलव राज पलटा,
बी०-8/14, कृष्ण नगर, दिल्ली-5। (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी०-5/4 का पूर्वी भाग जोकि कुल क्षेत्रफल
233-1/3 वर्ग गज का 77-7/9 वर्ग गज, खसरा नं० 412
का भाग है और जोकि मान्यता प्राप्त कलौनी कृष्ण नगर, गांडली
गांव शाहदरा, विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लाट नं० बी०-5/3

पश्चिम—प्लाट नं० बी०-5/4 का भाग

उत्तर—रोड

दक्षिण—प्लाट नं० बी०-6/4।

एस० एन० एल० अग्रवाल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/एम्य०/11/2038/1003/

75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 9437 गली न० 10 है, जो मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुन्दन लाल राना, सुपुत्र श्री रत्नपत राय, 9437, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार उर्फ विनोद गोपाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री पी० एन० बैनरजी, निवासी 9437, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री तिलक राज, सुपुत्र श्री एम० के० खुराना, (2) तिलक राज बालरा, (3) शाम लाल मेहरा, सभी निवासी 9437, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए आयंवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान 100 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लाट पर बना है जिसका न० 9437, गली न० 10 है, मुलतानी डांडा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—मुख्य मुलतानी डांडा रोड,

पश्चिम—मकान न० 9437-ए

उत्तर—रोड न० 9436 ए

दक्षिण—गली न० 10

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रंजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

माहर :

प्रस्तुत ग्राही टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 4/14ए, असफ अली रोड, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० /बू०/11/2046(1004)/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3010 गली नज बंदन, है, जो शाह गंज, अजमेरी
गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1975 को

समाज के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रनुरित (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शुर्खात,

1. श्री संवल दास, सुशुप्त श्री देवी दीन, 3010, गली
नज बंदन, शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मीराजुहीन, सुपुत्र मोहम्मद इशाक तथा श्रीमती
खुरशीद बेगम, पत्नी श्री मीराजुहीन, निवासी 3016, गली
नल बंदन, शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मवध मे कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा-परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची:

एक ढाई मणिला मकान जो 100 वर्ग गज प्लाट पर बना है, जिसका (पुराना) नं० 1850 तथा वर्तमान मुन्यसिपल नं० 3010, नज बंदन, शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली मे है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुत ग्राइंटी० एन० एस०-----

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2001/1005/
75-76-यतः, मुझे, एस० ए० ए० एल० अग्रवाल आयुक्त प्रधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त
प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7051 तथा 7052 हैं, जो बैरी वाला बाग,
आजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावन्न अनुभूति
में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीर्टर प्राधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीयकरण प्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की मई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के नियं
तय पाया भगा प्रतिफल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः प्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मे. उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, प्रर्थत

1. श्री चूनी लाल, सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 7050,
बेरीवाला बाग, अजाद मार्किट, दिल्ली (2) श्री रोशन लाल,
सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 306, अजाद मार्किट, दिल्ली
(3) श्री शाकी लाल, सुपुत्र श्री सुन्दर दास, निवासी 325, अजाद
मार्किट, दिल्ली (4) श्रमती शीलावती, पत्नी श्री किवन मल,
निवासी 6844, बेरीवाला बाग, अजाद मार्किट, दिल्ली (5)
श्रीमती कृष्णावती, पत्नी श्री बलदेव राज, निवासी 305,
अजाद मार्किट, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती गोरजन देवी, पत्नी श्री अमीर चन्द, 8932.
नया मोहला, अजाद मार्किट, दिल्ली-6 (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूत में काँड़ भी ग्राहेप --
--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तिया पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जोभी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताधरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में व्या-
प्तिभापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो 105 बर्ग गज प्लाट पर बना है,
जिसका नं० 7051 तथा 7052 है, बेरीवाला बाग,
अजाद मार्किट, बांद नं० 13, दिल्ली में है। यह मकान
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० 7053 पश्चिम—मकान नं० 7050
उत्तर—पुराना रोहतक रोड। दक्षिण—गली ।

एस० ए० ए० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
शहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976
मोहर .

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०—————

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/11/343/1006/

75-76—यतः, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 25 राज ब्लाक कलौनी, है, जो जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है और इससे उपामद्ध अनुसूची में प्रौग्ण पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्रि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब्लेम उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन

1. श्री देस राज, सुपुत्र श्री लाला राय, 1122, रेलवे रोड, शाहदरा, दिल्ली-32
(अन्तरक)

2. श्री डा० गीता गुप्ता, पत्नी डा० आर० पी० गुप्ता, 672, काबूल नगर, शाहदरा, दिल्ली-32 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

., अनुसूची

जायदाद नं० 25 का खेतफल 400 वर्ग गज, खसरा नं० 2851/68, 70 है और जोकि चन्द्ररावली गांव, शाहदरा, अबादी राज ब्लाक कलौनी, जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली-32 में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—बाकी खसरा नं० 2851/67

पश्चिम—रोड 36'

उत्तर—बाकी खसरा नं० 71

दक्षिण—अन्य भूमि :

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस० ——

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

सारित सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रीराम कृष्ण विद्यालय

४/१४-ए. आसफ अली रोड, नई दिल्ली-१

नई दिल्ली-१, दिनांक ८ जनवरी १९७६

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2032/1007/
75-76-यतः, मस्ते, एस० एन० एल० प्रग्वाल आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी स० 2191 (2 दुकाने निचली मजिल) है, जो मोहला शाहगंज, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नियम तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जटेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है -

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने तो ग्रन्तरक के वायिन्व में कभी छर्ने या उसमें वचने में भविधा के लिए, प्रीर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तिया को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 वा 11) या उन अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आहिंग था छिपाने में सविधा वे निए।

अत अब उक्त प्रधिनियम की धारा 264ग के अनु-
भव में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 264घ की उपधारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थत-

1. श्री ओम प्रकाश, सुपुष्प श्री हुकम चन्द निवासी 3691,
मोहला शाह गंज, अजमेरी गेट दिल्ली-६ (श्रान्तरक)

2. श्री अजीज अहमद, सुपुत्र बहादुर खान तथा मोहम्मद हारून, सुपुत्र श्री अब्दुल अजीज, निवासी, 3770, तथा 4381, भोहला शाहगंज असमेरी गेट, दिल्ली-6 (अन्तर्रिटि) को यह सूचना जारी करके पूर्णतम भूमिका के अर्जन के लिए कार्यधारिया ग्रूप करवा दें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मवध में कोई भी प्राक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्मस्वान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(x) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति हालागा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थितीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसंक्षी

दो दुकाने जोकि 36 वर्ग गज क्षेत्रफल पर बनी हुई हैं, जिसका नं० 2991, मोहल्ला शाह गंज, अजमेरी गेट, दिल्ली है।

एस० एन० एस० अपवाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
झर्जन रेज-2, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : ४ जनवरी, १९७६

मोहरः

प्रस्तुत आई०टी०एन०एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,
4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०एक्य०/११/२०३७/१००८/७५-७६—
यतः, मुझे, एस०एन०एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे उम्मे उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 10445 बागीची आलूदीन है, जो कादम शारीफ
पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टाधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1975

• सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

(व) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उम्मे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थान
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः

1. श्री घोंसा, सुपुत्र श्री नंगा भाली, निवासी कादम शारीफ
बागीची आलूदीन, पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री केदार नाथ, (2) श्री गणेशी लाल, सुपुत्र श्री
हजारी लाल, निवासी 9640, गली नं० 12, मूलतानी डांडा,
पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान 133 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लाट पर बना
है जिसका नं० 10445, गली नं० 2-3, बागीची आलूदीन,
कादम शारीफ पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है।

एस०एन०एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2022/1009/

75-76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8877 गली मोती बाली है, जो नया मोहल्ला, अजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्षत-

1. श्री नानक राम, सुपुत्र श्री किशन अन्द गावा (2)
श्रीमती दरपती देवी, पत्नी श्री नानक राम गावा, निवासी 8877,
गली मोती बाली नया मोहल्ला, अजाद मार्किट, दिल्ली
(अन्तरक)

2. मै० काका प्लास्टिक वर्क्स, 8923, नया मोहल्ला,
अजाद मार्किट, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूत में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो 53. 1/2 वर्ग गज प्लाट बना हुआ है, जिसका (पुराना) नं० 12/5568 तथा (नया) 12/8877, गली मोती बाली, नया मोहल्ला, अजाद मार्किट, दिल्ली-6 में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० 8876

पश्चिम—मकान नं० 8878

उत्तर—6 मकान नं० 8874

दक्षिण—मुख्य गली

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8 जनवरी 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर संघर्ष (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/11/328/1010/
75-76—यतः, मूँगे, एस० एन० ए८० ग्रन्वाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एफ०-12/21 का उत्तरी भाग है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात् :—

1. श्री सोहन लाल, सुपुत्र श्री हरी चन्द, एफ०-12/21,
कृष्ण नगर, दिल्ली-5। (अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द मोगा, सुपुत्र श्री बक्षी राम मोगा, 323,
गम नगर, दिल्ली-5। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेकु मंजिली मकान 98.9/10 वर्ग गंज प्लाट पर बना है, कुल क्षेत्रफल 197.8 वर्ग गंज का उत्तरी भाग जिसका नं० 21, ब्लाक नं० एफ०-12 है, कृष्ण नगर, गोडली गांव, शाहदरा, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम —जायदाद नं० एफ०-11/21

उत्तर—एफ०-12/20 पर बना मकान

दक्षिण—प्लाट का बाकी भाग।

एस० एन० ए८० ग्रन्वाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुति आदि० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1999/1011/
75-76—यत्, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० 5/8 की दहली तथा दूसरी मंजिल है, जो
सिह सभा रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी पक्के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिर की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चव अंश से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती राजवन्त कौर, पत्नी श्री जसवन्त सिंह, 5/8, सिंह
साबा रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली (अन्तरक)

2 श्रीमती कान्ता देवी, पत्नी श्री श्री चन्द, 9749, नीम
बाली गली, नवाब गंज, पुल बग्गा, दिल्ली (अन्तरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पहली तथा दूसरी मंजिल का क्षेत्रफल 213.3 वर्ग गज है
जोकि, प्लाट न० 5/8 पर बना है तथा सिह सभा रोड, सब्जी
मण्डी, दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है —

पूर्व—प्लाट न० 5/9
पश्चिम—प्लाट न० 5/7
उत्तर—गोड
दक्षिण—रोड ।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 9 जनवरी, 1976
माटूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निवेश स० आई० ए० सी०/एक्य०/11/332/1012/
75-76—यत्, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० के०-७ का भाग है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्वंद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को पूर्खोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्खोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया 'जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरगोविन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री नन्द राम, मकान न० 11/360/9, लाट न० के-7 कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (अन्तरक)

2. श्री गोहर सिंह, सुपुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी 10/90, गीता कालौनी, दिल्ली-31 (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका क्षेत्रफल 68.5/8 वर्ग गज है प्लाट न० के-7 पर बना हुआ है, जिसका न० 11/360/9, खसरे का भाग 512/482 है, कृष्ण नगर की अदाकी, गोडली गांव, शाहदरा, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड
पश्चिम—प्लाट न० के-21

उत्तर—प्लाट न० के-6

दक्षिण—प्लाट न० के-7 का बाकी भाग।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9 जनवरी, 1976
मोहर

प्रस्तुप० आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, 4/14-ए, आसाफ अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश स० आई० ए० सी०/एकम०/11/1013/333/
75-76—यतः, मुझे, एस० एमन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० के-7 तथा के-8 का भाग है, जो कृष्ण नगर,
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए।

ग्रन्त: श्रेष्ठ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरगोविंद, मुप्रत्त स्वर्गीय श्री नन्द राम, निवासी मकान
न० 360/9, प्लाट न० के-7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51
(अन्तरक)

2. श्रीमती विरन देवी, पत्नी श्री गोहर सिंह, निवासी 10/90,
गीता कालौनी, दिल्ली-31
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिणामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायशी मकान जो के-7 के दक्षिणी भाग में और
के-8 के कुछ अंश पर 68-5/8 वर्ग गांव गज जमीन के टुकड़े
पर बना है। इसका खसरा न० 512/284 कृष्ण नगर, गांव
गोन्डली, शाहदरा दिल्ली है और निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—प्लाट न० के-21

दक्षिण—के-8 का बाकी हिस्सा

उत्तर—के-7 का बाकी हिस्सा।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9 जनवरी, 1976

मोहर

प्रलूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निर्देश सं० 76-आर०/अर्जन—यत्, मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रुट नं० 5 है तथा, जो प्रेटल गार्डन हाउस जिला
नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, नैनीताल
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 9 जून 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कारदाने के अन्तरक के बायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती राजेश्वरी साह
(प्रस्तरक)

2. श्रीमती रानी सेखो
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लासेंबन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3,000 वर्ग फिट है।
जोकि ट्रोटल गार्डन हाउस जिला नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

तारीख 1 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राजेश्वरी शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रानी सेखां

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश नं० आर/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिस की सं० नं० 5 है तथा जो होटल गार्डन हाउस जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 जून 1975 को

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवताः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों को जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूट नं० 5 होटल गार्डन हाउस जिला नैनीताल में स्थित है।

बिशम्भर नाथ
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 1 जनवरी 1976

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 1 जनवरी 1976

निदेश नं० आर० सी०/ अर्जन—प्रतः मझे, विश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है
और जिसकी सं० सूट नं० 5 है 'तथा जो होटल गार्डन हाउस जिला
नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
दिनांक 23 अगस्त 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पल्दहु प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ए के अनुसरण
में भी, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ए की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित अवधियों प्रवर्त्ति:—

(1) श्रीमती कुमुद शर्मा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी सेस्थो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3,000 वर्ग फीट है। जोकि
होटल गार्डन हाउस, जिला नैनीताल में स्थित है ?

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

दिनांक 1 जनवरी 1976

मोहर :

प्रृष्ठा आई० ई० एन० एस० —————

(1) श्रीमती अहमदी बैगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती उमिला देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1976

निदेश नं० 16-11/एक्यू—अतः मुझे विश्वास्मार नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 369 आदि है तथा जो ग्रास गंज, बुलन्द शहर
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
21 अप्रैल 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमाने प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अष्टातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा दूकाने नं० 369, 370 व 371 जो ग्रोस गंज,
बुलन्द शहर में स्थित है।

विश्वास्मार नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक 9 जनवरी 1976

मोहूर :

प्रलूप आई० दी० एन० पृ० १४०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1976

निदेश सं० 17-11/एक्य०—श्रतः मुझे' विश्वास भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विधावास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 369 आदि है तथा जो ग्रोस गंज, बुलन्द शहर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक
21 अप्रैल 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विधावास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अहमदी बेगम

(अन्तरक)

(2) श्री उमेश चन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समात होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन दुकानें, न० 369, 370 व 371 का 1/4 हिस्सा जो
ग्रोस गंज जिला बुलन्द शहर में स्थित है।

विश्वास भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 9 जनवरी 1976

मोहर :

प्रृष्ठ पा० ३१० टी० एन० एस०—

१ श्रीमती श्रहमदी बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

२ श्री मुकट लाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक ९ जनवरी १९७६

निवेश स० ७३० एम०/अर्जन—अत मुझे विश्वास्थान नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है और जिसकी सख्ता ३६९ आदि है तथा जो ग्रोस गज, बुलन्डशहर मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्डशहर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 । (१०८ का १६) के अधीन, तारीख २१-४-१९७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित मे आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

प्रत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थतः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय २०-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

१/४ हिस्सा इकाने न० ३६८, ३७० व ३७१ जो ग्रोस गज जिला बुलन्डशहर मे स्थित है।

विश्वास्थान नाथ
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: ९-१-१९७६

मोहर.

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

1. श्रीमती अहमदी वेगम

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुकेश चन्द

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० 74-एम/एसी क्यू०—अन्. मूँझे विश्वम्भर नाथ
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 369 आदि है तथा जो ग्रोस गंज, बुलन्दशहर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख,
19-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धमकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या लक्ष्मणमध्ये व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बदल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बत् किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होता, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा दुकान नं० 369, 370 व 371 जो ग्रोस गंज
जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०-----

1 श्री विश्व नाथ चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री दी० जी० मेहरोता व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 23-बी/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 9 है तथा जो बी० एन० रोड लखनऊ में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए:—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किताब मकान नं० 9 जो कि बी० एन० रोड लखनऊ में
स्थित है।

विश्वम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 17-12-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-663 (255)/1-1/
75-76—यतः मुझे जे० कथुरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे नं० 143-बी, सी० एस० नं० 2068 तथा 2069-बी, है, जो नागजीमुदरजी पोल, जमालपुर वार्ड नं० 2, अहमदाबाद में स्थित है (और इस उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शांतीलाल मोहन लाल शाह,
मंगल पार्क, आपेरा सोसायटी के पास,
घूमकेहू मार्ग, पालड़ी
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री रनणलाल मूलचंद शाह,
मांडवी-नी-पोल,
नागजीभुदर पोल,
डेरावाला खांचा,
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच चार मंजल वाली अचल सम्पत्ति जो लगभग 96 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० नं० 143-बी, सी० एस० नं० 2068 तथा 2069 वी है तथा जो नागजीभुदरजी पोल, जमालपुर, वार्ड नं०-2, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विक्री दस्तावेज में दिया गया है।

जे० कथुरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

तारीख 6-1-1976

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जनवरी 1976

निदेश सं० 279/ए० सी० क्य० 23-470/6-275-76—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० स० नं० 1178, 1179, 1179/1, और 1180 पैकी प्लोट नं० 44, जे०-50 और जे० 53 से जे० 59 है, जो गोखा, सयाजी गंज एरिया, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) प्रिसीपल आफिसर,
बड़ोदा इंडस्ट्रीयल डैवलपमेंट कार्पोरेशन लि०,
गोखा रोड, बड़ोदा, (अन्तरक)
- (2) प्रिसीपल आफिसर,
ज्योति लिमिटेड, गोखा रोड, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ट्रिलब्झ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 1178, 1179, 1179/1 और 1180 पैकी 'लोट नं० जे-44 से जे-50 और जे० 59 से जे० 59 है तथा जो गोखा गांव बड़ोदा में स्थित है और जिसका कुल माप 1,40,000 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3203 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, विनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० २३-७२४ (२५६)/१८५/७५-

७६—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं०-१७२२ तथा १७७६, प्लाट नं० २० से ३४ तक है, जो सुरेंद्रनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडवान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-५-१९७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रति —

1. मैसर्स परमार—सोलंकी गदाणी जैस्वाल एन्ड को० सुरेंद्रनगर

की ओर से भागीदार :—

(i) परमार मन्हर लाल लीलाधर, परमार लीलाधर मावाजी एच० य० एफ० का मेम्बर, वाडीपरा, सुरेंद्रनगर।

(ii) परमार भीमाभाई हिम्मत लाल, परमार हिम्मत-लाल भाधवजी एच० य० एफ० का कर्ता, वाडीपरा, सुरेंद्रनगर।

(iii) परमार मूलजी माधवजी, वाडीपरा, सुरेंद्रनगर।

(iv) जैस्वाल जगदम्बा प्रसाद देवीप्रसाद, बुड्धाट रोड, सुरेंद्रनगर।

(v) जैस्वाल जयन्तीलाल देवीप्रसाद, बुड्धाट रोड, सुरेंद्रनगर।

(vi) जैस्वाल चन्द्रकांत देवीप्रसाद बुड्धाट रोड, सुरेंद्रनगर।

(vii) गदाणी नटवरलाल लावजीभाई, विजय सिनेमा घर के पास, सुरेंद्रनगर।

(viii) गदाणी अमरतलाल लावजीभाई, विजय सिनेमा घर के पास, सुरेंद्रनगर।

(ix) गदाणी हिम्मतलाल लावजीभाई, विजय सिनेमा घर के पास, सुरेंद्रनगर।

(x) सोलंकी पुरुषोत्तमदास विठ्ठलदास, वाडीपरा, सुरेंद्रनगर। (अन्तरक)

2. अजीतनाथ को० अ० हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से

प्रमुख :—श्री अशोक कुमार कातीलाल शाह, सुरेंद्रनगर।

उपप्रमुख :—श्री अजीत कुमार मुगतलाल शाह, सुरेंद्रनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2808 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० १७२२ तथा १७७६ है तथा प्लाट नं० २० से ३४, तक है और जो सुरेंद्रनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीखः 7 जनवरी 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(च) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23- - 725 (257)/1-1/
75-76—यतः मूझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० द० 189-ए, सब प्लाट न० 1 तथा 3, है, जो राजपुर हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीबर्टी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीबर्टी विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

7 - 426GI/75

1 श्रीमति ज्योतीबेन नागरभाई पटेल,

13/14 जयंत पार्क,
वटवा रोड, मणीनगर,
अहमदाबाद।

(अन्तरक

2 नटबर गोपाल को० आ० प० हाऊसिंग सोसायटी, की ओर से :—

वेयरमैन :—श्रीमति कादमबरीबेन रसीकलाल जोशी,
जेठाभाई नी पोल
खाड़ीया,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1516 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे न० 189-ए, सब प्लाट न० 1 तथा 3 है तथा जो राजपुर हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण निम्नलिखित दो बिक्री दस्तावेजों में दिया गया है :—

बिक्री दस्तावेज़ न० तथा तारीख	सर्वे० न०/एस० वी० न०	कुल क्षेत्रफल
6111/15-5-75	189-ए० एस० वी० 1	802 वर्ग गज
6112/15-5-75	189-ए० एस० वी० 3	714 वर्ग गज

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जनवरी 1976

निदेश सं० 307/प्र० रे०-III/75-76/कल०—अतः मुझे,
ल० क० बालसुश्रमप्यम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 74ए, 74ब, 74 स, 74डी, 74ई, 74 एफ है तथा जो आशुतोष मुकर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री अजित कुमार बसु, 1/ए, ली रोड, कलकत्ता,
(अन्तरक)

2. श्री मोहन कुमार मुकर्जी, 'बाकुलिया हाउस,' 2, विष बाबू लेन, खिदरपुर, कलकत्ता (अन्तरिती)

3 सर्वंश्री

- (1) प्रफुल घोषी और सुकुमार दे
- (2) जगदीश चन्द्र गांगुली
- (3) तुलसी नारायण पंडित
- (4) श्रीमति गायत्री देवी
- (5) श्री उपेंद्र नारायण चाकी
- (6) मेसर्स प्रामथा नाथ विजय कृष्ण एंड कं.
- (7) श्रीमति गायत्री देवनाथ
- (8) ई० एल० ई० सी०, होर्डिंग, कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र 5क० 15० ८० 38 वर्गफीट है, उसका अधिभाजित 6/15 वां हिस्सा, 74ए 74ब 74स 74 डी 74ई 74 एफ आशुतोष मुकर्जी रोड कलकत्ता पर स्थित है। दलील सं० 4280

ल० क० बालसुश्रमप्यम
सक्षम प्र.द्वारा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, 54, कलकत्ता रफीअहमद
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 5-1-1976।

मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जनवरी 1976

निदेश सं० 308/आ० रें-III/कलकत्ता—अतः मुझे, ल० के०
बालसुखमण्यम्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त
अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र०
से अधिक है और जिसकी

सं० 74ए, 74ब, 74स, 74डी, 74ई, 74एफ० है तथा जो
आशुतोष मुकर्जी रोड, कलकत्ता-1, मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1975 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी
करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मे० मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. आलोक कुमार बसु, 16, अलै स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरक)
2. श्री मोहन कुमार मुकर्जी, बाकुलिशा हाउस, 2, बिश्वा
बाबू लेन, मिट्टरपुर,
(अन्तरिती)
- 3 सर्वेशी
 - (1) प्रफुल घोषी और सुकुमार पे
 - (2) जगदीश चन्द्र गांगुली
 - (3) जुलसी नारायण पंडित
 - (4) श्रीमति गायत्री लाहिड़ी
 - (5) श्री उपेंद्र नारायण चाकी
 - (6) मेसर्स प्रामथा नाथ विजय कुमार कृष्ण एंड क०
 - (7) श्रीमति गायत्री देबनाथ
 - (8) ई०. ल० ई० सी०, होडिंग, कलकत्ता
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे० सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध मे० कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
मे० हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी
के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे०
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 5क० 15ए० 38 बार्फीट, इसके 6/15वा, हिस्सा,
जो 74ए, 74ब, 74स, 74डी, 74ई, 74एफ आशुतोष मुकर्जी
गोड कलकत्ता मे० स्थित है।

ल० क० बालसुखमण्यम्
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता
54, राजीवहस्त फिल्म्स रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-76

मोहूर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

**आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जनवरी 1976

निदेश सं० 309/ग्र० रे०-III/75-76/कस०—अतः
मुझे ल० क० बालसुब्रमण्यम्
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 74ए, 74ब०, 74स, 74डी, 74ई, 74 एफ, है, तथा जो आशुतोष मुख्यर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध घनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति बिजली घोष, 100/11, ग्रलिपुर रोड, कलकत्ता (2) श्रीमति दिपाली मित्र (3) अंतरक मंजुला घोष, 17/5स, ब्लॉक 'ए', नलिनी रेजन एवेन्यु, न्यू ग्रलिपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)।
2. श्री मोहन कुमार मुकर्जी बाकुलिया हाउस, 2, बिष्णुबाबू लेन बिलरपुर, कलकत्ता (अन्तरिती)।
3. सर्वथ्री
 - (1) प्रफुल घोषी और सुकुमार दे
 - (2) जगदीश चन्द्र गांगुली
 - (3) तुलसी नारायण पंडित
 - (4) श्रीमति गायत्री लाहिड़ी
 - (5) श्री उपेन्द्र नारायण चाकी
 - (6) मेसमं प्रामथा नाथ बिजय कृष्णन एण्ड क०
 - (7) श्रीमति गायत्री देवनाथ
 - (8) ई० ल० ई० सी०, होर्डिंग, कलकत्ता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि का अधिभाजित 3/15वां हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 5 क० 15 ल० 38 वर्गफीट है जो 74ए, 74ब०, 74स, 74डी, 74ई, 74एफ, आशुतोष मुकर्जी रोड, कलकत्ता पर स्थित है। दलोल सं० 3612।

ल० क० बालसुब्रमण्यम्
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता
54, रफीअहमद किल्डवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1976

मोहर :

प्रश्न आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० ए० सी०-३४/आर० II/कलकत्ता-७५-७६—
अतः मुझे आर० वी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 एछ, और 2 है तथा जो अलिपुर आवन्य स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) राजस्ट्राकर्ता अधिकारा क बार्यालय, कलकत्ता में, राजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 28-5-1975

को पूर्वानुसूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वानुसूचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्रता (अन्तर्रतायो) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स डायमन्ड इन्वेस्टमेंट और प्रापर्टीज एण्ड कॉम्पनी, लिमिटेड, 3, सिनागोग म्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)।

2. मेसर्स रियल एस्टेट्स कोर्पोरेशन 34, राजा बसन्ता राय रोड कलकत्ता। (अन्तर्रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 2 एछ और 2, अलिपुर एवेन्यू, कलकत्ता का विभाजित दक्षिण भाग, जिसका धोत्रफल 8 कठा, 15 चट्टाक और 5 बर्ग फुट है।

आर० वी० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II

54, रामगढ़मद किंवद्वाई रोड,

कलकत्ता-16।

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 219/75-76—प्रतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० 11-2-22 सीताफलमन्डी है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उगबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंशित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की वाचन, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, धारा 269-ष के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० मुरलोधर सिंग पुत्र नारासिंह सीताफलमन्डी,
सिकन्दराबाद
(अन्तरक)
2. मेसर्स भानुरी कासप्पा जीरा, सिकन्दराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 11-2-22 सीताफलमन्डी, सिकन्दराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन
सप्तर प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 6-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टो० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

स० आर० ए० सी० 220/75-76—यतः मुझे के० एस०
बेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य 15-1-503/8 और 9 फीलखाना है, जो हैदराबाद मे स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थति:—

- 1 श्री शेख नईमुदीन पुत्र स्वर्गीय शेख मोहम्मदुदीन, 18-3-892, बेरन अलीयाबाद, हैदराबाद (अन्तरक)।
2 (1) संतोष कुमारी (2) कुमारी बुखादेवी, 21-3-710, खेलापुर, हैदराबाद (अन्तरिती)।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 15-1-503/8 और 503/9 फीलखाना, हैदराबाद।

के० एस० बेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 6-1-76

मोहर :

प्र० श्रीमती हशमनुष्मिना बेगम्, पैगा हाउस, सरदार
पटेल रोड सिकन्दराबाद।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 222/75-76—यतः मुझे के० ए० स०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जितकी सं० प्लाट नं० 54, नं० 2-11-30 है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथान् :—

1. (1) श्रीमती हशमनुष्मिना बेगम्, पैगा हाउस, सरदार
पटेल रोड सिकन्दराबाद।

(2) श्री जैनारायण मिश्रा, 26ए, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० सुवर्णा वेवावारम्, 12-5-23, विजयपुरी,
साउथ लल्लागुडा, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 54, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद (156 से
159, और 2-11-30 थोकपल 309, 32 वर्ग मीटर्स)।

के० ए० स० वेकटरामन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 6 जनवरी 1976

मोहर .

प्र० आई० ए० ए० ए०

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 अनवरी 1976

सं० आर० ए० सी०-223/75-76—ग्रतः मुझे के० ए० स०
बैंकटरामन

ग्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन समस्त ग्रामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-6-510; 510/1, 510/2 और 510/3 है,
जो निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण हृष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रामिकारी के कार्यालय, निजामाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न-
निखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त ग्रधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरकों के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या छन-कर
ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः अब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथातः—
8-426GI/75

1. श्रीमती सयदा जनतुश्री वेगम् पत्नी स्वर्गीय सम्बद्ध
शरफुद्दीन, एडवोकेट, निजामाबाद। (अन्तरक)

2. श्री सम्बद्ध खुशरू आदिल हाशिमी पुत्र शरीफुल हसन
हाशमी, (2) सम्बद्ध अखतार आदिल हाशिमी पुत्र शरीफुल हसन
हाशमी, 5-6-510, मिविल लाईन, निजामाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रान्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घर नं० 5-6-510, 510/1, 510/2 और 510/3 सिविल
लाईन्स, निजामाबाद।

के० ए० स० बैंकटरामन
मध्यम प्रांगिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 6-1-1976

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 224/75-76—यत् भूमि के० एस०
वेकटरामन
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी० एफ०-4, पूनम अपार्टमेंट है, जो आबीदरोड,
में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

ग्रन्त: ग्रन्त 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. भैमसं एमोसिशेट बिल्डर्स, श्रीमती पृणालना गन्नी श्री
नृतनलाल द्वारा आबीद रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती एन० आर० अल्पठती रेडी, गन्नी एन० अरविन्द
रेडी, 1-2-45, गगनमहल रोड, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय पुरुष करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी०-१-एफ०-४, दूसरा मंजिल, पूनम अपार्टमेंट
चिराग अली लेन हैदराबाद अवफल 1085 वर्ग फीट।

के० एस० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर शायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1976

म० आर० ए० मी० 225/75-76—यत. मुझे के० एम०

बैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० वी०-एफ०-३ पूनम अपार्टमेंट है, जो आवीद रोड़ में स्थित है (और इससे उपरवाड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) ने अधीन 29-५-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

१. मैसर्स एसोसिएटेड बिल्डर्स और रियल इंस्टेट एजेंट्स,
आवीद रोड, हैदराबाद।
(अन्तरक)

२. श्रीमती एन० माधवी, मार्फत एन० नागननाथ रेडी,
एडब्ल्यूकेट, कर्नल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० वी०-एफ०-३ पूनम अपार्टमेंट, चिराग अर्जी नैन,
हैदराबाद।

क० पृष्ठ० बैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-1976

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1976

सं० आर० ए० सी० 226/75-76—वक्तः मुझे के० एस०
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 13-86/2 सीतारामपुरा है, जो मियीलगूडा में स्थित है (और इससे उपांवड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नलगोड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

17-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेडला-अनुरादा पती सुदाकर, 11-153 सीतारामपुरा, मिरयालगूडा नलगोड़ा जिला। (अन्तरक)

2. श्रीमती दिवगु सरस्वतमा पति जेनाकेशवलू तुनरापाड़, गांव (वी० ए०) मिरयालगूडा, नलगोड़ा जिला, जिला-मायनिजर, आनन्दप्रदेश, सिविल सपलाय, मं० नं० 13-86/2 सीताराम पूरम, मिरयालगूडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—मकान नं० 13-86/2 सीताराम पूरम गाँ.
मियीलगूडा, तहमील नलगोड़ा, जिला।

के० एस० वेकटरामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० १८० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेप, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-116/अर्जन/75-76/1866—यतः मुझे अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेप बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 1079, 1070 है, तथा जो मिकील रोड रांची में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वाला कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीषण ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री काली कुमार बनर्जी, अपर बाजार, रांची।
(अन्तरक)
2. श्रीमती बिमला देवी जैन, लेक रोड, रांची।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन रकवा 3-1/2 कट्ठा, सा० मिकील रोड, रांची, प्लॉट सं० 1079, 1070, म्यु० हो० स० 1002, वार्ड स०-१ तथा जो दस्तावेज सं० 9455, दिनांक 30-5-75 में पूर्ण तथा वर्णित है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-117/अर्जन/75-76/1867—यतः मुझे,
अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन
परिषेक, विहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० प्लाट सं० 1079, 1070 है, तथा जो मिकील
रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथत :—

1. श्री मो० कु० बनर्जी, अमर बाजार, रांची।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी जैन, लेक रोड, रांची।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
लागील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 3-1/2 कट्ठा, सा० मिकील रोड, रांची, प्लाट
मं० 1070, 1079, हो० सं० 1002, वार्ड सं०-I और जिसका
वर्णन दस्तावेज सं० 9453 दिनांक 30-5-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, विहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत माई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-118/अर्जन/75-76/1868—यतः मुझे अजय कुमार सिंहा, निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 1079 है, तथा जो मिकील रोड, रांची में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित वी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

1. श्री जकित कुमार बनर्जी, अपर बाजार, गार्नी।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द जैन, अपर बाजार, गार्नी।

(अन्तरिक्षी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 8 कट्ठा, सा० मिकील रोड, रांची, प्लाट मं० 1079, हो० सं० 1002, वार्ड सं० I, तथा जो दस्तावेज मं० 9454, दिनांक 30-5-1975 में पूर्णतया वर्णित है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख . 7-1-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-119/अर्जन/75-76/1869—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन
परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 892 से 895 है, तथा जो रानी विधा,
बिहार शारीक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नालन्दा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धारा 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारनीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः—

1. श्री क्षमन महतो, बल्द श्री चुरामन महतो एवं श्री कारु
महतो, बल्द श्री क्षमन महतो, सा० रानी विधा, थाना, बिहारशारीर
जिला नालन्दा।
(अन्तरक)

2. नालन्दा सर्विस स्टेशन, बिहार शारीर, बहुतमाम श्री
रामश्रय प्रसाद बल्द श्री त्रिवेणी सिंह, सा० नालन्दा सर्विस स्टेशन
बिहार शारीर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 10 कट्ठा, सा० रानी विधा, थाना बिहार
शारीर, जिला नालन्दा, खाता सं० 78, प्लाट सं० 892,
893, 894 एवं 895।

अजय कुमार सिंहा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-120/अर्जन/75-76/1870—यतः मुझे
अजय कुमार सिहा, निरीक्षि सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन
परिक्षेत्र, बिहार, पटना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिमकी सं० प्लाट सं० 1155, खाता सं० 53 है तथा जो
हेसाल, रांची में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय रांची में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ए 16) के अधीन,
तारीख 5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

9—426 GI/75

1. श्रोमती मूर्ति देवी, जौजे श्री कपिलदेव प्रसाद, अपर
बाजार, थाना-कोतवाली, रांची।
(अन्तरक)
2. श्री शिव प्रसाद सिंह बल्द श्री कुनवर सिंह, रातू रोड,
थाना-कोतवाली, रांची।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 5 कट्ठा के माथ मकान, सा० हेमाल, थाना कोतवाली,
रांची, प्लैट सं० 1155, सब-प्लैट सं० 1155/1, खाता सं०-
53, इत्यादि, जिमका वर्णन दस्तावेज सं० 7888, दिनांक 5-5-75
में पूर्णतः है।

अजय कुमार सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदश सं० III-121/अर्जन/75-76/1871—यतः मुझे,
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त, अर्जन
परिषेक, बिहार, पटना

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रादिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी स० म्य० हो० स० 146/ह है, तथा जो हात्मा (नागरा
टोली), राची में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गची
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति जो उचित बाजार मूल्य, उम्में
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ना पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तररती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, सिम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जावत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्में बचने
में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विभीषन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', पा भन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तररती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, किन्तु में सविधा के लिए।

ग्रन्तः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. डा० मुकुमार सन्धाल बन्द श्री सुरेन्द्र नाथ सत्याल, सा०
सारदाश्री, राची, चायवामा रोड, थाना-कोतवाली, राची।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या देवी जोर्ज डा० ब्रह्मेश्वर प्रसाद, सा०
बरियानु, थाना-सदर, राची।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां पूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

ल्पांटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा, 21 कट्ठा, 4 छटांक, मब प्लाट सं० 690/
वी०, खाता स० 37, म्य० प्लाट स० 370, म्य० हो० स० 146/ह,
वार्ड स० सात "व" जो गाची शहर के हात्मा (नागराटोली) में
स्थित है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज स० 6958, दिनांक 6-5-75
में पूर्णतः है।

अजय कुमार सिहा
सक्षम प्रादिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्र॒र॒प श्रा॒र्थि॒टी॒०१८००१८००—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं 30 III-122/अर्जन/75-76/1872—यत् मुझे अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृष्टि के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं हो ० सं 12, वा ० सं 2 है, तथा जो मिल्की उक्त वरेहपुरा में स्थित है (और इसे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 24-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बीबी असमतुम निशा जोजे स्व० खेलाफत हुसेन, तथा बीबी अफरिदा बेशम जोजे मैयद बुरहन, सा० एवं पो० बरेह पुरा, थाना-कोतवाली, जिला भागलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सीताराम यादव वल्द श्री भसावन यादव, सा० एवं पो० खैजरपुर, थाना-कोतवाली, जिला-भागलपुर, श्रीमती मनिका देवी जोजे श्री भुवनेश्वर मडल एवं श्री आशुतोष मडल वल्द श्री सीरी मडल, सा० एवं पो० खैजरपुर, जिला भागलपुर।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के रम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 8 बीबा, 15 कट्टा, 8 धुर, मिल्की उक्त वरेहपुरा थाना कोतवाली, जिला भागलपुर, वा० सं ० २, सकिन सं ० ४, हो० म०-१२ तथा जिगांव वर्णन दस्तावेज सं ० ६२०३ दिनांक 24-5-75 मे पूर्ण है।

ग्रजय कुमार सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, विहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-123/अर्जन/75-76/1873—यतः मुझे अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं० हो० सं० 36 है, तथा जो जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, ग्रन्त, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० एम० सफीक बल्द स्व० एस० टी० करीम, सा०/प००-सक्ती, जमशेदपुर, जिला सिहभूमि। (अन्तरक)

2. श्री सरदार अजीत सिंह, बल्द स्व० सरदार भगत सिंह, 33, टाटा नगर, मिल्स एवं गोडाउन एरिया, थाना गोल मूरी, जमशेदपुर, जिला सिहभूमि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 0. 2046 एकड़ के साथ मकान जो टाटा नगर मील्स एवं गोदाउन एरिया, जमशेदपुर में है तथा हो० सं० 36 और जो दस्तावेज सं० 6922, दिनांक 14-5-75 में पूर्णतः वर्णित है।

अजय कुमार सिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० III-124/अर्जन/75-76/1874—यतः मुझे,
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-
क्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 'की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० न० है, तथा जो सक्ती, जमशेदपुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 5-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रामकृष्ण बल्द श्री पतिनाथलाल, हो० सं० 359,
सीताराम डेरा, थाना सक्ती, जमशेदपुर। (अन्तरक)

2. श्री आर० प्र० सिह, अविभावक, चन्द्र हंस, सीताराम
डेरा, जमशेदपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथाप्रतिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पक्का मकान, हो० सं० 359, थाना सक्ती, जमशेदपुर,
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 6529/5-5-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदाश सं० III-125/अर्जन / 75-76 / 1875--यतः मुझ
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-
क्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 2500/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 7, थाना सं० 1167 है, तथा जो
जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० वी० पारीख वल्द स्व० वी० पारीख, सा०
कान्द्राकटर्स एरिया, जमशेदपुर, जिला सिंहभूम। (अन्तरक)

2. सरदार श्री सिंह वल्द स्व० सरदार भगत सिंह, सा०
टाटा नगर, मिल्स एवं गोदाम एरिया, जमशेदपुर, सिंहभूम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रक्खा 9 कट्ठा 7-1/2 धूर के सहित मकान, प्लाट सं०
7, थाना सं० 1167 जो टाटानगर खासमहल एरिया, जमशेदपुर,
में है और जो दस्तावेज सं० 7549/मई, 1975 में पूर्णतः वर्णित
है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 197-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेत्र, विहार पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदश स० III-126/अर्जन/75-76/1876—यत्. मुझे, अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संखा० 23 अ, वी० सं० 9 है, तथा जो भीकनपुर, भागलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम

1. श्री महिन्द्र सिंह, 166, पाटलिपुत्रा कोलोनी, पटना-13
(अन्तरक)

1. श्रीमती हरजिन्दर रेखी द्वारा श्री पौष्टि पास० एस० रेखी, मा० भीकनपुर, भागलपुर।
(अन्तरिती)

3. मिलिट्री इस्टेट, पदाधिकारी, दानापुर कैन्टोनमेंट (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—दृश्यमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एवं सतह में बना मकान सं० 23 अ, वाई० स० 9, सर्किल स० 2, जो कि आर० बी० सुखराज राय रोड, भागलपुर।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी, 1976

निर्देश सं० III -127/अर्जन/75-76/1877—यतः मुझे
अजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयुक्त, अर्जन परिक्षित,
बिहार, पटना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० हो० सं० 20 है, तथा जो कान्ट्राक्टर्स एरिया,
जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जमशेद-
पुर गे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अर्थात् :—

1. श्री डी० जी० बैद्य बन्द स्व० गोपाल नारायण बैद्य,
कान्ट्राक्टर्स एरिया, जमशेदपुर-1। (प्रत्तरक)
2. श्री दिनेश वी० पारीख, मिथिला मोटर्स (प्रा०) लिमिटेड,
जमशेदपुर-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकावा 0. 142 एकड़ है तथा इसके साथ मकान
जिसका टिस्कोहो० सं० 20 है और जो कान्ट्राक्टर्स एरिया, जमशेद-
पुर शहर में स्थित है।

अजय कुमार मिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7 जनवरी, 1976
मोहर :

प्रूप ग्राइंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदग्न सं० III -128/अर्जन/75-76/1878—यतः मुझे,
अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन
परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू०
से अधिक है

और जिसकी सं० म्यू० प्लाट सं० 71, सर्किल सं० 6 है, तथा जो
मेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे रपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन
8-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
10—426 GI/75

1. मुजफ्फरपुर होसियारी इन्डस्ट्रीज तथा एजेंसीज (प्रा०),
लिमिटेड, विरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद साबू
(प्रबन्ध निदेशक)।
(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रावती सिंहा जौजे श्री बिनोद कुमार सिंहा,
सा० मखनिया कुआ, थाना पीरवह, जिला पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 1125 वर्ग फीट के साथ कुछ हिस्सा में बनावट
सा० फ्रेजर रोड, पटना, हो० सं० 349 (नया) अब हो० सं० 349/
2 का हिस्सा, म्यू० प्लाट सं० 71, सर्किल सं० 6, बाँड सं० 10
(नया) इत्यादि। जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 4506 दिनांक
8-5-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बिहार, पटना

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी, 1976

निर्देश सं० III-129/अर्जन/75-76/1879—यतः मुझे
प्रजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-
क्षेत्र, बिहार, पटना, आयकर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मू० एलाट सं० 71, मर्किल सं० 6 है, तथा जो
फ्रेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन तारीख 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुजफ्फरपुर होमियरी इन्डस्ट्रीज तथा एजेसीज (प्रा०)
लिमिटेड, विरला मन्दिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका प्रसाद
साबू (प्रबन्ध निदेशक)। (अन्तरक)

2. श्री बिनोद कुमार सिहा वन्द स्व० शिवमन्दन प्रसाद एवं
श्रीमती चन्द्रावती रिहा जोजे श्री बिनोद कुमार सिहा, सा० मखनिया
कुआं, थाना-पोरवहोर, जिला-पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 500 वर्ग फीट के साथ कुछ हिस्सा में बनावट
सा० फ्रेजररोड, पटना ह० सं० 349 (नया) अव ह० सं० 349/2
का हिस्सा एवं म्य० एलाट सं० 71, मर्किल सं० 6 जिसका वर्णन
दस्तावेज सं० 4508, दिनांक 8-5-1975 से पूरा है।

अर्जन कुमार सिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 7 जनवरी, 1976
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिषेव, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० 111-930/अर्जन/75-76/1880—यतः मृले,
आयकर कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परि-
षेव, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है
और जिसकी सं० म्य० ७८ लाट सं० ७१, सक्किल सं० ६ है, तथा जो
फेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्यातः—

1. श्री मुजफ्फरपुर होसियरी इन्डस्ट्रीज तथा पैज़ेसीज (प्रा०)
लिमिटेड, विरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा श्री द्वारिका 'प्रसाद
साबू' (प्रदन्धन निवेशक)।
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार एन० अजमेरा बलद श्री एन० एन०
अजमेरा, सा० मच्छरहट्टा, पो० पटनासिटी, जिला पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गढ़ीयों प्रौद्योगिकी का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मीन का दोडुकड़ा, रकवा 1025 वर्गफीट (820--205)
के साथ कुछ हिस्सा में बनवट, सा० फ्रेजर रोड, पटना हो० सं०
349 (नया) अब हो० सं० 349/2 एवं म्य० ८्लाट सं० ७१ का
हिस्सा, सक्किल सं० ६, जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 4509, दिनांक
8-5-75 में पूरा है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 7 जनवरी, 1976
मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

पटना दिनाक 7 जनवरी 1976

निवेदण सं० III-131/अर्जन/75-76/1881—यतः मुझे
आजय कुमार सिहा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज
बिहार, पटना

आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० म्य० प्ल० सं० 71, सक्किल सं० 6 है, तथा
जो फेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. मुजपफूरपुर होसियरी, इन्डस्ट्रीज तथा एजेंसीज (प्रा०) नि०
बिरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा श्री ग्राहिका प्रसाद साबू
(प्रबन्ध निदेशक)।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार एन० अजमेरा, बल्द श्री एन० एन०
अजमेरा, स० मच्छूरहट्टा, पोस्ट पटना सिटी, पटना
श्रीमती कंचन गौरी जीजे श्री गुणवन्त राय जानी एवं
श्रीमती सुधा जानी, जीजे श्री जे० के० जानी (वकील)
सा० रोड नं० 6-सी, राजेन्द्र नगर, पटना-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जनीन का दो टुकड़ा रकवा 700 वर्गफोट (500+200) के
साथ कुछ हिस्सा में बनावट जोकि फेजर रोड, पटना में है और जो
म्य० सं० प्लैट सं० 71, एवं हो० सं० 349 (नया) अप० 349/2
का हिस्सा है एवं जो सक्किल सं० 6 में है इत्यादि और जो दस्तावेज
सं० 4511, दिनांक 8-5-75 में पूर्णतया वर्णित है।

आजय कुमार सिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख: 7-1-76

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेप, विहार, पटना

पटना दिनांक 6 जनवरी, 1976

निरेश सं० III-132/अर्जन/75-76/188—यत मुझे,
अजय कुमार मिहा, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
परिक्षेप विहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० म्प० प्ला० स० 71 संकिल स० 6 है, तथा जा
फेजर रोड, पटना में स्थित है (आर इमेंज उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टर्ड कर्ता अधिकारी के वार्षिक पटना
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुजफ्फरपुर होमियरा इन्डस्ट्रीज तथा एजेंसेज (प्रा०) जि०
बिरला मंदिर रोड, पटना, द्वारा औ द्वारिका प्रसाद राबू
(प्रबन्ध निदेशक)।

(अन्तरक)

2. श्री बिनाद कुमार सिहा, वहद स्व० शिवनन्दन प्रसाद
सा० मखननियों कुआ रोड, थाना, पीरहोर, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकवा 1125 वर्गफीट के साथ कुछ हिस्सा में बनावट
है जो फेजर रोड, पटना में है तथा जो म्प० प्ला० स० 71 एवं
हो० स० 349 (नया) अब 349/2 वा हिस्सा है और संकिल
स० 6 है, इत्यादि और जो दस्तावेज स० 4512, दिनांक 8-5-75
में पूर्ण तथा वर्णित है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, विहार, पटना

तारीख. 7-1-76

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जनवरी 1976

निदेश सं० III-133/अर्जन/75-76/1223—यतः मुझे
आजम कुमार सिंहा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेज बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्य० ५८० प्लैट सं० 71, सक्किल सं० 6 है, तथा ओ
फेजर रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 8-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्कह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
गयित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अमतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
अस्तियों अर्थातः :—

1. मुजफ्फरपुर होमयरी; इन्डस्ट्रीज तथा एजेंसीज (प्रा०)लि०
बिरला मंदिर रोड, पटना द्वारा श्री द्वारिका प्रमाद सावू
(प्रबन्ध निदेशक)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कंचन गौरी जौजे श्री गुणवन्त राय जानी; एवं
श्रीमती सुधा जानी जौजे जे० के० जानी, सा० रोड
नं० 6-सी, राजेन्द्र नगर, पटना-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा राकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदो पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का दो टुकड़ा रकवा 1025 वर्गफीट (820+205)
के साथ कुछ हिस्सा में बनावट सा० फेजर रोड, पटना हो० सं०
349 (नया) अब 349/2 एवं म्य० ५८० प्लैट सं० 71, का 9 हिस्सा
सक्किल सं० 6, जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 4510, दिनांक
8-5-75 में पूरा है।

आजम कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख: 7-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी, 1976

निदेश स० आई० ए० सी०/१०८३०/भोपाल/75-76—यह तुम्हें श्री वी० कु० सिन्हा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० मकान है, जो शिवपुरी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरांशों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहरलाल पुत्र श्री सरदारी लाल नहला, निवासी शिवपुरी। (अन्तरक)
2. श्री सत्यपाल, बनारसी दास पुत्र श्री देशराज नहला निवासी शिवपुरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विस्तृत अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट और मकान स्थिति शिवपुरी, एस्ट्रिया, 1260 वर्ग मीटर।

वि० कु० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3 जनवरी, 1976

मोहर:

प्रृष्ठ आर्टि० टी० एन० एम०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1976

निवेश सं० आर्टि० ए० सी/एक्व० भोपाल/75-76—यतः
मुझे, श्री बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
इच्छित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है, जो बुरहानपुर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और जो मूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 वा 16) के अधीन 27-5-1975 को
पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य में काम के दृष्यभान प्रतिफल के लिये ग्रन्तिकरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री गालीराम पुत्र राम पटेल (2) मोहन पुत्र बालीराम
सत्तम जी० बाली राम तिवारी एनपुरा, गोवर, जिला
जलगांव (अन्तरक)
2. श्री किशोर पुत्र जगन्नाथ पटेल, एम०जी० श्री जगन्नाथ
पुत्र नारायण पटेल, निवासी निमतदाद राय तिवारी
पोस्ट एनपुर, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान, एरिया जमीन 40.18 एकड़ एरिया
मकान 432 वर्ग कीट।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 5-1-76

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/75-76—यतः
मुझे श्री बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
और जिसकी स० जमीन है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

11—426GI/75

1. श्री गोविन्द पुत्र तुलसीराम खण्डेलवाल, निवासी 415
एम० जी० मार्ग, इन्दौर (अन्तरक)
2. मैसर्से सेन्ट्रल सरकिट फेन एसोसिएशन द्वारा अध्यक्ष
श्री संतोष सिन्हा भी लैन, 562 एम० जी मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन स्थिति नया देवास रोड, इन्दौर सर्वे नं० 259/1 और
260 होटल एरिया, 6.73 एकड़ पेकी 125 00 वर्ग फीट।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 6-1-76

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० मी० एस्ट्री०/भोपाल/75-76-यतः,
मुझे बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है, जो इन्दौर में स्थित है (ग्राम इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्वॉर में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है श्रीर मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविष्ट था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी, पत्नि देवेन्द्र कुमार निवासी बजाज।
वाना जोरा। (ग्रन्तरक)

2. मैसर्सेन्ट्रल सरकिट केन एसोसिएशन द्वारा श्री अध्यक्ष
संतोष सिंह जी जैन, निवासी 562 एम० जी० मार्ग
इन्दौर। (ग्रन्तरक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन एरिया 6250 वर्ग फीट सर्वे नं० 259/1 और 260
स्थिति नया देवास रोड, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 6-1-76

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश स० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/75-76—अतः
मुझे थी वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० जमीन है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपांत्रद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 6-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सावित्री देवी पनी देवेन्द्र कुमार निवासी
बजाज खाना जोरा।

(अन्तरक)

2. मैसर्से सेन्ट्रल सरकिट केन एसोसिएशन भूसावल
द्वारा अध्यक्ष संतोष सिंह जी जैन निवासी 562 एम० जी०
मार्ग, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूत में कोई भी श्राक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षितिज विस्तृत
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

धमुक्ती

वी० क० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 6-1-76

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 जनवरी 1976

नीदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/75-76—अतः

मुझे श्री बी० के० सिन्हा

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट और मकान है, जो इन्दौर में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की भावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार या कमी करने या उससे बचने में मुदिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नारायण पुत्र भागीरथ जी सरफ निवासी 10 तिलक पथ, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री रामकुमार पुत्र पुनमचन्द जी गर्ग निवासी 58, देवी अहिल्या मार्ग, (जैल रोड), इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट और मकान, प्लाट एरिया 675 वर्ग फीट मकान नं 2 190 एरिया 450 वर्ग फीट स्थित तिलक पथ इन्दौर।

वि० कु० सिन्हा
सक्तम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 3-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/75-76—अतः
मुझे, श्री बी० के० मिन्हा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या अमीन है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दमोदरनाथ जी जमीदार,
छोटा रेवाला इस्टेट, इन्दौर।
56 राव की बाजार मन रोड, भागवती निवास, इन्दौर।
(अन्तरक)

2. मैसर्स फालौदी ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन
9 जबाहर मार्ग, इन्दौर,
द्वारा श्री जमनालाल पुल मांगीलाल गुप्ता महाजन
निवासी 3/4 नोर्थ, राव मोहल्ला, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एरिया, 676 वर्ग फीट वाल, न० 3632, पै०न०
66-73, रजि० न० 3336।

वि० के० मिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 6-1-76

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी, 1976]

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/75-76—अतः,
मुझे श्री वी० कु० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या जमीन है, जो देवास में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रक्षिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
1908 का 16) के अधीन 7-5-1975

को पूर्खोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्खोंक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तर्रती (अन्तर्रतियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः यद्य उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः :—

1. श्री बाबूराम पुत्र बैनीराम आहुण निवासी भोरासा,
सौनकचू, देवास।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सेसाराम पुत्र घासीराम माली, निवासी
भोरासा, देवास।

(2) श्री दिनेश पुत्र मदनलाल माली एम० जी०
मोहनलाल पुत्र घासीराम माली
निवासी भोरासा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन

खसरा नं०

एरिया

718

1/3

746/1

1/2

747/1

1/2

749

1/3

752

1/2/3/9

753/1

1/2

759/2

1/3

टोटल।

5/1 एकड़

वि० कु० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 3-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री नाथूराम पुत्र बैनी राम शाहूण
निवासी भोरासा, सोनकच्छ, जिला देवास।

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी, 1976

निकेप सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/75-76—अतः,
मझे श्री वी० कु० सिन्हा

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन है, जो देवास में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री मुन्नालाल मोहनलाल माली,
निवासी भोरासा, देवास।

- (2) श्री लम्भमीनारायन पुत्र बासीगम माली, निवासी भोरासा, देवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित वार्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन

खसरा नं० 750, एरिया 4-1 एकड़।

वि० कु० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 3-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जनवरी 1976

निवास सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/308—यतः मुझे
सी० एस० जैन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० डी-42 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 3 जन, 1975
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से
कर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से बुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।—

- 1 (1) श्री भोपाल सिंह, शेखावत पुन्न श्री फूल सिंह स्वयं
एवं स्वाभाविक संरक्षक उसके बच्चे :—
(1) चेतन सिंह (2) राजेश कंवर (3)
माल सिंह, (4) विजय सिंह (5) महेश कंवर।
- (2) श्रीमती गोपाल कंवर पति श्री भोपाल सिंह
शेखावत, स्वयं एवं उसके बच्चों की स्वाभाविक
संरक्षक :—
(1) चेतन सिंह (2) राजेश कंवर, (3) मालसिंह
(4) विजय सिंह तथा (5) महेश कंवर।
निवासी डी-42, बनीपार्क, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्री अरण पारीख पुन्न श्री उमराव रिहाय पारीख निवासी
डी-1, गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाद्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

'फूल निवास' जो प्लाट नं० डी-42, हाथी बाबूजी मार्ग,
बनीपार्क, स्कीम ई, जयपुर में स्थित है और विस्तृत रूप से उप
पंजियक जयपुर द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र संख्या 1732 दिनांक
में 3-6-75 विवरणित है।

सी० एस० जैन
[सक्षम प्राधिकारी]
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-1-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पुना

पुना-411004, दिनांक 7 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी०-ए०-5/हवेली-I/जलै०/75/ 260—यतः मुझे,
एच० एस० औलख ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 42, हिस्सा नं० 1-2 ए० फा० और नं० 481,
प्लाट्स 9 से 12 तक है, तथा जो पर्वती, पुना,-9 में स्थित है (और
इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय हवेली-I, (पुना) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. श्री ग्रण वामन, ग्रापटे,
1957, माडीवाले, कालोनी, सदाशिव पेठ, पुना-30
(अन्तरक)
2. ग्रापसी सहकारी गृह रचना संस्था, भर्यादित,
चेयरमैन—श्री बही० एल० मेहेंदके,
सेक्रेटरी—श्री वाय० जी० कोश,
481, पर्वती, पुना-9

(अन्तरिती)

बिल्डिंग क्रमांक 1

3. (1) सौ० विजया मधुकर ग्रापटे (2) श्री विण
लक्ष्मण मेहेंदके (3) श्री गोविन्द काशीनाथ चिरमै
(4) सौ० माणिक प्रभाकर इनामदार, (5) सौ० अनुराधा
मनोहर जोशी, (6) श्रीयुत नारायण दत्ततेय, फडके
(7) सौ० बृद्धा अरविंद खुर्जेकर (8) श्री रमणलाल
हिरलाल झंवर, (9) श्री एस० सौ० जठार,
बिल्डिंग क्रमांक 2

(10) सौ० सुनंदा केशवराव मोहिते (11) सौ० कुमुम
बालकृष्ण पुरंदरे (12) श्री नारायण सिताराम भागवत
(13) सौ० सुल्ता जगन्नाथ फडके, (14) श्री सुहास
माधव भोरात (15) कु० लिला रामकृष्ण रानडे
(16) श्री यशवंत गजानन कोशे (17) सौ० योस्त्वा
सुरेश पटवर्धन, (18) सौ० सुभांगी नारायण विचारे।

बिल्डिंग क्रमांक 3

(19) श्री शरद कृष्णजी मोडक (20) श्री श्रीधर
नारायण जोशी, (21) श्री वसंत पुरुषोत्तम सातपुते
(22) श्री अनित्तु चिताराम राजभाडे, (23) श्री
वसंत कृष्ण जी सुंगविकर (24) श्री भास्कर पाडुरग
आगंल, (25) श्री पाहुंरंग सोपानराव दोरजे (26) श्री
अनिल गोपाल जोशी, (27) श्री हरिभाऊ घोडीबा
भाऊबलंकर।

सभी रहने वाले 481 पर्वती पुना-9।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड जमीन और इसके ऊपर के सीन बिल्डिंग सं० नं० 42,
हिस्सा क० 1-2 ए० एफ० पी० नं० 481, प्लाट्स क० 9, 10, 11
और 12, कंपाऊंड बॉल, पंपास, टंक इ०।

(ज्यों कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1627, जुलाई, 75 में सब-
रजिस्ट्रार हवेली-I, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० औलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

तारीख: 7-1-76

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०

1 श्री चिमनलाल उमाजी शहा ।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1976

2. (1) पोपटलाल पुनमचन्द शहा
- (2) कोकिलाबेन प्रसापचन्द शहा
- (3) विनोद कुमार कानजी भाई पटेल,
- (4) नेमचन्द कस्तुरचन्द शहा
- (5) श्रविन्द कुमार नेमचन्द
- (6) बाबूलाल वाडिलाल शहा

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आई० 5/325/75-76—प्रत , मुझे जे० एम० मेहरा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी स० न० 254 ढी, प्लाट न० 1/6, 253 ए, प्लाट
हि-3/1 और 254 ए प्लाट हि० न० 3 (पार्ट) सी० टी० एस० न०
5893 है, जो घाटकोपर, मे स्थित है, (और इससे उपाबन्ध ग्रन्तुसूची
म और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 28-5-75 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में घास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रद्धातः—

3 (वे व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे संपत्ति है)

स्त्रियों अभिधारियो के नाम

- | | |
|----|-----------------------|
| एम | (1) लक्ष्मीबेन मनीलाल |
| | (2) कानकुमार जगजीवन |
| | (3) बाबूभाई सरुपचन्द |
| | (4) वाई० एन० तिवारी, |

- | | |
|----|---------------------|
| जे | (1) चुनीलाल देवजी |
| | (2) तूलसीदास हरीराम |
| | (3) कस्तूरबाई धरमसी |

- | | |
|----|--------------------|
| जी | (4) छबेरबाई जयराम |
| | (1) मोतीबेन कुवरजी |
| | (2) बासराम करमसी |

- | | |
|----|----------------------------|
| सी | (1) मंदराजी लुकाजी |
| | (2) भागोजी बाबाजी ठाकोर |
| | (3) मनसाबाई मोरारजी |
| | (4) सालिग्राम सारजा प्रसाद |

- | | |
|---|---------------------------|
| ई | (1) दाह्याभाई वसंतजी |
| | (2) हिमत भाई मेरामभाई |
| | (3) लाभशंकर कासीराम पंडित |
| | (4) संकलचन्द के० शहा |
| | (5) रामजी जीवाभाई |
| | (6) भवानजी जीवाभाई |
| | (7) मधुभाई नरोत्तमभाई दवे |

- | | |
|----|---------------------------|
| डी | (1) प्रभुदास मुलजी भाई |
| | (2) गंगाबेन नरभराम सोलंकी |

- | | |
|----|--------------------------|
| भी | (1) बाबूभाई दलपतभाई तथलग |
| | (2) वसंतीबेन विठ्ठलदास |
| | (3) रामदेव रामबोलवन |
| | (4) सोनु पांडु |

- | | |
|------|-----------------------|
| एच/1 | (1) शशिकान्त रतिलाल |
| | (2) जयन्तिलाल रतिलाल |
| | (3) ताराचन्द मलोकचन्द |

	(4) शशिकान्त अमरचन्द
	(5) जीवनदास कानजी
	(6) बावलाल गोपालजी
	(7) नवलचंद गोपालजी
एच/ 2	(8) श्याम नानालाल कोतबाल
	(9) पंडित भगवतीचार्य
	(10) जुमनानेन खिमजी कपाडी
	(11) शिवाजी के शवजी सीनी
	(12) नटवरलाल डी० शहा
	(13) माधवजी खटाव
एफ/	(1) तुलसीदास भानजी पुरोहित
	(2) मधु बाबाजी
	(3) पांडु बाबाजी
	(4) देवु लक्ष्मण
बी	(1) हसराज पांचाल
	(2) चंद्र कांत अर्जन
	(3) रजनाकांत पुंजालाल
	(4) वसनजी छुंगरसी
	(5) लक्ष्मीबाई मुलजी
बी	(1) मुलजी कुंवरजी
	(2) लालजी भानोजी
	(3) प्रेमजी परपोत्तम
ए.	मासिक लीज लक्ष्मीबाई हरदोसदम
पी.	मासिक लीज कानजी विरजी
एन.	मासिक लीज तुलसीदास हरीराम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में बम्बई उपनगर जिले के घाटकोपर स्थान पर स्थित एवं प्रवस्थित गैरकृषि भूमि (नान एभीकल्चरल लैण्ड) का मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जिसमें पहले चार भूखंड थे लेकिन जिन्हें अब उस पर बने आवासियों, मकानों, गृहाटिकाओं सहित एक बना दिया गया है वह माप में 6819 वर्ग मीज अर्थात् 7206,35 वर्गमीटर के समकक्ष है तथा जिसका अग्रीकल्चरल सर्वेक्षण सं० 254-डी, स० सं० 253-ए, प्लाट हिस्सा नं० 3/1, और सर्वेक्षण नं० 254ए प्लाट हिस्सा नं० 3 (पार्ट) प्लाट हि० नं० एन्डी नं० 858 सी० टी० एस० नं० 5893 सीट नं० 2 है तथा जिसका निधारण बृहत्तर बम्बई की म्युनिसिपल द्वारा वार्ड सं० “एन” 184, 187, 188 (1), 190(1), 190 (2), 192 स्ट्रीट सं० 176-177, 178, 175, 175-ए, 179, महात्मा गांधी रोड, वार्ड नं० एन० नं० 185, 186, 190(4), 192(1) (1ए), 192(1ए), 192(2), 193(2), 193(7), स्ट्रीट सं० 450, 449, 448, 534, 436, 534ए, 388, 389, 412 और 389 सी० महात्मा गांधी रोड, और वार्ड “एन” सं० 193(9) स्ट्रीट सं० 389 एक, महात्मा गांधी रोड, के अन्तर्गत किया गया है तथा जो निम्न प्रकार से विराद्ध है :— पूर्व म अथवा पूर्व की ओर मंदिर है और अंशतः सार्वजनिक रोड है, जिसे तिलक मार्ग कहते हैं पण्डिम से अथवा पण्डिम की ओर में सार्वजनिक सड़क है जो कि घाटकोपर से चेंबूर की ओर जाती है तथा जिसे महात्मा गांधी मार्ग कहते हैं, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्राप्ती है, जिसे गैर कृषि योग्य जिसका सर्वेत 254ए है तथा जो शिमजी नानजी कोठारी का है, और दक्षिण में या दक्षिण की ओर विरजी माधवजी की प्राप्ती है, जोकि धर्मशाला के रूप में इस्तेमाल की जाती है तथा जिसका गैरकृषि योग्य सर्वेत 253 वी है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 2-1-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमतसर

अमतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० अबोहर/226/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी म० प्लाट्स हैं तथा जो अबोहर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यतः:-

1. श्री नरेण कुमार सुपुत्र श्री मदन लाल नागपाल, वासी अबोहर माडी, माफूत मैसर्ज ठबवाली, फाजिल्का ट्रांसपोर्ट कॉ० अबोहर ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज नागपाल पत्नी श्री मोहन लाल नागपाल, (मालिक सन्दीप सिनेमा, अबोहर) वासी फाजिल्का ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरा एदार, यदि हैं । (वह अवित्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 223, 225, 243 तथा 245 जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 300, मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में है ।

वी० आर० सगर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० अबोहर/227/75-76—यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्यांकन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेश कुमार सुपुत्र श्री मदनलाल नागपाल, बासी अबोहर मण्डी, मार्फत मैसर्जे उबवाली फाजिल्का ट्रांसपोर्ट क०, अबोहर। (प्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोज नागपाल, पत्नी श्री मोहन लाल नागपाल, (भाजिक सन्दीप सिनेमा, अबोहर) बासी फाजिल्का। (प्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के प्रध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

प्लाट नं० 224, 226, 242 तथा 244 जैसा कि रजिस्ट्री-कुत विलेख, नं० 362, मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में है।

बी० आर० सगर
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 9-1-1976

मोहर .

प्रलृप० आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निदेश में अमृतसर/228/75-76—यतः मुझ बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० संपत्ति है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर, तहसील में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई, 1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सिंह, गुलजार सिंह तथा जरनेल सिंह सुपुत्रान
श्री अमर सिंह, गांव अवन्तीपुरा या अनायतपुरा, तहसील व जिला
अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैर्सेस शंघाई शिल्क, कशमीरी रोड, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जेसा कि नं० 2 मे है, तथा किराएदार, यदि हों। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता शुरू हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बटाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 1467, 1468 व 2322 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-76

मोहर :

प्र० आई० ई० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश मं० ए० एस० आर०/229/75-76—यत् मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 1/3 सम्पत्ति है तथा जो बटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जरनैल सिंह सुपूत्र श्री अमर मिह वामी बटाला रोड, तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्जे शंघाई शिल्क, कशमीर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर०/230/75-76—यत् मुझे, वी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 सम्पत्ति है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह वासी बटाला रोड तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2 मैसर्जं शशार्दि सिंह, कशमीर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 मे है तथा किरागदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हित-बहु है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

भनुसूची

1/3 भाग सम्पत्ति, बटाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख न० 1467 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर तहसील मे है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए०एस०आर०9/231/75-76—यतः मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 सम्पत्ति है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाववद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—426G/75

1. श्री गुलजार सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह, गांव अवन्तीपुरा या अनायतपुरा, तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्जे शंघाई सिल्क, कण्ठीर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हृषि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग, सम्पत्ति बटाला रोड अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्री-कूट विलेख नं० 2322, मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर
मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० पन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश मं० ए०ग्रम०आर०/23२/7५-७६—यतः मझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स० भूमि का प्लाट न० 44 है तथा जो ग्रीन एवेन्यु अमृतसर में स्थित है (आर० समेत उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रर्तिः—

1. श्री मुरिन्द्र मिह कटारिया, सुपृत्र श्री विश्वन सिंह, कटारिया कूचा ग्रहड़ मल भाटिया, गोती बाजार चावल मण्डी, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री मदनलाल सुपुत्र श्री बनारसी दास कटडा, आहलूवालिया अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएँदार, यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 44, ग्रीन एवेन्यु, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख न० 579, मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

श्री० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 9 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

नंदगा म० ए० एम० आर०/२३३/७५-७६—यत् मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० सम्पत्ति है तथा जो बसन्त ऐवंथ्यू, अमृतसर मे
स्थित है (और इसमे उपावबद्ध अनुसूचों मे और पूर्ण रूप मे वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय अमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण,
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई,
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे
कभी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः ग्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण मे, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीत:—

1 श्री मुरिन्द्र सिंह सुग्रुत श्री जीत सिंह वासी क्वीन्ज रोड,
अमृतसर। (अन्तरक)

2 श्री जमपाल सिंह सुपुत्र श्री जीत सिंह वासी क्वीन्ज रोड,
अमृतसर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 मे है तथा किराएदार, यदि हो। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रांच रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क मे
परिभाषित हैं, वही ग्राह होगा, जो उस
अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति, बसन्त ऐवंथ्यू० अमृतसर मे जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख न० 398 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर
मे है।

वी० आर० सगर
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 9-1-1976

मोहर

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निश्चय स० ए० एम० आ० 234/75-76—यत् मुझे,
बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो 17 आर० बी०
रत्नचंद रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाति:—

1. श्रीमती लाजवंसी सुपुत्री काशी राम पत्नी श्री कमन लाल
अमृतसर द्वारा श्री अमर दास, आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार तथा रोमेश कुमार सुपुत्रान् श्री अमर^०
दाम वासी आर० बी० रत्नचंद रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 मे है तथा किराएदार, यदि हो। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हित-
बद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण ——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क म यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सम्पत्ति न० 17 आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 521 व 522 मई 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मे है।

बी० आ० र० मगर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 9-1-76

माहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निवश सं० अमृतसर/235/75-76—यतः मुझे, बी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है तथा जो 17 आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौतिक अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

श्रीमती लाजवन्ती सुपुत्री काशी राम पत्नी श्री चमन साह अमृतसर द्वारा श्री अमर दास, आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री श्रीराम कुमार सुपुत्र श्री अमर दास, वासी आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यहि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 सम्पत्ति, आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 522, मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

आर० बी० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज., अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए०एस०आर०/236/75-76—यतः मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 सम्पत्ति है तथा जो आर० वी० रत्न चंद रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्रीमती लाजबंती सुपुत्री की काशी राम पत्नी श्री चमन लाल, अमृतसर द्वारा श्री अमर दास, आर० वी० रत्न चंद रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री रोमेश कुमार सुपुत्र श्री अमर दास वासी आर० वी० रत्न चंद रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वे अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 सम्पत्ति 17 आर० वी० रत्न चंद रोड, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 521 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में है।

आर० वी० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज., अमृतसर

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० पृ० ४३

1 आरकाट दनकोटी चैरिटेबल इंस्ट, मद्रास-34।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 जनवरी, 1976

निर्देश सं० IX/1/29/75-76—यतः मृमे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, जो हारिटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र 3548/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी रहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों प्रत्यातः—

2. केराम होटल्स (पी०) लिमिटेड, मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मद्रास-31, हारिटन रोड, ईंटर सं० 1 (आर० एस० सं० 355/1) में 47 ग्राउन्ड फ्लॉर 2292 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 12-1-1976

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस० —

1. श्री ज० एच० तारापुर, मद्रास-31

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 जनवरी, 1976

निर्देश सं० IX/3/153/75-76—यतः मुझे, जी० रामनातन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से अधिक है और जिसकी सं०
12 है, जो लान्डन्स रोड कीलपाक, मद्रास-10 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 3207/75) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
3-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

2. श्री पूरनचन्द्र गुराता, और सरस्वती देवी, मद्रास-10
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, लान्डन्स रोड डोर सं० 12 (आर० एस० सं० 151/
1), में 6 ग्राउन्ड्स और 950 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान
के साथ)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-1-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

1. श्री एम० कनगसभापति, मदुरै-5।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सिंगाराम, मदुरै-1।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1976

निर्देश सं० X/10/17/75-76—यतः मुझे जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 4 है, जो गुड बंड स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय पुतुमन्डपम, मदुरै पन्न रु० 831/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मदुरै, गुडूड स्ट्रीट, डोर सं० 4, टी० एन० सं० 689/1 में
3030 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—426GI/75

तारीख : 12-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्री दी० गुरेन्द्र कुमार, 3-6-20 वशीरवाडा, हैदराबाद
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1976

निर्देश स० आर० ए० सी० 227/75-76—यतः मुझे, के०
ए० स० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 5/9/1111 है, जो किंग खोटी हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और वृण्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रबंध नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री परमेश्वरी देवी, ग्यान वाती, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग सं० 4 और 6 के 5/9/1111 का भाग किंग खोटी हैदराबाद
क्षेत्रफल 497 वर्ग गज है।

के० एस० वेकट रामन
सभ्य शाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-1-1976

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 15 जनवरी 1976

निदेश स० डी०एल०आई०/१३७/७५-७६—अत मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़
ग्राम्यकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० भूमि क्षेत्रफल 8 एकड़ 3 मरले पर फैक्टरी बिल्डिंग और शैड है तथा जो गोविन्दपुरी गाव और डाकघर कुडली, जिला सोनीपत में स्थित है (बौर इमंत उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मर्वधी (1) गोविन्द राम (2) भगवान दास (3) गिरधारीलाल (4) श्रीमती प्रेमलता	} हिस्सेदार हरियाना वनस्पति एण्ड जनरल मिल्ज, गाव और डाकघर कुडली, जिला सोनी- पत (हरियाणा) । (अन्तरक)
--	--

2 मुख्य अधिकारी :

मैं सर्व रसोई वनस्पति एण्ड इन्डिया, लिमिटेड,
(जिसका पहला नाम दो आपर टी कम्पनी लिमिटेड था)
20 सर आर० एन० मुख्यरजी रोड, कलकत्ता-700001
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 एकड़ 3 मरले पर फैक्टरी, बिल्डिंग और शैड जोकि गोविन्दपुरी गाव और डाकघर कुडली, जिला सोनीपत (हरियाणा) में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेख न० 540 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

(1) Macherala Sreeramamurthy, S/o Ramachandrarao
41-111 Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 278/J.No.I(VSP)9/75-76—

अतः, मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं. 14-1-38 है Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमे और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) Smt. Raja Sagi Sudarsana Gopala Bhavani Devi,
W/o Ramachandraraju, Tangedu, Vizag. Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per the document No. 1789/75 of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 15-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 279/J. No. I(VSP)10/75-76.—

अतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं।

14-1-38 Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Mocherla Sreeramamurthy, S/o Ramachandrarao 41-111 Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

(2) Smt. Raja Sagi Seetharamaraju S/o Shri Butchi Venkatagopalraju Tangedu, Vizag Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per the document No. 1790/75 of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 15 दिसम्बर 1975

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसंबर 1975

Acq. File. No. 280/I.No.I(VSP)11/75-76.—

यतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं०

14-1-38 Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ने सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Mocherla Siceramamurthy, S/o Ramachandrarao 41-111 Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(अन्तरक)

(2) Smt. Raja Sagi Ramabhadraruju, S/o SatyanarayanaRaju, Tangedu, Vizag. Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule properly as per the document No. 1791/75 of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 15-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Gadireddy Jagannadha Raju Door No. 8-5-23,
Dafdarjung Enclave, New Delhi.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) Veerla Anjeswararao, S/o Raghavaiah, Oddula
Meraka village, Gudiwada Taluk.

(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 281/L.No. KK/15/JDV/4-75.—

यतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

43/1;43/2-A and 44-2A Total land 15-52 cents at Oddula Meraka village

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Gudiwada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवांशीकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as document No. 1228/75 of the S.R.O., Gudiwada registered during the fortnight ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,
सकाम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 15-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) Damera Rambabu, S/o V.rabalu, Kakinada.
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Smt. Merla Satyanarayanaamma, W/o Krishna-
murthy, Kakinada.
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File. No. 282/J. No. I(20)EGI/75-76.—

यतः, मुझे, B. V. SUBBARAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं-

Survey Nos 306—3, 306—4, 307—2, 313—1, 313—3,
313—2, 315—11—315—12, and 315—13—(land
12—35 cens) at Achutapuratravam

में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
Kakinada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 15-4-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भी
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 2159 /75 regis-
tered before the S.R.O., Kakinada during the fortnight ended
15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 15 दिसम्बर 1975

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th December 1975

No. A.32014/1/75-Adm.III(1).—In partial modification of this office notification of even number dated 14-7-75, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-7-75 to 10-8-75.

No. 32014/1/75-Adm.III(2).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 27-9-75 to 11-11-75.

No. A.32014/1/75-Adm.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 17-9-75, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 46 days from 1-10-75 to 15-11-75.

No. A.32014/1/75-Adm.III(4).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-75 to 29-12-75 or until further orders whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(5).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 17-11-75 to 2-1-76 or until further orders whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(6).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-1975 to 29-12-75 or until further orders whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(7).—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-75 to 29-12-75 or until further orders whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(8).—The President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 13-11-75 to 29-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Adm.III(10).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17-11-75 to 1-1-76 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd December 1975

No. A.32014/1/74-Adm.I.—Shri P. P. Sikka, a permanent Grade II officer of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission, who was appointed to officiate on a purely ad-hoc basis in Grade I of the service *vide* this office Notification of even number dated the 11th September, 1975 has been reverted to Grade II of the same service in the same cadre with effect from the afternoon of 4-12-75.

No. A.32014/1/74-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, permanent Personal Assistant (Grade II of Central Secretariat Stenographers' Service) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and ad hoc basis for a period of 46 days with effect from 6-12-1975 to 20-1-1976 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri S. P. Sikka should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade I of Central Secretariat Stenographers' Service or for seniority in that Grade.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
Union Public Service Commission.

CABINFT SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi, the 22nd December 1975

No. A-20014/29/75-AD-I.—Shri Aldan Ram, an officer of Rajasthan Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I. Jaipur Branch on the afternoon of 9-12-75 on repatriation to the Rajasthan Police.

The 24th December 1975

No. A31013/1/75-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri H. Bhisham Pal, Officiating Information Officer, CBI as Information Officer, CBI in a substantive capacity with effect from 1st July, 1975.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer(E)
C.B.I.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSIONER
New Delhi, the 19th December 1975

No. 2/49/75-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri A. K. Sanyal, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, as his Private Secretary, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 18th December, 1975, until further orders.

The 20th December 1975

No. 2/21/75-Adm.(i).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Rabinder Nath, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 16th December, 1975, until further orders.

No. 2/21/75-Adm.(ii).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Brahm Dutt, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 18th December, 1975, until further orders.

The 22nd December 1975

No. 4/5/75-Adm.—Consequent on his selection for appointment to the post of Vigilance Officer in Air India, on deputation basis, Shri S. N. Bhalla, Research Officer, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post in the Commission on the afternoon of 22nd December, 1975.

No. 4/2/75-Adm.—Consequent on his selection for appointment to the post of Vigilance Officer in the India Tourism Development Corporation, New Delhi on deputation basis, Shri S. D. Punhani, Section Officer, Central Vigilance Commission, relinquished Charge of the post in the Commission on the forenoon of 22nd December, 1975.

The 24th December 1975

No. 2/20/74-Adm.—The Central Vigilance Commissioner, hereby appoints Shri Jayaker P. Johnson, I.A.S. (AP : 1958) as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 12th December, 1975, until further orders.

No. PF/M/6-G.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri N. G. K. Murthy, Technical Examiner, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post on the forenoon of 1st December, 1975.

B. V. DIGHE
Under Secy.
for Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 22nd December 1975

No F 2/33/75-Estt (CRPF)—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis the following DY-Ssp (Coy Comdts/QMs) as Assistant Commandants in the CRP Force until further order:

2 Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each—

Sl No	Name	Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	Shri Mukhtiar Singh	Asstt Principal RTC I CRPF, Barwaha	24-7-75 (A.N.)	Asstt Comdt 59th Bn, CRPF	2-8-75 (A.N.)
2.	Shri A S Rathore	DY SP (Coy Comdr/ QM) 51st Bn CRPF	1-8-75 (F.N.)	Asstt Comdt. 51st Bn CRPF	1-8-75 (A.N.)
3.	Shri Sant Prakash Singh	Asstt Principal CTC I CRPF	18-8-75 (F.N.)	Asstt Comdt. CTC. I CRPF	18-8-75 (F.N.)
4.	Shri Sunil Singh	DY SP (Coy Comdr/ QM) 34th Bn CRPF	9-9-75 (F.N.)	Asstt Comdt 46th Bn CRPF	22-9-75 (F.N.)
5.	Shri Gajender Singh	DY SP (Coy Comdr/ QM) 24th Bn CRPF	9-9-75 (A.N.)	Asstt Comdt GC CRPF, Deoli	15-9-75 (F.N.)
6.	Shri Jagat Singh	DY SP (Coy Comdr/ QM) GC CRPF Rampur	15-10-75 (A.N.)	Asstt Comdt 59th Bn CRPF.	27-10-75 (F.N.)
7	Shri D K Khurana	Asstt Principal CTC I CRPF	18-8-75 (F.N.)	Asstt Comdt CTC. I CRPF	18-8-75 (F.N.)

The 22nd December 1975

No O II 1020/75-Estt—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr Upendra Mohanty, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis for the period from 5-5-75 to 6-5-75

No O II-28/69-Estt—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRP Force, Lt Col Umrao Singh, relinquished charge of the post of Principal CTC I CRPF Neemuch on the afternoon of 4th Dec, 75

A K BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110013, the 20th December 1975

No E-38013(3)/6/75-Ad I—On transfer to Talchar, Shri T K Banerjee, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant Rourkela with effect from the afternoon of 24th November 1975

No F-31015(1)/1/75-Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant T P Basu to officiate as Commandant Central Industrial Security Force Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the Forenoon of 10th December 1975 until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date

No F 31015(1)/1/75-Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant B Dalai to officiate as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Paradeep Port Trust with Headquarters at Paradeep with effect from the Forenoon of 8th December 1975 until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date

No F-38013(3)/23/75 Ad I—On transfer from New Delhi Shri G S Sandhu assumed the charge of the post of Assistant Commandant Central Industrial Security Force Unit Bharat Heavy Electrical Ltd (Heavy Electrical Equipment Plant) with Headquarters at Hardwar with effect from the Afternoon of 7th December 1975

No E 31015(1)/1/75-Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant N N Mohanty to officiate as Commandant Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant Rourkela with effect from the Forenoon of 8th December 1975 until further order and assumed the charge of the said post with effect from the same date

No E-31015(1)/1/75-Ad I—The President is pleased to appoint Assistant Commandant V G Thatté to officiate as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bank Note Press, Dewri, with effect from the Forenoon of 11th December 1975, until further order and assumed the charge of the post with effect from the same date

L S BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 24th December 1975

No 11/7/75-Ad I—The President is pleased to appoint Shri Tirath Das Assistant Central Tabulation Officer in the office of the Registrar General India as Deputy Director of Census Operations Madhya Pradesh on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of 6 months with effect from the date of his assuming charge of the post or until further orders whichever is earlier

The headquarters of Shri Tirath Das will be at Bhopal
The 27th December 1975

No 10/6/75-Ad I—In continuation of this office notification No 10/6/75 Ad I dated the 26th August, 1975, the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri S N Chaturvedi as Deputy Director (Data Processing) in the Office of the Registrar General India with effect from 17th November 1975 upto 16th February 1976

R B CHARI
Registrar General, India &
ex-officio Joint Secy

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad the 23rd December 1975

No 7(36)/ —Further to this office notification No 7(36)/3834 dated 24th June 1975 Shri S S Shirsat, is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad-hoc* basis for a further period upto 29-2-1976

R VISWANATHAN
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL
REVENUES**

New Delhi, the 23rd December 1975

No Admin-I/O.O. No. 755/5-5/Promotion/3265—The Accountant General, Central Revenues has appointed the following permanent Section Officers of this office, to officiate as

Accounts Officers, in the time Scale of Rs. 840-1200, w.e.f. the dates shown against their names, until further orders :—

Name, Date of promotion and as Accts. Officers.

1. Shri I. R. Gupta, S.O.—17-12-1975 (FN).
2. Shri S. Mitra, S.O.—17-12-1975 (FN).

H. S. DUGGAL
Sr Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 20th December 1975

No. 6244/A-Admn/130/75.—The following officers of the Audit Department Defence Services retired from service on the dates shown against each :—

1. Shri K. Vaidyanathan, Offg. Audit Officer—30-11-75 (AN).
2. Shri C. D. Ailawadi, Sub. Audit Officer—5-12-75 (AN).

SMT. GIRIJA ESWARAN
Sr. Dy. Director of Audit, DS

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta-16 the 22nd December 1975

No. 54/75/G.—On attaining the age of superannuation Shri R. N. Swamy, Offg. Asstt. Manager (Paint. Foreman) retired from service with effect from 30th September, 1975/AN.

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Fvs.

MINISTRY OF LABOUR
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Jagjivan Nagar, the 23rd December 1975

S. R. No. 8(25)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 and in supersession of this office Notification No. P-8(25)67 dated the 30th December, 1971 as subsequently amended, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee at its meeting held on 26-10-1975 constituted the Finance Sub-Committee consisting of the following members :—

Chairman

1. The Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad.

Member

2. Shri B. L. Wadehra,
Mg. Director,
Central Coalfields Ltd.,
Darbhanga House, Ranchi.

Employers' representatives.

3. Shri O. Maheepathi,
Director (Personnel),
B.C.C. Ltd.,
Karmik Bhawan,
P.O. Saraidhela, Dhanbad.

Workers' representatives.

4. Shri S. Das Gupta,
5. Shri Provat Goswami

R. P. SINHA
Coal Mines Welfare Commissioner
Dhanbad

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd December 1975

Import and Export Trade Control
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1096/75-Admn(G)/12128.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Grewal, an officer officiating in

Grade I of the CSS to officiate as Deputy Chief Controller of Imports & Exports in this office with effect from 1-10-1975 (I-N.), until further orders.

(MISS) ROMA MAZUMDAR
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 16th December 1975

No. CER/2/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. TCS-1/20, dated the 1/2nd September, 1949, namely :—

In the said Notification after paragraph 8 the following paragraph shall be added, namely :—

'8A. Every producer while producing "controlled long cloth", "controlled shirting" and "controlled drill" shall include two coloured threads, fast to bleach, warpwise, all through the length and adjacent to one of the selvedges.

Provided that such coloured threads shall not be inserted in non-controlled cloth.

NOTE: The coloured threads to be included for the above purpose shall ordinarily be in Napshol Red colour. However in the case of printed, dyed or other coloured cloth the coloured thread to be included may be in any other alternative contrasting colour and should be clearly visible.

Explanation: The term "controlled long cloth", "controlled shirting" and "controlled drill" shall have the same meaning as attributed to each such item in the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68 dated the 2nd May, 1968.

This Notification shall take effect from the first day of February, 1976.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner
[No. CLB.1/1/2/71-75]

Bombay-20, the 23rd December 1975

No. FSI.I-2(61).—Shri U. A. Cherodian, Assistant Director, Grade II(NT) in the Regional Officer of the Textile Commissioner, Bombay, retires from service on the 29th February, 1976 afternoon after availing of Leave Preparatory to Retirement from 10-11-1975 to 29-2-1976.

VIRENDRA B. VERMA
Director

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 9th December 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following namely :

Under Class 6—Division 2

(i) add "CORDFLEX DETONATING FUSE" before the entry "CORDTEX".

The 18th December 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following, namely :

Under Class 2—NITRATE MIXTURE

1. Add "NAMONITE" before the entry "NOBELITY".
I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

Geological Survey of India

Calcutta-700013, the 20th December 1975

No. 7843/B/2222(IVR)/19A.—Shri Indluru Venkata Reddy is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th November, 1975, until further orders.

No. 7836/B/2339(BJS)/19B.—Shri Bimal Jyoti Sen Gupta, M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1975, until further orders.

No. 7839/B/2222(SSG)/19A.—Shri Shibananda Sen Gupta, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1st December, 1975, until further orders.

No. 7816/B/2339(AH)/19B.—Shri Anwar Hakim, M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th October, 1975, until further orders.

No. 7830/B/9/58/C/19B.—Shri C. S. Venkiteswaran, Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th September, 1975, until further orders.

No. 7809/B/2181(SRMR)/19B.—Shri S. R. Mukunda Rao, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 18-4-1975 for joining his new appointment as Scientific Officer in the Bhabha Atomic Research Centre.

V. K. S. VARADAN
Director General

**DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
BOTANICAL SURVEY OF INDIA**

Howrah-711103, the 11th November 1975

No. BSI-66/103/75-Estt.—On recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India hereby appoints Shri A. Khan, Office Superintendent, Central Office, Botanical Survey of India (who was under lien in the office of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal, as Provident Fund Inspector (Gr. I) to the post of Jr. Administrative Officer, Central Office, Botanical Survey of India in an officiating capacity in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on regular basis vice Shri M. L. Mukherjee, Jr. Administrative Officer, (officiating as Administrative Officer and now on I. P R) w.e.f. the forenoon of 30th October, 1975 until further orders.

D. G. MOOKERJEA
Sr. Administrative Officer

**DIRCTORATE GENERAL
ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 22nd December 1975

No. 4(103)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. Sunil Kumar Satpathy as Programme Executive, All India Radio, Sambalpur in a temporary capacity with effect from the 1st December, 1975 and until further orders.

The 23rd December 1975

No. 5(69)/61-SI.—Shri J. Ramakrishna, Programme Executive, All India Radio, Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of 30th November, 1975 on attaining the age of superannuation.

No. 5(108)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mohan Lal, Transmission Executive,

All India Radio, Jullundur as Programme Executive, at the same Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of 14th November, 1975 and until further orders.

No. 4(130)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Tsering Angmo as Programme Executive, All India Radio, Leh in a temporary capacity with effect from the 22nd October, 1975 and until further orders.

The 27th December 1975

No. 4(61)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Bhuvan Pati Sharma as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the 17th November, 1975 and until further orders.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

Bombay-400026, the 23rd December 1975

No. 20/PF/48-Est.I.—The Chief Producer has retired from service Shri S. A. Rao, Permanent Newsreel Officer in the Films Division at New Delhi, with effect from the forenoon of the 10th December, 1975, under clause (i) (ii) of rule 56 of the Fundamental Rules.

K. S. KUDVA
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th December 1975

No. F9-38/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Vishnu Saxena to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Madras under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 24th November, 1975 and until further orders.

The 27th December 1975

No. F9-40/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) Amar Bir to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme Meerut under this Directorate, on a purely *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 15th October, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL
Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 23rd December 1975

No. 16-39/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. R. Bhave, Audit Officer (Commercial) in the office of the Accountant General (Scientific and Commercial Department), Bombay as Accounts Officer in the Medical Store Depot, Bombay with effect from the forenoon of 16th October, 1975 until further orders.

SANGAT SINGH
By Director Administration (Stores)

**MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)**

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 22nd December 1975

No. F.4.5(62)/75-A.III.—On the recommendation of Union Public Service Commission, Shri A. K. Shastry has been appointed to officiate as Marketing Officer, Group III on the officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from the afternoon of 10th November, 1975, till further orders.

No. F.4-6(99)/75-A.I.—On recommendations of the Union Public Service Commission Shri Madhukar Satish Halba Kosta has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I, in the Directorate of Marketing & Inspection, at Gauhati-9, with effect from 10-11-1975 (A.N.), until further orders.

No. F.4-5(63)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri C. V. Neelagreecvam has been appointed as Marketing Officer, Group III, on the officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Guntur with effect from 1-11-1975 (F.N.) until further orders.

E. S. PARTHASARATHY
Agricultural Marketing Adviser

CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION
Bombay-58, the 26th December 1975

No. 1-12/75/Estb.—Consequent on his appointment as Fisheries Development Officer, in the office of Development Commissioner-cum-Development Secretary, Andaman and Nicobar Administration, Chief Commissioner's Secretariat, Port Blair, Shri K. Vijayakumaran, Demonstrator (Fish Processing) has been relieved in the afternoon of 25-9-1975.

DR. S. N. DWIVEDI
Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION
Bombay-400085, the 9th December 1975

No. PA/81(137)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sampurnatarkara Rama-swamyiyer Ramachandran, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

The 12th December 1975

No. PA/81(131)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Research Centre appoints Shri Abdulla Saheb Tonse, a temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1975 until further orders.

The 15th December 1975

No. PA/73(2)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Ravikant Gupta to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of November 24, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
MADRAS ATOMIC POWER PROJECT
Kalpakkam-603102, the 22nd November 1975

No. 18(60)/75-Recd.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri S. Ayyanar, temporary Supervisor as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

K. BALKRISHNAN
Administrative Officer

[P-14159/R.2521.]

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES
Bombay-400001, the 17th December 1975

No. DPS/A/32011/2/Est.—Director, Purchase and Stores appoints Shri N. Y. Arekar, a temporary Storekeeper in the

Stores Unit (DPS), TAPS, Tarapur of the Directorate of Purchase & Stores as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the Scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1600-1-8-40-1200 in the same Directorate with effect from 10-6-1975 to 11-7-1975 since Shri V. P. Tiloo, Assistant Stores Officer granted leave,

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
New Delhi-3, the 24th December 1975

No. A 31014/1/75-E.I.—The undermentioned officers are appointed as Assistant Meteorologists, Indian Meteorological Service, Class II, in a substantive capacity with effect from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name of the officer	Date of substantive appointment	Office of posting
(1)	(2)	(3)	(4)

Direct Recruit

1. Shri Bagrawat Singh . . .	1-5-1975	Office of the Deputy Director General of observatories (Instruments) New Delhi (at present on deputation ex-India)
------------------------------	----------	--

Promotee :

1. Shri K. Krishna . . .	1-3-1970	Office of the Director, Indian Institute of Tropical Meteorology, Poona.
--------------------------	----------	--

The seniority of the above officers will be fixed in accordance with normal rules.

Y. P. RAO
Director General of observatories.

OFFICIAL OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd December 1975

No. A. 32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officer as Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 1st December, 1975 (F.N.) and until further orders and to post them at the same station :—

1. Shri K. V. Upadhy, Asstt. Tech. Officer	Aeronautical Communication Stn. Madras Airport, Madras.
2. Shri R. Sampath Kumaran, Asstt. Tech. Officer	Aeronautical Communication Stn. Madras Airport, Madras.
3. Shri Sarwan Kumar, Asstt. Tech. Officer.	Director, Radio Const. & Dev. Units, Safdarjang Airport, New Delhi.

H. L. KOHLI
Dy. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 22nd December 1975

No. A.32014/2/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Kamalananda Ray, Communication Assistant, in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, at Aeronautical Communication Station, Calcutta as Assistant Communication Officer w.e.f. the 28th November, 1975 and to post him at the same station.

The 24th December 1975

No. A.38012/1/75-EC.—Shri P. L. Modgil, Senior Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on 30-11-1975 (A.N.) on retirement from Government Service on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/75-EC.—Shri C. G. K. Rao, Assistant Communication Stn. Madras relinquished charge of his office on the 30th Nov., 75 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI
Asstt. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 23rd December 1975

No. A.3201/7/75-EA.—The President is pleased to appoint Shri D. C. Kharab, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the 17th December, 1975 or till the post held by him is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Kharab is posted at Delhi Airport, Palam.

V. V. JOHRI
Assistant Director for Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 12th December 1975

No. II(7)5-ET/75/12971.—Shri R. N. P. Sahu, officiating Superintendent Class-II Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service with effect from 6-11-75(F.N.) in pursuance of this office order C. No. I-G1/Collr/Confl/74/II-8894 dated 5-8-75.

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna.

Allahabad, the 16th December 1975

No. 161/1975.—In pursuance of the Central Board of Excise and Customs, New Delhi's order No. 14/1975—F. No. A.1/38013/31/75-CERC(Admn), dated 6-11-1975, Shri B. B. Jaiswal, officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B', posted as Superintendent (P & I) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur, handed over the charge of the office of the Superintendent (P & I) Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur to Shri A. N. L. Bhattacharya, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of Integrated Divisional Office, Rampur on 27-11-1975 (afternoon) and retired from Government service with effect from the said date and hour.

No. 162/1975.—Shri D. P. Awasthi, officiating Superintendent, Central Excise Group 'B', previously posted as Superintendent (Prev.) in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, handed over the charge of the office of the Superintendent (Prev.) Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 30-11-1975 (afternoon) to Shri S. N. Tewari, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of Central Excise Hdqrs. Office, Allahabad and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 22nd December 1975

No. 168/1975.—Shri R. S. Singh, officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B', previously posted as Superintendent, Central Excise, Deoria, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Gorakhpur, handed over the charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Deoria on 30-11-1975 (afternoon) to Shri G. P. Darbari, Superintendent, Central Excise, Gorakhpur and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 23rd December 1975

No. 169/1975.—Shri Gauri Shanker Srivastava, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Mirzapur, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II (now Group 'B') until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40 — 1200, vide this office Establishment Order No. 314/1975, dated 23-10-1975, issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75, dated 23-10-1975, took over charge of the office of the Superintendent, Customs, Group 'B' of Lakhimpur Kheri Customs in the Customs Division, Lucknow on 10-11-1975 (forenoon), relieving Shri A. U. Haider, Superintendent, Customs Group 'B' transferred to Customs Division, Gorakhpur.

No. 170/1975.—Shri Bankey Lal Gupta, officiating office Superintendent of Central Excise, posted in the Central Excise Collectorate, Kanpur and appointed to officiate as Administrative Officer, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 208/1975, dated 29-7-1975, issued under endorsement C. No. II(3)30-Et/75/27805, dated 29-7-1975, assumed charge of the office of the Administrative Officer, Central Excise in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur on 29-8-1975 (forenoon). Shri P. K. Khanna, Superintendent, Central Excise, Group 'B', relinquished the additional charge of the said post, the same date and hour.

H. B. DASS
Collector
Central Excise, Allahabad

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, CHANDIGARH ESTABLISHMENT

Chandigarh, the 23rd December 1975

No. 150.—Shri S. N. Malhotra, an officiating Office Supdt. of Central Excise Collectorate, New Delhi as appointed until further orders, to officiate as Asstt. Chief Accounts Officer, Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40 — 1200. Shri Malhotra has assumed the charge of the post of Asstt. Chief Accounts Officer, Hqrs. Office, Chandigarh in the forenoon of 29-11-1975.

No. 151.—Shri O. P. Sharma, an officiating Office Supdt. of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed, until further orders, to officiate as Administrative Officer, Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri Sharma took over the charge of the post of Administrative Officer, Central Excise Group-B, Jullundur in the afternoon of 29-11-1975.

No. 152.—Shri Mela Ram, an officiating Office Supdt. of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Administrative Officer, Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Mela Ram took over the charge of the post of Administrative Officer, Central Excise Group-B, Srinagar in the forenoon of 9-12-1975.

No. 153.—Shri Daljit Singh, a permanent Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Superintendent of Central Excise Group-B in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Daljit Singh assumed the charge of the post of Supdt of Central Excise, Group-B, Ludhiana in the forenoon of 3-12-1975.

K. K. DWIVEDI
Collector

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 26th December 1975

No. 3-393/75-CH(Estt).—Shri Parkash Narain is hereby appointed to the post of Junior Hydrologist GCS Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Chandigarh w.e.f. 27-11-75 (FN) till further orders.

D. S. DESHMUKH
Chief Hydrogeologist & Member

OFFICE OF THE ENGINEERING-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 20th December 1975

No. 5/6/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the result of the Engineering Services Examination 1974 on probation in the CES Class I in the C.P.W.D. against temporary posts of Asstt. Ex. Engineer (Civil) with effect from the dates mentioned against their names.—

S/Shri

1. Sushil Kumar Mittal—28-11-75.
2. Vinod Kumar Gupta—2-12-75.
3. R. Sircar—1-12-75
4. B. Laha—1-12-75.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 23rd December 1975

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all concerned that the 132 KV double circuit transmission line constructed by Northern Railway starting from Railway's Switching Station at Aligarh to Khurja Jn. Substation (Km. 1331 to Km. 1370) running parallel to the railway track in the vicinity of the nearby villages will be energised on 132 KV AC 50 cycles per second from 15-12-1975. On and from the same date the overhead transmission line shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead line.

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead traction wires will be energised on 25 KV on or after 15-12-1975 in the Section Aligarh Junction (Excl.) to Khurja (incl.) (Structure No. 1328/5 and 6 to Structure No. 1371/23-24) on and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all times, an no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

A. L. GUPTA
Secy. Railway Board

DEPARTMNT OF COMPANIES AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras-600006, the 18th December 1975

No. 143/Lign/S.560/75.—Whereas The Arcot Citizen Bank Limited (In Liquidation) having its registered office at Bazaar Street, Arcot, North Arcot Distt. is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and the affairs of the company have been completely wound up and that the statutory returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Arcot Citizen Bank Limited (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA
Addl. Registrar of Companies
Madras

Madras-6, the 22nd December 1975

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nehru Stores Private Limited*

No. DN/1875/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nehru Stores Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Madras-6, the 22nd December 1975

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Unjappalayam Transport, Private Limited*

No. 5947/DN/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name Unjappalayam Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Madras-6, the 22nd December 1975

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pudumai Pathippaham Private Limited*

No. DN/2126/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Pudumai Pathippaham Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Assistant Registrar of Companies
Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sincere Money Enterprises Private Limited*

Hyderabad-1, the 20th December 1975

No. 885/T(560)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sincere Money Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Poona Investors Bank Limited*

Bombay, the 26th December 1975

No. 4539/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Poona Investors Bank Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Nanubhai Export Private Limited*

Bombay, the 26th December 1975

No. 9820/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the M/s. Nanubhai Export Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kishanchand Sons Private Limited*

Bombay-2, the 26th December 1975

No. 12693/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kishanchand Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Amritsar, the 24th October 1975

No. 2.—Shri D. S. Gupta, Income-tax Officer, Class I retired from Government service on 15-10-1975 afternoon.

(No. CB-4/Vol-II/1431)

The 18th December 1975

No. 3.—Shri T. N. Bansal, Income-tax Officer, Class II last posted as Income tax Officer, B-Ward, Abohar, proceeded on leave preparatory to retirement on 8-12-1975 (A.N.). On the expiry of the leave on 29-2-1976, he will retire from service.

B. R. ABROL
Commissioner of Income Tax
Amritsar-I

[No. CB-4/Vol-IV/1719]

Patiala-I, the 19th December 1975

ORDER

No. Con. 1303/VS/841.—WHEREAS the Commissioner of Income-tax, Patiala-I, Patiala is of the opinion that it is in the public interest to do so;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers, conferred by sub-clause (i) of clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules, the Commissioner of Income-tax, Patiala-I, Patiala hereby retires Shri P. S. Gambhir, Income-tax Class-II with immediate effect, he having already attained the age of 50 years on 5-7-1971. Shri P. S. Gambhir shall be paid a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for a period of three months calculated at the same rate at which he was drawing them immediately before his retirement.

V. P. GUPTA,
Commissioner of Income tax,
Patiala-I, Patiala.

FORM ITMS

- (1) Shri F. V. A. Scudder,
Air Vice Marshal of the Indian Air Force.
New Delhi,
(Transferor)
- (2) 1. Shri Dara C. Shroff, S/o late Mr C. P. Shroff,
Businessman, No. 15/1, Madras Bank Road,
Bangalore-1.
2. Shri Zackria Hashim,
S/o Mr. Hashim Sattar,
Businessman, No. 11, Edwards Road, Bangalore-1.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

C. R. No. 62/4233/75-76/ACQ./B—Whereas, I, R. Krishna. moorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Plot No. 20, in portion of old Survey No. 3, New Survey No. 10/2, situated at South Pattanduagrahara Village, Whitefield. Krishnarajapura Hobli, Bangalore South Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Doc. No. 814/75-76 on 8-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

16—426GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 814/75-76 dated 8-5-1975]
Vacant Plot No. 20, in portion of old Survey No. 3, New Survey No. 10/2, situated at South Pattanduagrahara village, Whitefield, Krishnarajapura Hobli, Bangalore South Taluk.

Site area :—

East : 180'
West : 224'
North : 172'
South : 175' = 35,047 Sq. ft ,

Boundaries :

E : Property of Capt. Ireland.
W : Plot No. 19
N : Plot No. 9
S : Panchayat Road

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range, Bangalore

Date 22-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Krishna Murthy S/o late Venkataramana Iyer

- (2) Shri V K Murthy
- (3) Shri V K N Rajan
- (4) Shri V K Ramu
- (5) Shri V K Sudhar and
- (6) Shri V K Kumar

Sons of Shri V Krishnamurthy, residing at Papu Cottage, Kanakapura Road, Tata Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-4

and represented by their duly constituted agent and power of Attorney Holder, Shri S C Gopalappa, son of late Channarayappa No 67, H B Samaja Road, Basavanagudi, Bangalore-4

(Transferor)

(2) Shri Chamanlal Mehta, S/o late Kharat Ram Mehta, C/I College St Market Calcutta-700012

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

C R No 62/4243/75-76/ACQ /B—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No Site No 18, 19 and 20 forming part of 'Papu Cottage' situated at Tata Silk Farm, Kanakapura Road Basavanagudi Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No 373/75 76 on 15 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

[Registered document No 373/75 76 dated 1-5-1975]
Site Nos. 18, 19 and 20, together measuring 100'×55'
forming part of the property known as 'Papu Cottage', Kanakapura Road Tata Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-4,
and covered by Corporation Nos 36/1, 36/2, 36/2A and 37
of the 34th Division of the Corporation of Bangalore

Boundaries

East Site No 17
West Proposed Road
North Site Nos 6, 7, 8 and 9 and
South Proposed Road

R KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 20-12-1975

Seal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely.—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th December 1975

C. R. No. 62/4264/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rear portion of the Vacant residential site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12) situated at Charles Campbell Road (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-5,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore—Document No. 686/75-76 on 21-5-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

(1) Mrs. Mary Oommen,
W/o late Lt. Oommen, represented by her special power of Attorney Holder, Shri M. K. Thomas, S/o late Sri Kochuman, No. 9, Rhenius Street, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shri K. J. Asoka Raj, S/o
Sri K. V. Jacob,
No. 2, Lewis Road, Cooke Town,
Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 686/75-76 dated 21-5-1975]
Rear portion of the vacant residential site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12), situated at Charles Campbell Road (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-560005.

Site area :

E to W : 40'

N to S : 50' = 2,000 Sq. ft.,

Boundaries :

E : Premises No. 1 and 1/1, Charles Campbell Road,

W : House No. 5, Charles Campbell Road,

N : Plot No. 3 and now bearing Municipal No. 68/2, and

S : Front Portion of premises No. 55 sold to Smt. Suguna

and passage leading to road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-12-1975

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 24th December 1975

C. R. No. 62/4420/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Rear portion of the Vacant residential site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12), situated at Charles Campbell road, (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-560005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 834/75-76 on 2-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri K. J. Asoka Raj, S/o Shri K. V. Jacob, No. 2, Lewis Road, Cooke Town, Civil Station, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri N. Shanmugam, S/o Sri Narayana Chettiar, represented by his General Power of Attorney Holder Sri N. Krishnan, younger brother, No. 126/2, Kathirappa Road, Doddigunte, Cox Town, Bangalore-560005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 834/75-76 dated 2-6-1975]
Rear portion of the vacant site bearing Municipal No. 55 (Old No. 12), situated in Charles Campbell Road, (Division No. 49), Civil Station, Cox Town, Bangalore-560005.
Site area :—E to W : 40 ft.

N to S : 50' = 2,000 Sq. ft.

Boundaries :—

E : Premises No. 1 and 1/1, Charles Campbell Road,
W : House No. 5, Charles Campbell Road,
N : Plot No. 3, and now bearing Municipal No. 68/2, and
S : Front portion of premises No. 55, sold to Smt. Suguna and Passage leading to road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 24-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

C. R. No. 62/4269/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 12, situated at Madras Sappers Officer's Colony, Banaswadi Road, Bangalore-33 (Division No. 49) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 730/75-76 on 23rd May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. E. K. N. Kumar,
S/o late Mr. K. R. Krishnan Nair,
Training Battalion III,
M.E.G. Centre, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Aravindaksha Menon, S/o Sri P. C. V. Raja, (Regional Manager, John Wyeth & Bros. Ltd., Bombay-20)
82, Coles Road, Bangalore-56005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 730/75-76 dated 23-5-1975
Plot No. 12, Madras Sappers Officers' Colony, Banaswadi Road, Bangalore-33 (Division No. 49).]

Site area :

E : 65'
W : 38'
N : 80'
S : 81' ∵ 4146 Sq. ft.

Boundaries :—

East : Site No. 52
West : Road.
North : Site No. 51; and
South : Vacant land.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date . 22-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sajjan R Rao by General Power of Attorney Holder, Shri S M Ramakrishna Rao, 'Lakshmi Nivas' Fort, Bangalore City
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

C R No 62/4298/75 76/ACQ /B—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. The property being revenue land measuring 4 acres and 36 guntas in R S No 8 situated at Gangondanahalli village, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Doc No 855/75 76 on 22nd May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Muni Byrappa alias Papanna, S/o Sri Muniyappa alias Appiahnna, Attiguppe village, Mysore Road Bangalore City
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No 855/75-76 dated 22-5-1975]
The property being revenue land measuring 4 acres and 36 guntas in R S No 8, situated at Gangondanahalli village Yeshwantapura Hobli Bangalore North Taluk
Boundaries —

East Land belonging to the vendee in the same R S No 8.

West North and South Land belonging to the vendor in the same R S No 8.

R KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 22-12-1975.

Scal :

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

FORM ITNS—

(1) Smt. P. T. Janakiamma, W/o Sri K. N. Nair,
D 6/30 'Vasant Vihar' New Delhi.

(Transferee)

(2) (1) Maj S. G. Srinivasan, S/o Sri S. R. Gopal
Swamy, (Regional Manager Air India,
'Vandhra' 11, Tolstoy Marg New Delhi-
110001.

(2) Mrs Vaidehi Srinivasan
Both residing at No. 3, Circular Road, Chan-
kyapuri, New Delhi-110021

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

C. R. No. 62/4329/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site No. 490 situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore (Division No. 45) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 974/75-76 on 28-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 974/75-76 dated 28-5-1975]
Site No. 490, situated at Raja Mahal Vilas Extension, Bangalore (Division No. 45)

Site area.—

E : 99'

W : 103' 9"

N : 60'

S : 60' = 6,000 Sq ft, approx.

Boundaries :

E Site No 491

W Site No 489

N Partly site Nos. 482 and 483, and

S Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 22-12-1975

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1975

C. R. No. 62/4342/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 3 (Old No. 85), formerly No. 5/46 and still Older No. A/8, Sadar Patrappa Road, situated at OTC Road, I Cross, Bangalore City (Division No. 40), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 631\$75-76 on 9—5—75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. G. J. Moses, W/o Mr. T. R. Moses, No. 33, Victoria Road, Bangalore-7.
2. Shri P. D. Xavier, No. 14, Langford Cross, Shantinagar, Bangalore-27.
3. Shri Auto M. Xavier, 'Swami Nivas', 8/274, Nadar Colony, Trichy Road, Coimbatore.
(All children of late F. X. Rajendrum Pillay)
(Transferor)
- (2) Shri N. Ramachandra, S/o 1st N. Narasimhaya, 105, Sadar Patrappa Road, Bangalore City.
(Transferee)
- (3) 1. Mr. J. S. Xavier, No. 33, Victoria Road, Bangalore-7.
2. Miss J. R. Xavier, Opp. : Ladies' Club, Hyderabad, Sind, represented by her duly constituted General Power of Attorney, Mr. J. S. Xavier,
3. Mrs. Elizabethamma, No. 33, Victoria Road, Bangalore.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

[Registered document No. 631/75-76 dated 9-5-1975]
Premises No. 3 (Old No. 85), I Cross, Old Taluk Cutchery Road, (formerly No. 5/46, and still Older No. A/8, Sadar Patrappa Road), Bangalore City (Division No. 40).

Site area :—

East : 19'9" Plus 8'
Plus 48'.6"
West : 65'.9"
North : 34'9" Plus 17', and
South : 51'.9"

Boundaries :

North : Premises No. 2, OTC Road, I Cross and LIC Building.
South : Canara Bank Building.
East : Canara Bank Building and LIC Building, and
West : OTC Road, I Cross.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-12-1975

Seal :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE 27

Bangalore-27, the 20th December 1975

C R No 62/4343/75 76/ACQ /B—Whereas, I, R Krishnamoorthy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises No 3 (old No 85) Formerly 5/46, and still older No A/8 Sadar Patrappa Road, situated at OTC Road, I Cross, Bangalore City (Division No 40) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No 632/75-76 on 9-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

17—426GI/75

(1) 1 Mr J S Xavier, S/o late F X Rajendrum Pillay, No 33, Victoria Road Bangalore-17
 2 Miss J R Xavier, daughter of late F X Rajendrum Pillay, opposite Ladies' Club, Hyderabad, Sind represented by her duly constituted General Power of Attorney, Mr J S Xavier
 3 Mrs Elizabethamma, wife of late Mr M L Xavier, No 33, Victoria Road, Bangalore-27
 (Transferor)

(2) Shri N Ramachandra, S/o late N Narasimha No 105, Sadar Patrappa Road, Bangalore City
 (Transferee)

*(3) Nil
 (Person(s) in occupation of the property)

*(4) 1 Mr P D Xavier, No 14, Langford Road Cross, Shantinagar Bangalore 27
 2 Mr. Auto M Xavier, 'Swami Nivas', 8/274, Nadar Colony, Tickey Road, Coimbatore
 3 Mrs G J Moses, No 33 Victoria Road, Bangalore-7
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered document No 632/75 76 dated 9-5-1975] Premises No 3 (old No 85) OTC Road, I Cross (formerly 5/46, and still Older No A/8, Sadar Patrappa Road), Bangalore City (Division No. 40)

Site area	
East	19' 9" plus 8' plus 48' 6"
West	65' 9"
North	34' Plus 17' and
South	51' 9"
Boundaries	
North	Premises No 2, OTC Road I Cross Road, LIC Building
South	Canada Bank Building
East	Canada Bank Building and LIC Building
West	OTC Road I Cross

R KRISHNAMOORTHY
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date 20-12-1975

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1975

C. R. No. 62/4346/75-76/ACQ./B.—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Buildings site No. 16 situated at 6th Cross (right side) of the Magadi Road, (Division No. 13), Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 717/75-76 on 14-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Honnappa, S/o Late Sri Munigange Gowda,
(2) Smt. Channamma W/o Sri Honnappa,
(3) Sri H. Rajanna, S/o Sri M. Honnappa,
(4) Sri H. Bhagya Kumar, S/o Sri M. Honnappa,
All residing at No. 16, 6th Cross, Magadi Road,
(Northern side) Bangalore-23.

(Transferor)

(2) (1) Shri Mool Raj Mehta, } sons of
(2) Pratap Singh Mehta, } Shri Rekh Raj
Mehta, both residing at No. 23, 6th Cross,
Magadi Road, (Southern side) Bangalore-23.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 717/75-76 dated 14-5-1975]
Building site No. 16, 6th Cross (Right side) of the Magadi Road, Division No. 13, Bangalore City.

Site Area :—

East to West :

(i) Northern side 180'

(ii) Southern—190'

North to South :

(i) Eastern—104'

(ii) Western—72'

=16,280 sft.

Boundaries :—

East : House of Gangaiyah and others,

West : 6th Cross Road,

North : Road made by M. Honnappa, and

South : Municipal drain with all hereditaments, easementary rights etc.,

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-12-1975

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/May-I/744(15)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as specified in the Schedule situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 6-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Hari Chand; Ballu & Lakhi Chand sons of late Shri Het Ram r/o Village Jonapur Tehsil Mehrauli, Delhi through their General Attorney, 1. Shri Prem Nath s/o Shri Hans Raj r/o 1656, Kotla Mubarakpur, N. Delhi.
2. Shri Narinder Anand s/o Shri Gian Chand r/o 1632, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Mohan Lal Harbans Lal Bhyana & Co., C-54, Maharani Bagh near Bhogal Ashram Ring Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Bighas & 6 Biswas (6377 sq. yds) in Mustatil No. 15, Part of Killa No. 13/2 & 14/2; Mustatil No. 15 Part of killa No. 17 & 18 in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli Distt. Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 8-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/May-1/(17)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as specified in the Schedule situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Sv./Shri Hari Chand; Ballu & Lakhi Chand sons of Shri Het Ram r/o Village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi through their General Attorney:
1. Shri Prem Nath s/o Shri Hans Raj r/o 1636, Kotla Mubarakpur, New Delhi
2. Shri Narinder Anand s/o Shri Gian Chand r/o 1632, Naiwala Karol Bagh New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Onkar Nath Kampani s/o Shri Amar Nath Kampani r/o Shyam Bhawan, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 4 Biswas in Mustatil No. 15 Part of Khasra No. 22 & Mustatil No. 28 Part of Khasra No. 2 in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, Distt. New Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 8-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFAI ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2006(1001)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2817 situated at Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Piem Sehgal s/o Shri Mehar Chand Sehgal r/o 38-D, Sujan Singh Park, New Delhi himself and regd. General attorney of Shri Surinder Sehgal sons of Shri Mehar Chand Sehgal r/o 38-D, Sujan Singh Park, Delhi, 2. Sh. Sudhesh Sehgal s/o Shri Mehar Chand 3. Smt. Sheela Rani Sehgal w/o Shri Mehar Chand Sehgal r/o 38-D, Sujan Singh Park, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Hameeda Begum w/o Sh. Abdul Rashid r/o 802, Haveli Azam Khan, Bazar Chitli Kabar, Jama Masjid, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds. situated at No. 2817, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi and bounded as under —

North : Gali
South : House No. XI/2848
East : House No. XI/2816
West : House No. XI/2818

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Charanjit Kaur w/o Shri Balvinder Singh r/o B-9/5, Krishan Nagar, Delhi-51.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No./ IAC/Acq.II/349(1002)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Eastern portion of B-5/4 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Vijay Kumar Palta s/o Shri Mulkh Raj Palta r/o B-8/14, Krishan Nagar, Delhi-51.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of plot No. B-5/4 area 77-7/9 sq. yds. out of the entire area 233-1/3 sq. yds. part of Khasra No. 412 situated in the approved colony known as Krishan Nagar, area of Village Ghaundli, Shahdara, Delhi and bounded as under :

North : Road
East : Plot No. B-5/3
South : Plot No. B-6/4
West : Portion of plot No. B-5/4

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Kundan Lal Rana s/o Shri Ranpat Rai r/o 9437, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar alias Binod Gopal s/o Late Shri P. N. Bannerjee, r/o 9437, Multani Dhanda Pahar Ganj, New Delhi.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Tilak Raj s/o Shri S. K. Khurana, 2. Shri Tilak Raja Kalra, 3. Shri Sham Lal Mehra all r/o 9437, Multani Dhanda, Pahar Ganj, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at No. 9437, Gali No. 10, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi and bounded as under :—

North : Shed No. 9436A
South : Gali No. 10
East : Main Multani Dhanda Road
West : House No. 9437A.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Sanwal Dass s/o Shri Devi Deen r/o 3010, Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Mirajuddin s/o Mohd. Ishaq and Smt. Khurshid Begum w/o Sh. Mirajuddin r/o 3016, Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq II(2046)(1004)/75-76—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3010 situated at Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

2½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at No. 1850 (old) and present Municipal No. 3010 situated in Gali Nal Bandan, Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC[Acq.II]2001(1005)|75-76—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 7051 and 7052 situated at Beriwala Bagh Azad Mkt, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

18—426GI/75

(1) 1. Shri Chuni Lal s/o Shri Sunder Dass r/o 7050, Beriwala Bagh, Azad Market, Delhi, 2. Shri Roshan Lal s/o Shri Sundar Das r/o 306, Azad Market, Delhi, 3. Shri Shadi Lal s/o Shri Sunder Dass r/o 325, Azad Market, Delhi, 4. Smt. Sheela Wanti w/o Shri Kisan Mal r/o 6844, Beriwala Bagh, Azad Market, Delhi and 5. Smt. Krishna Wanti w/o Shri Baldev Raj r/o 305, Azad Market, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Gorjan Devi w/o Shri Amrit Chand r/o 8932, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi-6
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed home constructed on a plot of land measuring 105 sq. yds. situated at property No. 7051 and 7052 situated at Beriwala Bagh, Azad Market, Ward No. XIII, Delhi and bounded as under :—

North : Old Rohtak Road
South : Gali
East : House No. 7053
West : House No. 7050.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Des Raj s/o Shri Ladha Ram Vij r/o 1122,
Railway Road, Shahdara, Delhi-32.
(Transferor)

(2) Dr. Gita Gupta w/o Dr. R. P. Gupta r/o 672,
Qabul Nagar, Shahdara, Delhi-32.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/343(1006)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25 situated at Raj Block Colony G.T. Road, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 25 measuring 400 sq. yds. Khasra No. 2851/68 min, 70 min situated in the area of Village Chandrawalai, Alias Shahdara, Abadi Raj Block Colony, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32 and bounded as under:—

North : Remaining Khasra No. 71 min.

West : Road 36'

East : Remaining Khasra No. 2851/68 min.

South : others land.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Om Parkash s/o Shri Hukam Chand r/o 3691,
Mohalla Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC|Acq.II/2032(1007)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2191 (2 shops on G.F.) situated at Mohalla Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1958).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Aziz Ahmed s/o Bahadur Khan and Mohammad Harron s/o Shri Abdul Aziz r/o 3770 and 4381, Mohalla Shah Ganj, Ajmere Gate, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

2 shops constructed on ground floor on land measuring 36 sq. yds. of property No. 2991, Mohalla Shah Ganj, Ajmeri Gate, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ghisa s/o Shri Nanga Mali 1/o Qadam Sharif,
Bagchi Alludin, Pahar Ganj, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref No. IAC/Acq II/2037/(1008)/75-76—Whereas, I, S N L Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 10445 situated at Bagchi Alludin Qadam Sharif Pahar Ganj, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) S/Shri Kedar Nath and Ganesh Lal sons of Shri Hazari Lal 1/o 9640, Gali No 12, Mullan Dbanda, Pahar Ganj, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house constructed on a plot of land measuring 133 sq yds situated at No 10445, Gali No 2-3, Bagchi Alludin, Qadam Sharif, Pahar Ganj, New Delhi

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely —

S N L AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date 8th January 1976

Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4 A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2022(1009)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8877, situated at Gali Moti Wali, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officers at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nanak Ram s/o Shri Kishan Chand Gawa and Smt. Darppdi Devi w/o Shri Nanak Ram Gawa r/o 8877, Gali Moti Wali, Naya Mohalla Azad Market, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Kaka Plastic Works, 8923, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storied house constructed on a plot of land measuring 531 sq. yds. bearing No. XII/5568 (old) and XII (8877 New) at Gali Moti Wali, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi-6 and bounded as under :—

North : House No. 8874
South : Main Gali
East : House No. 8876
West : House No. 8878.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Lal s/o Shri Hari Chand r/o F-12/21,
Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Subhash Chand Monga s/o Shri Bakhshi Ram
Monga r/o 323, Ram Nagar, Delhi-51.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1976

Ref No. IAC/Asq.II/2328/(1010)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act', has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-12/21, Northern Portion situated at Krishan Nagar Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 98.9/10 sq. yds. northern portion of plot No. 21 Block F-12, out of 197.8 sq. yds. situated in Krishan Nagar, area of Village Ghoundli, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : House built F-12/20
East : Road
South : Remaining portion of plot
West : Property No. F-11/21.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 8th January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajwant Kaur w/o Shri Jaswan Singh r/o
5/8, Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1999(1011)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. first and 2nd floor of 5/8 situated at Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Smt. Kanta Devi w/o Shri Siri Chand r/o 9749, Neem wali Gali, Nawab Ganj, Pul Bangash, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First and second floor of a property constructed on a plot of land measuring 213 3 sq. yds. situated at 5/8 Singh Sabha Road, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under :—
 North : Road
 West : Plot No. 5/7
 South : Road
 East : Plot No. 5/9.

S. N. L. AGARWALA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi.

Date : 9th January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hargobind s/o Late Shri Nand Ram House No. XI/360/9, Plot No. K-7, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
4-A/14, ASAFAI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/332(1012)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of K-7 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Gohar Singh s/o Shri Gopal Singh r/o 10/90, Gita Colony, Delhi-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house constructed on a piece of plot No. K-7 measuring 68.5/8 sq. yds. a part of property No. XI/360/9 Part of Khasra No. 512/482 situated in Abadhi Krishan Nagar, Village Ghoundli, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. K-6

West : Plot No. K-21

South . Remaining portion of plot No. K-7.

East : Road

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 9th January 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hargobind s/o Late Shri Nand Ram r/o House No. 360/9, Plot No. K-7, Krishan Nagar, Delhi-51. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Viran wali w/o Shri Gohar Singh r/o 10/90, Gita Colony, Delhi-31. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFAI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1013/333/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. part of K-7 and K-8 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house constructed on a southern portion of piece of plot No. K-7 and part of plot No. K-8 measuring area 68-5/8 sq. yds. part of Khasra No. 512/482 situated in the abadi of Krishan Nagar, Village Ghoundli, Shahdara, Delhi and bounded as under :—

North : Remaining portion of plot No. K-7
East : Road
South : Remaining portion of plot No. K-8.
West : Plot No. K-21.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 9th January 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajeshwari Sah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rani Sekho,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 76-R/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. Suite No. 5, situated at Hotel Garden House Distt. Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nainital on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Suite No. 5, of Hotel Garden House situated in District Nainital.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 1-1-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Rajeshwari Sah

(Transferor)

(2) Smt Rani Sekho

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref No 76 R/ACQUISITION—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,
 being the Competent Authority under
 section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)
 hereinafter referred to as the 'Said Act',
 have reason to believe that the immovable property, having a
 fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing
 suit No 5 situated at Garden House Hotel, Distt Nainital
 and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
 been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
 in the office of the Registering Officer
 at Nainital on 9-6-1975
 for an apparent
 consideration which is less than the fair market value of the
 foresaid property and I have reason to believe that the fair
 market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of such
 apparent consideration and that the consideration for such
 transfer as agreed to between the parties has not been truly
 stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said im-
 moveable property, within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the Official
 Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the Said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter

THE SCHEDULE

Open plot measuring 3 000 sq ft situated in Hotel Garden
 House Distt Nainital

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the Said Act in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-Tax
 Act, 1957 (27 of 1957)

BISHAMBHAR NATH,
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range
 Lucknow

Now therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely —

Date 1-1-1976

Seal

FORM ITNS

(1) Smt. Kumud Sharma.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Rani Sekho.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 76-R/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-

C

BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Suite No. 5 situated at Hotel Garden House, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 23-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 3,000 sqr. fts. situated in Garden House Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 1-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ahemdi Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmila Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 16-U/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 369, 370 and 371 situated at Gruce Ganj Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bulandshahr on 21-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Portion of three shops' No. 369, 370 and 371 situated in Gruce Ganj Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 1-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ahemdi Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Umesh Chand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 17-U/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 369, 370 and 371 situated at Gruce Ganj Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 21-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Portion of three shops No. 369, 370 and 371 situated in Gruce Ganj Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 1-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Ahemdi Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukut Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 73-M/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 369, 370 and 371 situated at Gruce Ganj Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 21-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Portion of three shops No. 369, 370 and 371 situated in Gruce Ganj Distt. Bulandshahr.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ahemdi Begum.

(Transferor)

(2) Shri Mokesh Chander.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 9th January 1976

Ref. No. 74-M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 369, 370 and 371 situated at Guice Ganj Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulandshahr on 19-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Portion of three shops No. 369, 370 and 371 situated in Guice Ganj Distt. Bulandshahr.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date . 9-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vishwa Nath Choudhary,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. G. Mehrotra and others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 1st January 1976

Ref. No. 23-V/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, B. N. Road, situated at B. N. Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 16-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

20—426 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No 9—Situated at B. N. Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 1-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shantilal Mohanlal Shah,
Mangal Park, Near Opera Society,
Dhumkeda Marg, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

(2) Shri Ramanlal Mulchand Shah,
Mandvini Pole, Nagjibhuder Pole,
Derawala Khancha, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 6th January 1976

Ref. No. Acq.23-I-663(255)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 143-B, C.S. No. 2068 and 2069-B situated at Nagjibhudarji Pole, Jamalpur Ward No. 2, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad in June, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A four storied building standing on land admeasuring about 96 sq. yds. bearing Survey No. 143-B, C. S. No. 2068 and 2069-B, situated at Nagjibhudarji Pole, Jamalpur Ward No. 2, Ahmedabad and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) The Principal Officer,
Baroda Industrial Development Corporation Ltd.,
Gorva Road, Baroda.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Principal Officer,
M/s. Jyoti Ltd., Gorva Road,
Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th January 1976

Ref. No. P. R. No. 279/Acq.23-470/6-2/75-76.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. R. S. No. 1178, 1179, 1179/1 and 1180 paiki Plot No.
J 44 to J 50 and J 53 to J 59 situated at Gorva, Sayaji Ganj
area, Baroda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Baroda on 21-5-1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing R. S. No. 1178, 1179, 1179/1 and 1180
paiki Plots No. J 44 to J 50 and J 53 to J 59 situated at
Gorva Village and admcasuring in all 1,40,000 sq. ft. as
fully described in sale deeds registered under No. 3203 of
May, 1975 by Registering Officer, Baroda.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
Said Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following
persons, namely :—

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9th January 1976
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 7th January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-724(256)/18-5/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 1772 and 1776 Plot No. 20 to 34 situated at Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Wadhwan, on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Parmar Solanki Gadani Jayswal & Co., Surendranagar, through partners :—
 - (1) Parmar Manaharlal Liladhar, Member of H.U.F. of Parmar Liladhar Mavaji, Vadipara, Surendranagar.
 - (2) Parmar Bhikhalal Himatlal, Karta of H.U.F. of Parmar Himatlal Madhvaji, Vadipara, Surendranagar.
 - (3) Parmar Mulji Madhvaji, Vadipara, Surendranagar.
 - (4) Jayswal Jagdambaprasad Deviprasad, Woodghat Road, Surendranagar.
 - (5) Jayswal Jayantilal Deviprasad, Woodghat Road, Surendranagar.
 - (6) Jayswal Chandrakant Deviprasad, Woodghat Road, Surendranagar.
 - (7) Gadani Natwarlal Lavjibhai, Near Vijaya Talkies, Surendranagar.
 - (8) Gadani Amritlal Lavjibhai, Near Vijaya Talkies, Surendranagar.
 - (9) Gadani Himatlal Lavjibhai, Near Vijaya Talkies, Surendranagar.
 - (10) Solanki Parshotamdas Vithaldas, Vadipara, Surendranagar

(Transferor)

- (2) Shri Ajitnath Co-operative Housing Society Ltd., Surendranagar, through—
 - (1) President—Shri Ashok Kumar Kantilal Shah, Surendranagar.
 - (2) Vice-President—Shri Ajitkumar Mugatilal Shah, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2808 sq. yards and bearing Survey No. 1772 & 1776, Plot No. 20 to 34, situated at Surendranagar.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7th January 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jyotiben Nagarbhai Patel,
13/14, Jayant Park, Vatva Road, Maninagar,
Ahmedabad-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Natwar Gopal Co operative Housing Society, through
Chairman, Smt. Kadambaben Rasiklal Joshi,
Jethabhai Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th January 1976

Ref No Acq. 23-I-725(257)/1-1/75-76—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. Survey No. 189-A, Sub-Plot No. 1 & 3 situated at Rajpur Hirpur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 1516 sq. yards bearing Survey No. 189-A, Sub-Plot Nos. 1 and 3, situated at Rajpur Hirpur and as per the two sale deeds the particulars of which are given as under :—
Document No.

& date	Survey No./S. P. Nos.	Area
6112/15-5-75	189-A S. P. No. 1	802 sq. yds
6111/15-5-75	189-A S. P. No. 3	714 sq. yds.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-1-1976

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Kumar Basu, 1/A, Lee Road, Calcutta.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 5th January 1976

Ref. No. 307/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, situated at Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (2) Shri Mohan Kumar Mukherjee, Bakulia House, 2 Bishu Babu Lane, Kiddipore, Calcutta.
(Transferee)
- (3) (1) Prafulla Ghosy & Sukumar Dey.
(2) Sri Jagadish Ch. Ganguly.
(3) Sri Tulsi Narayan Pandit.
(4) Smt. Gayatri Lahiri.
(5) Sri Upendra Narayan, Chaki.
(6) M/s. Pramtha Nath Bejoy Krishnan & Co.
(7) Smt. Gayatri Debnath.
(8) ELEC. Hoarding, Calcutta.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 6/15th share in land of five cottahs fifteen chittacks and thirty eight square feet more or less known as 74A, 74B, 74C, 74D, 74I, 74F, Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, PS. Bhowanipore, and all the building and structures thereon as per deed No. 4280 of 1975 registered before Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Alok Basu, 16, Earl Street, Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 5th January 1976

Ref No 308/Acq R-III/75-76/Cal—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No. No 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, situated at Ashutosh Mukherjee Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25.7.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely —

- (1) Alok Basu, 16, Earl Street, Calcutta
- (2) Mohan Kumar Mukherjee, Bakulta House 2 Bishu Babu Lane Kiddiipore, Calcutta
- (3) (1) Prafulla Ghosy & Sukumar Dey
(2) Sri Jagadish Ch. Ganguly
(3) Sri Tulsi Narayan Pandit.
(4) Smt. Gayatri Lahiri
(5) Sri Upendra Narayan, Chak.
(6) M/s Pramtha Nath Bejoy Krishnan & Co.
(7) Smt. Gayatril Debnath
(8) ETC Hoarding, Calcutta
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 6/15th share in land of five cottah, fifteen chittacks and thirty eight square feet more or less known as 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, PS Bhowanipore, and all the building and structures thereon as per deed No 4315 of 1975 registered before Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 5-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 5th January 1976

Ref. No. 309/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, situated at Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

5 A 1/21

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Bejoli Ghosh of 100/11 Alipore Road, Calcutta.
- (2) Smt. Dipali Mitter, and
- (3) Manjula Ghosh,
17/5C Block A, Nalini Ranjan Avenue, New Alipore, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Sri Mohan Kumar Mukherjee, 'Bakulia House' 2 Bishu Babu Lane Kiddirpore, Calcutta.
(Transferee)
- (3) (1) Pratulla Ghosy & Sukumar Dey.
(2) Sri Jagadish Ch. Ganguly.
(3) Sri Tulsi Narayan Pandit.
(4) Smt. Gyatri Lahiri.
(5) Sri Upendra Narayan, Chaki.
(6) M/s. Pramtha Nath Bejoy Krishnan & Co.
(7) Smt. Gayatri Debnath.
(8) ELEC. Hoarding, Calcutta.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 6/15th share in land of five cottahs fifteen chittacks and thirty eight square feet more or less known as 74A, 74B, 74C, 74D, 74E, 74F, Ashutosh Mukherjee Road, Calcutta, PS. Bhowanipore, and all the building and structures thereon as per deed No. 3612 of 1975 registered before sub-Registrar, Alipore.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-III,
54 Raff Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-1-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Diamond Investment and Properties Co. Ltd.,
3 Synagogue Street, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

54, RAHI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1976

Ref. No Acq.-38/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2H+2 situated at Alipore Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

21—426GI/75

(2) M/s. Real Estates Corporation, 34, Raja Basanta Roy Road, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Cottahs 15 chittacks 5 sq. ft. at premises No. 2H and 2, Alipore Avenue (Divided southern portion), Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 9-1-1976,
Seal

FORM ITNS

(1) Shri T. Murlidhar Singh s/o Sri Tara Singh R/o Seethafal-Mandi, Secunderabad.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Bhanuri Kasiah, R/o Jeera Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Ref. No. RAC. No. 219/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 11-2-22 situated at Seethapalmandi, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on 22-5-1975.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'Said Act' shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 11-2-22 at Seethafalmandi, Secunderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following per-
sons, namely :—

Date . 6-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shaik Naimuddin, S/o late Shaik Mohiuddin,
H. No. 18-3-892 at Outside Allabad, Hyderabad.
(Transferor)

(2) (1) Miss Kumari Santhosh Kumari,
(2) Kumari Burkha Devi, H. No. 21-3-710 at
Chelapura, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Ref. No. RAC. No. 220/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
15-1-503/8 and 503/9 situated at Feelkhana, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on 20-5-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 15-1-503/8 and 503/9 at Feelkhana
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Ref. No. RAC. No. 222/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 54 of M. No. 2-11-30 situated at Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons

(1) (1) Smt. Hushumuthunisa Begum, Paigha House, Sardar Patel Road, Secunderabad.
(2) Sri Jainarayana Misra, H. No. 26-A Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pagola Suvarna Devavaram, H. No. 12-5-23 at Vijayapuri South Lalaguda, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property . Plot No. 54 as per sanctioned layout situated at Sardar Patel Road, Secunderabad. (156 to 159 and 2-11-30) admeasuring 309.32 sq. mts,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Syeda Jannahunnisa Begum, W/o late Syed Sharfuddin, Advocate, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1976

Ref. No. RAC. No. 223/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-6-510, 510/1, 510/2, 510/3 situated at Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
 in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 20-5-1975,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Syed Khusro Adil Hashmi, S/o Shariful Hasan Hashmi Nizamabad.

(2) Sri Syed Akhtar Adil Hashmi, S/o Shariful Hasan Hashmi, Nizamabad, H. No. 5-6-510 at Civil Lines, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 5-6-510, 510/1, 510/2, 510/3 at Civil Lines Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-1-1976.
 Seal

FORM ITNS

(1) M/s. Associated Builders and Real Estate Agents Represented by its partner Smt. Pushpalata W/o Ratanlal, C/o Tota Ram Sagarlal & Sons, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. Arundhau, W/o Sri N. Arvind Reddy, H. No. 1-2-45 at Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 224/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat B-1-F-4 situated of Poonam Apartment Chirag Ali Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property . All that the share or portion in the piece and parcel of land bearing M. No 5-8-512 to 517-C at Chirag Ali Lane, Hyderabad. Flat No. B-1-F-4 on the Second building of Poonam Apartments.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 7-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Associated Builders and Real Estate Agents
Represented by Smt. Pushpalata W/o Ratanlal,
C/o Tota Ram Sagarlal & Sons, at Abid Road,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1976

Ref. No. RAC. No. 225/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat B-1-F-3 situated of Poonam Apartment as Chirag Ali Lane, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-5-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. N. Madhavi, C/o N. Nagendranath Reddy,
Advocate, Kurnool

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : All that the share or portion in the piece and parcel of land bearing M. No. 5-8-512 to 717-C at Chirag Ali Lane, Hyderabad. Flat No. B-1-F-3 on the Second building of Poonam Apartment.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

Date : 7-1-1976.

SPL.

FORM ITNS-

(1) Smt. Tedla Anuradha W/o Sudhakar H. No. 11-153
at Seetharampuram, Miryalguda, Nalgonda Distt.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1976

(2) Smt. Didugu Saraswathamma, W/o Chhakeshvalu,
R/o Thungapadu-Village, (V.A.) Miryalguda-Tq.
Nalgonda-Distt.
(Transferee)

(3) Dist. Manager, Andhra Pradesh State Civil Supplies
(Corp). H. No. 13-86/2 at Seetharampuram, Miryalguda-Nalgonda-Dist.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 226/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 13-86/2 situated at Seetarampuram Miryalguda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Nalgonda on 17-5-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property : H. No. 13-86/2 at Seetharampuram, Village Miryalguda-Tq. Nalgonda-Dist.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kali Kumar Banerjee,
Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-116/Acq./75-76/1866.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1079, 1070 situated at Meekil Road, Ranchi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—426 GI/75

(2) Shrimati Bimla Devi Jain,
Lake Road, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, 5½ katha at Meekil Road, Ranchi, Plot no. 1079, 1070, M. H. No. 1002, W. No.-I, as described in deed No. 9455 dated 30-5-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. K. Banerjee,
Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Bimla Devi Jain,
Lake Road, Ranchi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. III-117/Acq./75-76/1867.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1079, 1070 etc. situated at Meckil Road, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land, 3½ katha at Meckil Road, Ranchi, Plot No. 1079, 1070, H. No. 1002, W. No. I, as described in deed No. 9453 dated 30-5-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shakti Kumar Banerjee,
Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhash Chand Jain,
Upper Bazar, Ranchi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No III-118/Acq./75-76/1868.—Whereas, I. A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 1079 situated at Meekil Road, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 30-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, 8 katha at Meekil Road, Ranchi Plot No. 1079 H. No. 1002, W No-I, as described in deed No. 9454 dated 30-5-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-119/Acq./75-76/1869.—Whereas, J. A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 892 to 895 situated at Ranibigha Biharsharif, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nalanda in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Jhaman Mahto S/o Sri Churaman Mahto and Sri Kave Mahto S/o Sri Jhaman Mahto. At-Ranibigha, P.S. Biharsharif Dt. Nalanda.

(Transferor)

(2) Nalanda Service Station Biharsharif. Through Sri Ramashray Prasad S/o Sri Tribeni Singh, Dt. Nalanda Service Station, Biharsharif.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 10 kathas at Ranibigha, P.S. Biharsharif, Dist. Nalanda khata No. 78, Plot Nos. 892, 893, 894 and 895.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date . 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Murti Devi W/o Kapildeo Prasad, At upper
Bazar, P.S. Kotwali, Ranchi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shiv Prasad Singh S/o Sri Kunwar Singh at
Ratu Road, P.S. Kotwali, Ranchi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR

CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. III-120/Acq./75-76/1870.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. Plot No. 1155, KHO-53 situated at Hesal, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land 5 katha with building at village Hesal, P.S. Kotwali, Ranchi R.S. Plot No. 1155, Sub-Plot No. 1155/1, khata No. 53 etc., as described in deed No. 7888 dated 5-5-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Dr. Sukumar Sanyal S/o Sri Surendra Nath Sanyal
At Sarada Shree, Ranchi Chaibasa Road, P.S.
Kotwali, Ranchi.
(Transferor)
- (2) Shrimati Kaushalya Devi W/o Dr. Brameshwar
Prasad of Bariatu, P.S. Sadar, Ranchi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-121/Acq./75-76/1871.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. H. No. 146/H situated at Hatma (Nagratoli) Ranchi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 6-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and 21 katha 4 ch. out of R. S. Plot No. 690 marked as Sub Plot No. 690/B. K. No. 57, M.S. Plot No. 370, M. H. No. 146/H W. No. VII B. situated at Hatma (Nagratoli) Ranchi as described in deed No. 7958 dated 6-5-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Bibi Asamtum Nisha W/o Late **Khelafat Hussain** and Bibi Afarida Begam W/o Syd Burhan At and P O Barchpura, PS Kotwali Dist Bhagalpur
(Transferor)

NOTICE UNDFR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG, PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref No III 122/Acq /75 76/1872—Whereas, I, A K SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No H No 12, W No 2 situated at Milkchak Urf Baxhpura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhagalpur on 24-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Sita Ram Yadav S/o Sri Bhasawan Yadav, At & PO Khanjerpur, PS Kotwali, Dist Bhagalpur, Smt Manika Devi W/o Sri Bhubneshwar Mandal and Sri Ashutosh Mandal S/o Sri Sri Mandal, At and P O Bhurkhuria Dist Bhagalpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land area 8 B 15 K 8 Dhur at Milkchak Urf Barchpura, PS Kotwali, Dist Bhagalpur, W No 2, Cr No 4, H No. 12 as described inde ed No 6203 dated 24 5-1975

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date 7-1-1976
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri S. M. Safique S/o Late S. T. Karim at and P.O. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-123/Acq./75-76/1873.—Whereas, I, A. K. SINHA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 36 situated at Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 14-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Sardar A. Singh S/o Late Sardar Bhagat Singh of 33, Tatanagar Mills and Godown Area P.S. Gotmuri, Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.246 Acres with house in Tatanagar Mills & Godown area, Jamshedpur Town, H. No. 36 as described in deed No. 6922 dated 14-5-1975.

A. K. SINHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramkrishna S/o Sri Patinathlal H. No. 359,
Sitaram Dera, P.S. Sakchi, Jamshedpur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri R. Pd. Singh Guardian Chandra Hans of Sita
Ramdera Jamshedpur, Dist. Singhbhum.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-124/Acq./75-76/1874.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 359 situated at Sakchi, Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said to the following persons, namely :—

23—426 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Pucca House H. No. 359, P.S. Sakchi, Jamshedpur as described in deed No. 6529/5-5-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. V. Parikh S/o late V. Parikh Contractor's Area, Jamshedpur. Dist. Singhbhum.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar A. Singh S/o late Sardar Bhagat Singh of Tatanagar Mills & Godown area Jamshedpur. Singhbhum.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG, PATNA

Patna, the 7th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. III-125/Acq./75-76/1875.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7, Thana No. 1167 situated at Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land 9K. 7 $\frac{1}{2}$ Dhur with building, Plot No. 7, Thana No. 1167 at Tatanagar Khasmatal area, Jamshedpur as described in deed No. 7549 of May 1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Singh 166, Pathiputra Colony,
Patna-13.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BULDG, PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-126/Acq/75-76/1876 —Whereas, I, A K SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

H No 23A, W No 1 situated at Bhikanpur, Bhagalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 7-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

(2) Smt Mrs Harjinder Rekhi C/o Sri S S Rekhi at Bhikanpur, Bhagalpur

(Transferee)

(3) Military Estates Officer Dinapur Cant
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and with Ground floor construction of House No 23A, W No 1, Cr No 2 at R B Sukhraj Roy Road, Bhagalpur

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date 7-1-1976.

Seal.

FORM ITNS

(1) Mr. D. G. Vaidya S/o late Gopal Narain Vaidya,
Contractors Area, Jamshedpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dinesh B. Parikh Mithila Motors (P) Ltd.,
Jamshedpur-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-127/Acq./75-76/1877.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TISCO H. No. 20 situated at Contractors Area, Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Jamshedpur on 26-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring area 0.142 acres with building at contractor, area, TISCO's H. No. 20, in Jamshedpur Town, Dist. Singhbhum.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through, Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Chandrawati Sinha W/o Sri Binod Kumar Sinha, At Makhama Kuan, P. S. Pirbhore, ~~Dia~~
Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-128/Acq./75-76/1878.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 8-5-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with some construction on a portion thereof measuring area 1125 sq. ft. at Fraser Road, Patna H. No. 349 (new) now as part of H. No. 349/2, M. S. Plot No. 7- Cr. No. 6 W. No. 10 (New) etc. as described in deed No. 4507 dated 8-5-1975.

A. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-129/Acq./75-76/1879.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Binod Kumar Sinha S/o late Sheonandan Prasad and Smt. Chandrawati Sinha W/o Binod Kumar Sinha, both of Makhama Kuan P. S. Pirbahore, Dist. Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with some construction on a portion thereof measuring 500 sq. ft. at Fraser Road, Patna, H. Part of H. No. 349 (New) now part of H. No. 349/2, part of M.S. Plot No. 71 Cr. No. 6 as per deed No. 4508 dated 8.5.1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two piece of land with some construction on a position thereof measuring 1025 sq. ft. (820+205) at Fraser Road, Patna part of H. No. 349 (new) now 349/2 and M.S. Plot No. 71 Cr. No. 6 as per deed No. 4509 dated 8-5-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna Through, Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar N. Ajmera S/o Sri N. N. Ajmera of Machharhatta, P.O. Patna City, Patna. Smt. Kanchan Gauri W/o Sri Gunvant Rai Jani and Smt. Sudha Jani W/o Sri J. K. Jani (Advocate) of Road No. 6C, R-Nagar, Patna—16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA**

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-131/Acq./75-76/1881.—Whereas, I. A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two piece of land with some construction there on measuring area 700 sq. ft. (500+200) at Fraser Road, Patna, being part of M.S. Plot No. 71 H. No. 349 (New) now 349/2 Cr. No. 6 etc. as described in deed No. 4511 dated 8-5-1975.

THE SCHEDULE

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-132/Acq./75-76/1882.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

24—426GI/75

(2) Shri Binod Kumar Sinha S/o late Sheonandan Prasad of Makhania Kuan Road P.S. Pirbahore, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with some construction thereon measuring area 1125 sq. ft. at Fraser Road, Patna, Part of M. S. Plot No. 71, H. No. 349(New) now 349/2 Cr. No. 6 etc. as described deed No. 4512 dated 8.5.1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976,

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 7th January 1976

Ref. No. III-133/Acq./75-76/1883.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. S. Plot No. 71, Cr. No. 6, situated at Fraser Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 8-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act of the following persons, namely :—

(1) M/s. Muzaffarpur Hosiery Industries & Agencies (P) Ltd., Birla Mandir Road, Patna, Through Sri D. P. Saboo, (Managing Director). (Transferor)

(2) Shrimati Kanchan Gauri W/o Sri Gunvant Rai Jani and Smt. Sudha Jani W/o Sri J. K. Jani of Road No. 6C, R-Nagar, Patna—16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two pieces of land with some construction on a portion thereon measuring 1025 (820+205) sq. ft. at Fraser Road, Patna, part of H. No. 349 (New) now 349/2, M.S. Plot No. 71, Cr. No. 6 as per deed No. 4510 dated 8.5.1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manpharal s/o Sardari Lal Narula,
R/o Shivpuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Satyapal & Banarashidas sons of Deshraj Narula,
R/o Shivpuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Single storied House situated at Shivpuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 20-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot & House situated at Shivpuri Area 1260 sq. meter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Bajirao S/o Ramoo Patel 2. Mohan (8 yrs)
S/o Bajirao M. G. Bajirao R/o Ainpur Tq.: Raver
Distt : Jalgaon, (Maharashtra).
(Transferor)

(2) Shri Kishore S/o Jagannath Patel, H. G. Shri Jagannath S/o Narayan Patel R/o Nimdad Raiyatwari,
P.O. Shekhpur, Tah. Burhanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land, One well and House situated at Village Shekhpur, situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur, on 27-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural Land one well and House.
Area of Land—40.18 acres.
Area of well and House—432 sq.ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Govind S/o Shri Tulsiram Khandelwal,
R/o 415, Mahatma Gandhi Marg, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Central Circuit Cine Association Bhusawal thro-
ugh President Shri Santoshsinhaji Jain
R/o 562 M. Gandhi Marg, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 6-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at New Dewas Road, Indore Survey No. 259/1 & 260 Total Area—6.73 acres Paiki 12500 sq.ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Savitri Devi w/o Devendra Kumar S/o Bajakhana Jaora (M.P.).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s. Central Circuit Cine Association Bhusawal through President Shri Santoshsinghji Jain. R/o 562, M. G. Gandhi Marg, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore, on 6-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, Area 6250 sq.ft. Survey No. 259/1 & 260 situated at New Dewas Road, Indore.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Savitri Devi w/o Devendra Kumar
R/o 562 Mahatma Gandhi Marg, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 6-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s Central Circuit Cine Association Bhusawal through President Shri Santosh Singh Ji Jain R/o 562 Mahatma Gandhi Marg, Indore
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

*Agricultural land. Area 6250 sqft. Survey No. 259/1 & 260 situated at New Dewas Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narayan S/o Bhagirathji Saraf
R/o 10 Tilak Path, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

Ref. No. IAC/ACO/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and House Plot area 675 sq. ft. & House No. 190 situated at Tilak path, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 19-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rajkumar S/o Poonamchandji Gary.
R/o 58 Devi Ahilya Marg (Jail Road), Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and House.
Plot Area 675 sq. ft.
House No. 190 area 450 sq.ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore, on 28-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

25—426 GI/75

(1) Shri Damodhar Nathuji Jamindar,
R/o Chhota Ravala Estate, Indore,
56 Raoji Bazar, Main Road, Bhagwati Niwar,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri M/s Falodi Transport Corporation, 9 Jawahar Marg, Indore—through Shri Jamnalal s/o Mangilal Gupta Manajan. R/o 3/4 North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Area 676 sq. ft.
Vol. No. 3632 P.No. 66-73, Reg. No. 3336,

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-1-1976

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Baburam S/o Beniram Brahman (45 yrs)
R/o Bhaorosa, Tq : Sonkatch, Distt. Dewas.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land in Bhaorasa, situated at Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas, on 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Sakharam S/o Ghasiram Mali, (21 yrs) Agriculturist, R/o Bhaorasa, Distt : Dewas.
2. Shri Dinesh S/o Madanlal Mali (10 yrs) M. G. Mohanlal S/o Ghasiram Mali (32 yrs) Agriculturist, R/o Bhaorasa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land. Khasra No.	Area.
718	1/3
746/1	1/2
747/1	1/2
749	1/3
752	2/3/9
753/1	1/2
759/2	1/3
<hr/>	
Total 5/1 acre.	

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baburam S/o Beniram Brahman (45 yrs) Agriculturist,
R/o Bhaorasa, Tq: Sonkatch, Distt: Dewas.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd January 1976

- (2) 1. Shri Munnalal Mohanlal Mali, (19 yrs) Agriculturist,
R/o Bhaorasa, Distt: Dewas.
2. Shri Laxminarayan S/o Ghasiram Mali (19 yrs)
Agriculturist,
R/o Baorasa, Distt : Dewas.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land.
Khasra No. 750, Area 4-1 acres.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 3-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 7th January 1976

Ref. No. Raj./JAC(Acq.)/308.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-42 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Bhopal Singh Shekhawat S/o Shri Phool Singh for himself and natural guardian of his children (1) Chetan Singh, (2) Rajesh Kanwar (3) Mal Singh (4) Vijai Singh (5) Mahesh Kanwar.

(2) Smt. Gopal Kanwar, w/o Shri Bhopal Singh Shekhawat for herself and natural guardian of her children (1) Chetan Singh (2) Rajesh Kanwar (3) Mal Singh (4) Vijai Singh (5) Mahesh Kanwar, Resident of D-42, Bani Park Jaipur. (Transferor)

(2) Arun Parekh S/o Umrao Singh Parekh, Resident of D-1, Ganesh Marg, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

'Phool Niwas' in plot No. D-42, Hathi Babuji Marg, Bani Park, Scheme E, Jaipur more fully described in conveyance deed registered S. No. 1732 on 3.6.75 by Sub Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7—1—1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 7th January 1976

Ref. No. C.A.5/Haveli-I/July '75/260/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 42, H. No. 1-2A, F.P. No. 481, Plots 9 to 12 situated at Parvati, Poona-9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I (Poona) on 22-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arun Waman Apte, 1957 Madiwale Colony, Sadashiv Peth, Poona-30.
(Transferor)
- (2) Shri Apali Sahakari Griha Rachana Sanstha Marayadit,
Chairman : Shri V. L. Mehdale,
Secretary : Shri Y. G. Koshe,
481, Parvati, Poona-9.
(Transferee)

(3) **Building No. 1**

- (1) Mrs. Vijaya Madhukar Apte (2) Shri Vishnu Laxman Mehdale (3) Shri Govind Kashinath Chirme (4) Mrs. Manik Prabhakar Inamdar (5) Mrs. Anuradha Manohar Joshi (6) Shri Narayan Dattatraya Phadke (7) Mrs. Vrinda Aravind Khurjekar (8) Shri Ramanlal Hirala Zamwar (9) Shri S. C. Jathar.

Building No. 2

- (10) Mrs. Sunandha Keshavrao Mohite (11) Mrs. Kusum Balkrishna Purandhare (12) Shri Narayan Sitaram Bhagwat (13) Mrs. Sudha Jagannath Phadke (14) Shri Suhas Madhav Thorat (15) Kum. Leela Ramkrishna Ranade (16) Shri Yeswant Gajanan Koshe (17) Mrs. Jotshna Suresh Patwardhan (18) Mrs. Subhangi Narayan Vichare.

Building No. 3

- (19) Shri Sharad Krishnaji Modak (20) Shri Shridhar Narayan Joshi (21) Shri Vasant Purushottam Satpute (22) Shri Aniruddha Sitaram Rajawade (23) Shri Vasant Krishnaji Sugarkar (24) Shri Bhaskar Pandurang Angane (25) Shri Pandurang Sopanrao Dorje (26) Shri Anil Gopal Joshi (27) Shri Haribhau Dhondibh Bhandwalkar.

All at 481, Parvati, Poona-9.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land Survey No. 42, Hissa No. 1-2A, F.U. No. 481 Plots Nos. 9, 10, 11 and 12 and 3 Buildings constructed thereon with compound wall, pumps, tanks, etc., (as described in the conveyance deed registered at No. 1627 dated 22-7-75 in the office of the Sub Registrar, Haveli-I, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 7-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chimanlal Umaji Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY

Bombay-400020, the 2nd January 1976

Ref. No. AR.V/325/75-76.—Whereas, I, J. M. MEHRA,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V Bombay,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 254D P. H. No. 1/6, 253A PH 3/1 and 254A P.H. No. 3 (p) CTS. No. 5893 situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-5-1975, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) (1) Shri Popatlal Poonamchand Shah.
- (2) Shri Kokilaben Pratapchand Shah.
- (3) Shri Vinod Kumar Kanjibhai Patel.
- (4) Shri Nemchand Kasturchand Shah.
- (5) Shri Arvindkumar Nemchand.
- (6) Shri Babulal Wadilal Shah.

(Transferee)

M

- (3) (1) Shri Lakshmiben Manial.
- (2) Shri Kankumar Jagjiwan.
- (3) Shri Babubhai Sarupchand.
- (4) Shri Y. N. Tiwari.

- (1) Shri Chunilal Devji.
- (2) Shri Tulsidas Hariram.
- (3) Shri Kasturbai Dharamsi.
- (4) Shri Jhaverbai Jayram.

O

- (1) Shri Motiben Kuwarji.
- (2) Shri Vasram Karamsi.

C

- (1) Shri Mandraji Lukaji.
- (2) Shri Bhagoji Babaji Thakor.
- (3) Shri Mansabai Morarji.
- (4) Shri Saligram Sarjaprasad.

E

- (1) Shri Dahyabhai Vastaji.
- (2) Shri Himmathbhai Merambhai.
- (3) Shri Labshankar Kasiram Pandya.
- (4) Shri Sankalchand K. Shah.
- (5) Shri Ramji Neevabhai.
- (6) Shri Bhawanji Jeevabhai.
- (7) Shri Madhubhai Naottambhai Dave.

D

- (1) Shri Prabhudas Muljibhai.
- (2) Shri Gangaben Naibheram Solanki.

C

- (1) Shri Babubhai Dalpatbhai Taghlar.
- (2) Shri Vasantiben Vithaldas.
- (3) Shri Ramdev Rambilavan.
- (4) Shri Sonu Pandu.

H/1

- (1) Shri Shashikant Ratilal.
- (2) Shri Jayantilal Ratilal.
- (3) Shri Tarachand Malokchand.
- (4) Shri Sashikant Amarchand.
- (5) Shri Jeevandas Kanji.
- (6) Shri Babulal Gopalji.
- (7) Shri Navalchand Gopalji

H/2

- (8) Shri Shyam Nanalal Kotwal.
- (9) Shri Pandit Bhagvaticharya.
- (10) Shri Jumnaben Khimji Kapadi.
- (11) Shri Shivaji Keshavji Soni.
- (12) Shri Natvarlal D. Shah.
- (13) Shri Madhavji Khatao.

F

- (1) Tulsidas Bhanji Purohit.
- (2) Shri Madhu Babaji.
- (3) Shri Pandu Babaji.
- (4) Shri Debu Laxman.

B

- (1) Shri Hansraj Panchal.
- (2) Shri Chandrakant Arjan.
- (3) Shri Rajnikant Punjalal.
- (4) Shri VasANJI Dungarsi.
- (5) Shri Lakshmibai Mulji.

B

- (1) Shri Mulji Kuwarji.
- (2) Shri Lalji Bhanoji.
- (3) Shri Premji Parshottam.
- A. Monthly lease Laxmibai Harghadam.
- P. Monthly lease Kanji Virji.
- N. Monthly lease Tulasidas Hariram.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of non-agricultural land of ground formerly consisting of four piece now made into one with the measugas, tenement or dwelling house standing thereon and situate lying and being at Ghatkopar, Bombay Suburban District in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay containing by admeasurement 8619 sq. yds. i.e. 7206.35 sq. meters or thereabouts bearing agricultural survey No. 254-D, survey No. 253-A, Pot Hissa No. 1/6 survey No. 253-A pot Hissa No. 3/1 and survey No. 254-A Pot Hissa No. 3 (part) Entry No. 858 C.T.S. No. 5893 Sheet No. 2 and assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under Ward Nos. "N" 184, 187, 188(1), 190 (1) 190(2), 192 Street Nos. 176-177, 178, 175, 175A, 179 Mahatma Gandhi Road Ward "N" Nos. 185, 186, 190(4), 192, (1) 192 (1A), 192(1A), 192(2), 193(2), 193(7), Street Nos. 450, 449, 448, 534, 436, 534A, 388, 389, 412 and 389C Mahatma Gandhi Road and Ward "N" No. 139(9) Street No. 389F Mahatma Gandhi Road and bound as follows that is to say on or towards the East by a Temple and partly by the Public road known as Tilak Road, on or towards the West by the public Road leading from Ghatkopar to Chembur and known as Mahatma Gandhi Road, on or towards the north by the property bearing non-agricultural survey No. 254A belonging to Khimji Nagji Kothari and on or towards the south by the property bearing Non-agricultural survey No. 253B belonging to Virji Madhavji and used as Dharamshala.

J. M. MEHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-V, Bombay
Ayurvedic Hospital Building,
near Charni Road Station, Bombay-400 002.

Date : 2-1-1976.

Seal :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FORM ITNS

(1) Shri Naresh Kumar S/o Shri Madan Lal Nagpal
r/o Abohar Mandi C/o M/s. Dhabwali Fazilka,
Transport Co., Abohar.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ABOHAR/226/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plots situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Smt. Satj Nagpal W/o Shri Mohan Lal Nagpal (Prop. of Sandeep Cinema, Abohar) r/o Fazilka.
(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots Nos. 223, 225, 243 and 245 as mentioned in the Registered Deed No. 300 of May, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Naresh Kumar s/o Shri Madan Lal Nagpal
r/o Abohar Mandi C/o M/s. Dhabwali Fazilka
Transport Co., Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saroj Nagpal
W/o Shri Mohan Lal Nagpal (Prop. of Sandeep Cinema, Abohar) r/o Fazilka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ABOHAR/227/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots situated at Abohar Varanasi, (and more fully described in the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

26—426GI/75

*(3) As at S. No. 2 above tenant(s), if any, (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots Nos. 224, 226, 242 and 244 as mentioned in the Registered Deed No. 362 of May, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/228/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Mohan Singh, Gulzar Singh and Jarnall Singh ss/o Shri Amar Singh V. Avantipura or Anaitpura Teh. and District Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Shanghai Silks
Kashmir Road,
Amritsar.

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed Nos. 1467, 1468 and 2322 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Jarnail Singh s/o Shri Amar Singh R/o
Batala Road, Teh. and District Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shanghai Silk
Kashmir Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/229/75-76.—Whereas, J. V. R. SAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. 1/3rd property situated at Batala Road Amritsar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Amritsar in May on 1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

1/3rd share of the property at Batala Road, Amritsar as
mentioned in the Registered Deed No. 1468 of May, 1975 of
the Registering Authority, Amritsar, Tehsil.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Singh s/o Shri Amar Singh
R/o Batala Road, Teh. and Dist. Amritsar.
(Transferor)

(2) M/s. Shanghai Silks
Kashmir Road,
Amritsar.

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,
(Person whom the undersigned knows to be interest-

“(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/230/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd property situated at Batala Road, Amritsar,

(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Amritsar in May on 1975

'or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share oof the property at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1467 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gulzar Singh S/o Shri Amar Singh V. Avantipura or Anaitpura Teh. and Dist. Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shanghai Silks,
Kashmir Road,
Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Amritsar, the 9th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/231/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1/3rd property situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of the property at Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2322 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar Tehsil.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/232/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land No. 44 situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Singh Katarya s/o Shri Bishan Singh Katarya Kucha Aroor Mal Bhatia, Moti Bazar, Chawal Mandi, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Madan Lal s/o Shri Banarsi Dass, Kt. Ahluwalia, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44 Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 579 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Surinder Singh s/o Shri Jit Singh
r/o Queens Road, Amritsar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref No ASR/232/75-76—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Property, situated at Basant Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(2) Shri Jaspal Singh S/o Shri Jit Singh
r/o Queens Road, Amritsar

(Transferee)

(3) As at S. No 2 above and tenant(s), if any
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Basant Avenue Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 398 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Date 9-1-1976

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/234/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 property situated at 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lajwanti d/o Shri Kanshi Ram w/o Shri Chaman Lal Amritsar through Shri Amar Dass R. B. Rattan Chand Road, Amritsar. (Transferor)

(2) S/Shri Arun Kumar and Romesh Kumar ss/o Shri Amar Dass r/o R. B. Rattan Chand Road, Amritsar. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

† property No. 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed Nos. 521 and 522 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref. No. ASR/235/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1/4 property, situated at 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

27—426 GI/75

(1) Smt. Lajwanti d/o Shri Kanshi Ram
w/o Shri Chaman Lal Amritsar through Shri Amar Dass R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar s/o Shri Amar Dass
t/o R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.
(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,
(Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 property No. 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 522 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1976

Ref No. ASR/236/75-76—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4 property situated at 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lajwanti d/o Shri Kanshi Ram
w/o Shri Chaman Lal Amritsar through Shri Amar Dass, R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Romesh Kumar s/o Shri Amar Dass
r/o R. B. Rattan Chand Road, Amritsar.
(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any
(Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 property at 17 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 521 of May, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-1-1976.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1976

Ref. No. IX/1/29/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 3548/75) on 16-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Arcot Dhanakoti Charitable Trust represented by (1) T. N. Chandrasekaran, (2) Dr. A. C. Balaram, (3) V. V. Venkatasubramaniam & (4) Smt. Saraswathi Dhanakoti, 2/1, Brahadambal Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s. Keyram Hotels (P) Ltd.,
7/5, Thatha Muthiappan Street, Madras-1.
(Transferee)

*(3) Postal Department
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as aforesaid in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 47 grounds and 2292 sq. ft. with building thereon situated at No. 1 (R. S. No. 355/1), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. H. Tarapore,
15, Harrington Road,
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1976

Ref. No. IX/3/153/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, situated at Landons Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 3207/75) on 3-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Puranchand Gupta &
Smt. Saraswathi Devi.
12, Landons Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 grounds and 950 sq. ft. with building thereon situated at door No. 12, Landons Road, Madras-10 (R. S. No. 151/1).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. Kanagasabapathy,
C. 158, Main Street,
Tirunagai Madurai-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1976

Ref. No. X/10/17/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Good Shed Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 831/75) on 9-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Shri S. Singaram,
4, Goodshed Street,
Madurai-1.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3,030 sq. ft. with building thereon situated at door No. 4, T. S. No. 689/1, Goodshed Street, Madurai.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. Surender Kumar, H. No. 3-6-20 at Basheerbagh, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parameshwari, H. No. Gyanbagh, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1976

Ref. No. RAC. No. 227/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion No. 4 & 6 of 5-9-1111 situated at Kingh Koti, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Portion No. 4 & 6 of property bearing No. 5-9-1111 of Kingh Koti, Hyderabad comprising of 497 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 15th January 1976

Ref. No. DL/I/137/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building and shed on land measuring 8 acres 3 marlas situated at Govindpuri, Village & P. O. Kundli, District Sonepat, situated at Govindpuri, Village & P.O. Kundli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sarvshri
 (i) Gobind Ram, } Partners of Haryana
 (ii) Bhagwan Dass, } Vanaspati & General
 (iii) Girdhari Lal, } Mill., Village & Post Office
 (iv) Smt. Prem Lata } Kundli, District Sonepat.
 (Haryana).

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Rasoi Vanaspati & Industries Ltd. (Formerly known as Doyapore Tea Co. Ltd.), 20, Sir R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building and shed on land measuring 8 acres 3 marlas situated at Govindpuri, Village & Post Office Kundli, District Sonepat (Haryana).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 540 of April, 1975 of the Registering Officer, Delhi).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 15-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Macherla Sreeramamurthy,
S/o Ramachandrarao
41-111 Main Road, Gandhinagar, MADRAS-20.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 278, J. No. I (VSP)9/75-76.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14-1-38 situated at Gokhale Road Maharanipeta,
Visakhapatnam,
(and more fully described in
the schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Visakhapatnam on 30-4-1975
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Smt. Raja Sudarsana Gopala Bhavani Devi,
W/o Sri Ramachandraraju, Tangedu, Vizag Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

The Schedule property as per the document No. 1789/75 of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mocherla Sreeramamurthy,
S/o Ramachandrarao
14-111, Main Road, Gandhinagar, MADRAS-20.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 279 J. No. 1(VSP)10/75-76.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-1-38 situated at Gokhale Road, Maharanipeta, Visakhapatnam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 30-4-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Raja Sagi Seetharamaraju
S/o Sri Butchi Venkutagopalaraju
Tangedu, Vizag Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per the document No. 1790/75 of the S. R. O. Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

28-426GI/75

Date : 15-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mocheria Sreeramamurthy,
S/o Ramachandrarao
41-III, Main Road, Gandhinagar, Madras-20,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raja Sagi Ramabhadraraju
S/o Satyanarayananaraju,
Tangedu Village, Vigaz Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 280 J. No. I (VSP)/10/75-76.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 14-1-38 situated at Gokhale Road, Maharanipeta,
Visakhapatnam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Visakhapatnam on 30-4-1975
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922); or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per the document No. 1791/75
of the S. R. O., Visakhapatnam registered during the fort-
night ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 15-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gadireddy Jagannadharaju
Door No. 8-5-23, Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 281 J, No. KR/15/GDV/4-75.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the competent authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 43-1, 43/2-A and 44/2-A situated at Total land 15—52 cents at Oddula Meraka village
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Gudiwada on 15-4-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Veerla Anjeswararao, S/o Raghavaiah,
Oddula Meraka Village Gudiwada Taluk, Krishna District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1228/75 of the S. R. O., Gudiwada registered during the fortnight ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Damera Rambabu
S/o Varahalu, Kakinada.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 282 J. No. I(20)/EG/75-76.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
No. Survey No. 306-3, 306-4, 307-2, 313-1, 313-3, 313—2,
315-11, 315-12 and 315-13 (Land 12-35) situated at Atchutapuratrayam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer
at Kakinada on 15-4-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Shrimati Merla Satyanarayananamma
W/o Krishnamurthy, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2159/75 re-
gistered before the S.R.O., Kakinada during the fortnight
ended 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-12-1975.
Seal :